पहल

आंगनवाड़ी कार्यकत्री ई.सी.सी.ई. मैन्युअल

निदेशालय, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार
उत्तर प्रदेश, लखनऊ

पहल

आंगनवाड़ी कार्यकत्री ई.सी.सी.ई. मैन्युअल

निदेशालय, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार
उत्तर प्रदेश, लखनऊ

प्रस्तावना

बच्चों के जीवन के प्रथम 6 वर्ष उनके विकास हेतु बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि 90% मस्तिष्क का विकास इसी समय हो जाता है। अतः गुणवत्तापूर्ण देखभाल और शाला-पूर्व-शिक्षा उनके जीवन के प्रारंभिक वर्षों में अत्यंत ही आवश्यक है। बच्चों को प्रारंभिक बाल्यावस्था में दी गई गुणवत्तापूर्ण देखभाल और शाला पूर्व शिक्षा का सकारात्मक प्रभाव दीर्घकालीन होता है एवं उसका असर उनके जीवन में प्राप्त होने वाली सफलताओं पर पड़ता है। इस सकारात्मक प्रभाव के लिए उनके जीवन के प्रारंभिक अनुभव बहुत ही मूल्यवान होते हैं, क्योंकि इन्हीं अनुभवों से उनके विचार, व्यवहार, संवेगों और स्मृतियों का निर्माण होता है। यदि इस समय बच्चों को एक प्रेरणाप्रद और अर्थवान, भौतिक और मनोसामाजिक वातावरण न मिले, तो उनके पूर्ण विकास में काफी हद तक कमी आ सकती है। इसलिए बच्चों के विकास हेतु आवश्यक देखभाल और शाला पूर्व शिक्षा को महत्व देते हुए, आई. सी.डी.एस. के तहत, आंगनवाड़ी केंद्रों में अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन (ई.सी.सी.ई.) की सेवाएं उपलब्ध कराई जाती है। एक आंगनवाड़ी में मिलने वाली सर्वोत्तम ई.सी.सी.ई. का कार्यक्रम, बच्चों को जन्म से लेकर विद्यालय में दाखिला होने तक (6 वर्ष) सहायता करता है। शुद्ध पौष्टिक खाना, स्वच्छ वातावरण, दुर्घटना से सुरक्षा, प्यार एवं आदर (केंद्र और घर पर) और बड़े-बुजुर्गों के साथ बातचीत, 3 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की वृद्धि, बौद्धिक एवं सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है।

3-6 वर्ष के बच्चों के लिए आंगनवाड़ी केंद्र में इन कारकों के अतिरिक्त शाला-पूर्व-शिक्षा के लाभ प्राप्त करने की सुविधा मिलती है। यह देखा गया कि जो बच्चे विद्यालय में प्रवेश होने से पहले एक अच्छी शाला-पूर्व-शिक्षा योजना का लाभ प्राप्त करते हैं, वे प्राथमिक विद्यालय में सहजता से सामंजस्य बैठा लेते हैं और अच्छी प्रगति करके दिखाते हैं। लेकिन हमें याद यह रखना है कि यहां शाला-पूर्व-शिक्षा का अर्थ, 3 वर्ष की उम्र से ही वर्ण परिचय या गिनती सीखना नहीं, बल्कि इस समय खेल-खेल में बच्चों को अपनी जिज्ञासा और कल्पना-शक्ति से रचना करने, स्वयं सीखने और पूर्व-लेखन, पूर्व-पढ़ने और पूर्व-संख्या के कौशल को बढ़ाने का अवसर देना है। एक गुणवत्तापूर्ण शाला-पूर्व-शिक्षा का उद्देश्य होता है- बच्चों का समय पर विकास एवं सारे विकास के क्षेत्रों - शारीरिक, बौद्धिक, भाषा, सामाजिक, भावनात्मक, एवं रचनात्मक विकास-समन्वयता से प्रगति सुनिश्चित करना।

इस संदर्भ में, उत्तर प्रदेश के एस.सी.ई.आर.टी द्वारा राष्ट्रीय ई.सी.सी.ई नीति, 2013 एवं राष्ट्रीय ई. सी.सी.ई करिक्यूलम फ्रेमवर्क, 2014 के मानकों को ध्यान में रखते हुए, राज्य ई.सी.सी.ई. पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। उक्त विकसित पाठ्यक्रम पर आधारित, आई.सी.डी.एस. उ.प्र. द्वारा यह **ई.सी.सी.ई. मैन्युअल** बनाई गई है, जिसके माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों पर कार्यकत्रियों द्वारा संचालित किए जाने वाले ई.सी.सी.ई. गतिविधियों हेतु मार्गदर्शन दिए गए हैं।

विषय-सूची

पहला भाग – आंगनवाड़ी कार्यकत्री के लिए सामान्य जानकारी 1

1. विकास के क्षेत्र 2

2. दैनिक दिनचर्या और वार्षिक गतिविधि कैलेण्डर 6

2.1 दैनिक दिनचर्या 7
2.2 दैनिक दिनचर्या के अनुसार बैठने की व्यवस्था 8
2.3 आंगनवाड़ी केंद्र की सजावट 9
2.4 वार्षिक गतिविधि कैलेण्डर 11

3. प्री–स्कूल किट एवं टी.एल.एम. 12

3.1 प्री-स्कूल किट 12
3.2 टी.एल.एम. बनाना 14

4. साप्ताहिक, मासिक और वार्षिक गतिविधियां 19

4.1 साप्ताहिक स्टार (स्टार ऑफ द वीक) 19
4.1.1 अहम बातें 19
4.2 पी.टी.एम. 20
4.2.1 पी.टी.एम. का उद्देश्य 20
4.2.2 पी.टी.एम. से पूर्व की तैयारी 21
4.2.3 पी.टी.एम. में की जाने वाली गतिविधियां 21
4.3 बच्चों के जन्मदिन का आयोजन 22
4.3.1 जन्मदिन के आयोजन हेतु कुछ दिशा-निर्देश 22
4.4 स्थानीय क्षेत्र में मासिक पर्यटन हेतु दिशा-निर्देश 23
4.4.1 पर्यटन से पूर्व की तैयारी 23
4.4.2 पर्यटन के बाद की गतिविधि 23
4.4.3 मासिक पर्यटन के दौरान ध्यान रखने वाली अहम बातें 24
4.5 थीम-आधारित उत्सव 25
4.6 प्राथमिक विद्यालय के लाइब्रेरी का प्रयोग 27
4.7 वार्षिक उत्सव ऐनुअल डेद्ध 27
4.7.1 वार्षिक उत्सव से पूर्व की तैयारी 27
4.7.2 वार्षिक उत्सव की गतिविधिया 28

दूसरा भाग – वार्षिक कैलेण्डर आधारित गतिविधियां 29

5. प्रथम चक्र का समय – 03–06 वर्ष हेतु सामुहिक गतिविधियां 30

5.1 दैनिक नियमित गतिविधि 30
5.2 थीम आधारित वार्तालाप 31
5.3 दिल की बात 32
5.3.1 आओ सुनाएं, बात मेरे अपनों की 32
5.3.2 कौन कैसे करता है? 32

5.3.3	स्कूल टीचर से एक मुलाकात	32
5.3.4	मेरा परिवेश, मेरी पसंद	33
5.3.5	आओ बतायें अपनी पसंद	33
5.3.6	आप कैसे हैं?	33
5.3.7	मेरी तुम्हारी यादें	34
5.3.8	कैसा महसूस होता है?	34
5.3.9	आओ बात करें: मुझे कब गुस्सा आता है	34
5.3.10	मुझे कैसा लग रहा है	35
5.3.11	चर्चा करें - मेरा चुनाव	35
5.3.12	मेरी बात जो मुझे बनाती है खास	35
5.3.13	अपने प्रियजनों के बारे में बताएं	36
5.3.14	चिट-चौट	36
6.	**दूसरे चक्र का समय – आयु वर्ग अनुसार गतिविधियां**	**37**
6A.	**03–05 वर्ष आयु वर्ग**	**40**
6A.1	विकासात्मक और अधिगम उपलब्धियां	41
	03-04 आयु वर्षः	41
	04-05 आयु वर्षः	43
6A.2	चित्र पर दाने बैठाना	45
	चित्र पर दाने बैठाना	45
6A.3	रंग	46
	रंग मिलान करना	46
	रंग पहचानना	47
	रंगों को छांटना	48
6A.4	आकार	49
	आकार मिलान करना	49
	आकार पहचानना	50
	आकारों को छांटना	51
6A.5	थीम आधारित - पशु-पक्षी, फल-सब्ज़ी, यातायात के साधन	52
	मिलान करना - ठोस वस्तुओं से	52
	मिलान करना - चित्रों से	53
	छांटना - ठोस वस्तुओं से	53
	छांटना - चित्रों से - पहला चरण	54
	छांटना - चित्रों से - दूसरा चरण	54
	क्या गायब है - ठोस वस्तुओं से	55
	क्या गायब है - चित्रों से - पहला स्तर	55
	आवाज़ निकालना - चित्रों से - पशु-पक्षी और वाहन के	56
6A.6	संख्या पूर्व की अवधारणा - छोटा-बड़ा, मोटा-पतला, कम-ज्यादा, दूर-पास	57
	छोटा-बड़ा - वस्तुओं से	57
	छोटा-बड़ा - चित्रों से	58
	मोटा-पतला - वस्तुओं से	58
	मोटा-पतला - चित्रों से	59
	कम-ज्यादा - वस्तुओं से	59

	कम-ज्यादा - चित्रों से	60
	हल्का - भारी - वस्तुओं से	60
	दूर-पास - वस्तुओं से	61
	दूर-पास - चित्रों से	61
6A.7	स्थान और दिशा की अवधारणा - अंदर-बाहर, ऊपर-नीचे, आगे-पीछे	62
	अंदर-बाहर - ठोस वस्तुओं से	62
	अंदर-बाहर - चित्रों से	63
	ऊपर-नीचे - ठोस वस्तुओं से	63
	ऊपर-नीचे - चित्रों से	64
	आगे-पीछे	64
6A.8	क्रमबद्धता	65
	क्रमबद्धता - पहला स्तर - छोटे से बड़ा, मोटे से पतला, लंबे से छोटाः 03 माप तक	65
	क्रमबद्धता - दूसरा स्तर - कम से ज्यादाः 03 माप तक	65
6A.9	आवाज़ पहचानना	66
	ज़ोर और हल्की आवाज़	66
	मिलान - दो-तीन समान आवाज़ों के जोड़े	66
6A.10	स्वाद पहचानना	67
	स्वाद की पहचान - नमकीन, मीठा और खट्टा	67
	मिलान - नमकीन और मीठा	67
6A.11	गंध पहचानना	68
	गंध की पहचान - दो-तीन गंध की पहचान	68
	मिलान - दो-तीन गंध से	68
6B	**05–06 वर्ष आयु वर्ग**	**69**
6B.1	विकासात्मक और अधिगम में उपलब्धियां	70
6B.2	चित्र पर दाने बैठाना	72
	चित्र पर दाने बैठाना	72
6B.3	रंग	73
	रंग मिलान करना	73
	रंग पहचानना	74
	रंगों को छांटना	74
6B.4	आकार	75
	आकार मिलान करना	75
	आकार पहचानना	76
	आकारों को छांटना	76
6B.5	थीम आधारित - पशु-पक्षी, फल-सब्ज़ी, यातायात के साधन	77
	मिलान करना - ठोस वस्तुओं से	77
	मिलान करना - चित्रों से	78
	छांटना - ठोस वस्तुओं से	78
	छांटना - चित्रों से	79
	क्या गायब है - ठोस वस्तुओं से	79
	क्या गायब है - चित्रों से - पहला स्तर	80
	क्या गायब है - चित्रों से - दूसरा स्तर	80
6B.6	क्रमबद्धता	81

	क्रमबद्धता - दूसरा स्तर - 03 माप और 05 माप तक	81
6B.7	चरणबद्धता	82
	चरणबद्धता - चित्रों से	82
6B.8	आवाज़ पहचानना	83
	मिलान - तीन समान आवाज़ों के जोड़े	83
	क्रमबद्धता - ज़ोर से हल्की आवाज़	83
6B.9	स्वाद पहचानना	84
	मिलान - खट्टा, नमकीन और मीठा	84
6B.10	गंध पहचानना	85
	मिलान - दो-तीन गंध से	85
6B.11	चिकने-खुरदुरे को पहचानना	86
	चिकने-खुरदुरे को पहचानना - स्पर्श बोर्ड से	86
	छांटना - वस्तुओं से	87
7.	**तीसरे चक्र का समय – 03–06 वर्ष हेतु सामुहिक गतिविधियां**	**88**
7.1	रस्सी पर चलना	88
7.2	रस्सी के ऊपर से कूदना और नीचे से चलना	89
7.3	गेंद का खेल	90
7.4	मेंढक दौड़	90
7.5	हम बाज़ार जाएंगें	91
7.6	दीदी-दीदी किसकी चाल	91
7.7	फलों का सलाद	91
7.8	सुरंग का खेल	91
7.9	हॉपस्कोच	92
7.10	टायर रेस	92
7.11	तीन पैरों की रेस	93
7.12	सजग रहो और जगह बदलो	93
7.13	बताएं कि शरीर क्या-क्या और कैसे महसूस करता है	94
7.14	अपनी आज की खोज/सीख बताएं	95
7.15	अपने प्रियजनों के बारे में बताएं	95
7.16	मेरी बारी, तेरी बारी	95
7.17	मेरी ताली का पैटर्न दोहराएं	96
7.18	छवि पहचानें	96
7.19	टाइमर बोतल बनाएं	97
7.20	छुट्टी पर जाने की कल्पना करें	97
7.21	मकान बनाओ	98
7.22	आओ अभिनय करके दिखाएं	98
7.23	कैसे निकलें- कठिन स्थिति से बाहर	99
7.24	परिस्थिति बदलें	99
8	**चौथे चक्र का समय – आयु वर्ग अनुसार गतिविधियां**	**100**
8.1	विद्यालय की तैयारी	100
8A	**03–05 वर्ष आयु वर्ग**	**101**
8A.1	हिंदी: ध्वनियों की पहचान	102

	पहली ध्वनि को पहचानना	102
	चित्रों को छांटना: पहली ध्वनि के आधार पर	103
	एक समान ध्वनि से शब्द बनाना	103
	ध्वनि के प्रतीक को पहचानना	104
	नाम टैग से पहले ध्वनि को पहचानना	105
	मिस्ट्री बैग: पहली ध्वनि को पहचानना	105
	आखिरी ध्वनि को पहचानना	106
8A.2	हिंदी अक्षरों को लिखना	107
	बिंदुओं को जोड़ना	107
8A.3	अंग्रेज़ी	108
	बड़े अक्षर के प्रतीक को पहचानना	108
	छोटे अक्षर के प्रतीक को पहचानना	109
8A.4	अंग्रेज़ी अक्षरों को लिखना	110
	बिंदुओं को जोड़ना	110
8A.5	परिमाण और संख्या की पहचान	111
	परिमाण - हाथ, पैर, रस्सी और संख्या से मापना	111
	परिमाण और गिनना - पहला स्तर	112
	परिमाण और गिनना - दूसरा स्तर	113
	जोड़ करना	113
8B	**05–06 वर्ष आयु वर्ग**	**114**
8B.1	हिंदी: अक्षरों से शब्द बनाना	115
	अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाना	115
	शब्द पूरा करना	116
8B.2	हिंदी अक्षरों को लिखना	117
	बिंदुओं को जोड़ना	117
8B.3	अंग्रेज़ी	118
	बड़े से छोटे अक्षरों को छांटना	118
	बड़े से छोटे अक्षर के प्रतीक का मिलान करना	119
	अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाना	119
8B.4	अंग्रेज़ी अक्षरों को लिखना	120
	बिंदुओं को जोड़ना	120
8B.5	परिमाण	121
	परिमाण - हाथ, पैर, रस्सी और संख्या से मापना	121
	पानी मापना	122
8B.6	संख्या की पहचान	123
	परिमाण और गिनना - पहला स्तर	123
	परिमाण और गिनना - दूसरा स्तर	124
	संख्या की प्रतीक की पहचान	124
	परिमाण से प्रतीक मिलाना	125
	संख्या लिखना	126
	जोड़ करना	126
	घटाना	127
8.2	रचनात्मक कार्य	128

8.2.1	मुक्त चित्रकारी	128
8.2.2	आकृतियो में रंग भरना	128
8.2.3	छाप लगाना	129
8.2.4	प्रेस प्रिंटिंग	129
8.2.5	ऑरिगामी	129
8.2.6	बिंदुओं को जोड़कर चित्र बनाना	129
8.2.7	क्ले मॉडलिंग	129
8.2.8	कोलाज का काम	129
9.	**पांचवे चक्र का समय – 03–06 वर्ष हेतु सामुहिक गतिविधियां**	**130**
9.1	कहानी	130
9.1.1	कहानी सुनाने का महत्व	130
9.1.2	कहानी सुनाने पर अहम बातें	130
9.1.3	मौखिक कहानी सुनाने पर कुछ अहम बातें	131
9.1.4	चित्र कार्ड के माध्यम से कहानी सुनाने पर कुछ अहम बातें	131
9.1.5	प्रोप के माध्यम से कहानी सुनाना	132
9.1.6	कहानी की किताब के माध्यम से कहानी सुनाने पर कुछ अहम बातें	133
9.1.7	कहानियाँ	134
	संगठन में शक्ति	134
	दयालू पलक	135
	आओ सफाई करे	136
	चींठी बहन ने खेती	137
	सच्चा मित्र	139
	चींठी और तोता	141
	खरगोश भाई आ रहे है	141
	सब्जियां की पहचान	143
9.2	भाव-गीत	145
9.2.1	अंग्रेज़ी भाव-गीत	145
	कम लिटल चिल्ड्रेन, कम टू मी	145
	रोली पोली, रोली पोली	146
	हेड शोल्डर्स नीज़ एंड टोज़	146
	वेन यू वॉन्ट समथिंग यू से	147
	बेल्स आर रिगिंग	148
9.2.2	हिंदी भाव-गीत	149
	हुआ सवेरा चिड़िया बोली	149
	मैं तो सो रही थी	149
	साबुन भैया हाथ मिलाओ	149
	मेरी मुट्ठी में क्या चीज़	149
	चढ़े पेड़ पर कल्लू भल्लू	149
	हरा-भरा पेड़	149
	पेड़ों ने दी साफ हवा	150
	अमरूद है गोल, खरबूजा गोल	150

	आलू बैगन गाड़ी	150
	आज गांव में आया हाथी	150
	कौआ काला, कोयल काली	150
	नाई क्या-क्या करता	150
	कुम्हार चाचा घड़े बनाते	150
	हम साईकिल चलाना जानते हैं	150
	छुक-छुक चलती रेल नए-नए दिखलाती खेल	151
	होली आई होली आई	151
	तीन रंग का अपना झण्डा, इसे तिरंगा कहते है	151
	बारिश जब हो ज़ोरदार	151
	बच्चों मेरी सुनो कहानी	151
	एक चिड़ियाँ	152
	ढोलक	152
	चिड़ियाँ	152
	गोल, तिकोन, चार कोन	152
	आओ भाई खेले खेल	152
	वर्षा रानी आओ	152
	कुत्ता	153
	तोता	153
	ऐसे गिनती बढ़ती जाए	153
	उंगलियाँ	153
9.3	नाटक व अभिनय	154
9.3.1	मेरे दादा-दादी	154
9.3.2	मैं हूँ एक फूल	154
9.3.3	अच्छे दोस्त का इश्तेहार बनाएं	155
9.3.4	जंगल-जंगल	155
9.3.5	पपेट की भावना पहचानें	156
9.3.6	गैराज-गैराज	156
9.3.7	चेहरा देखें, भावना पहचानें	157
9.3.8	मेरे अपने	157
9.3.9	खिलौनों का घर	158
9.3.10	बोलता पपेट- बताता अपनी बात	158
9.3.11	जब मन हो उदास	158
9.3.12	दूसरों के प्रति अच्छे व्यवहार को दर्शाएं	159
तीसरा भाग – लैंगिक समानता, समावेशी शिक्षा व मूल्यांकन		**160**
10.	**लैंगिक समानता**	**161**
11.	**विशेष ज़रूरत वाले बच्चे**	**163**
12.	**बाल मूल्यांकन**	**165**

पहला भाग

आंगनवाड़ी कार्यकत्री के लिए सामान्य जानकारी

इस भाग में निम्नलिखित विषयों पर जानकारी दी गई है–

- बच्चों में होने वाले पाँचों विकास के क्षेत्रों के बारे में
- वार्षिक गतिविधि कैलेण्डर एवं कैलेण्डर में दैनिक दिनचर्या को किस प्रकार से बाँटा गया है
- प्री- स्कूल किट में सम्मिलित सामग्री व प्री- स्कूल किट के उपयोग तथा सामान्य टी.एल.एम. बनाने के प्रकिया के बारे में
- बच्चों और अभिभावकों के साथ कराये जाने वाले साप्ताहिक, मासिक और वार्षिक गतिविधियों के बारे में

1

विकास के क्षेत्र

बच्चों में विकास के पांच क्षेत्र होते हैं:-

1. **शारीरिक विकासः** शारीरिक विकास दो प्रकार से होता है:-

   I. लंबाई, वज़न, शरीर के गठन इत्यादि में परिवर्तन

   II. छोटी और बड़ी मांसपेशियों का विकास

   शाला-पूर्व-शिक्षा में बच्चों के छोटी और बड़ी मांसपेशियों के विकास पर ध्यान दिया जाता है। बच्चों में छोटी मांसपेशियों का विकास दिखता है जब उनमें पकड़ने, लिखने, रखने, उठाने इत्यादि की क्षमता आ जाती है। चलना, दौड़ना, कूदना, फेंकना, ऊंचा उछलना इत्यादि, बड़ी मांसपेशियों के विकास के लक्षण होते हैं।

V9B1T8

2. **बौद्धिक विकास:** बौद्धिक विकास का अर्थ है, जब बच्चे अपनी पांचों इंद्रियों (देखना, सुनना, सूंघना, चखना एवं स्पर्श) का प्रयोग करके अपने सामाजिक, प्राकृतिक और भौतिक वातावरण से विभिन्न धारणाओं पर समझ बनाते हैं। जैसे- रंग, आकार, मोटा-पतला, हल्का-भारी, कम-ज्यादा, ठंडा-गरम, दिन-रात इत्यादि। बौद्धिक विकास के कुछ संकेतक हैं - समस्याओं को सुलझा पाना, निरीक्षण और विचार करके चीज़ों के गुणों को जान पाना, स्मरण शक्ति बढ़ना, वर्गीकरण कर पाना और घटनाओं को क्रम से बता पाना।

3. **भाषा का विकास:** शाला-पूर्व-शिक्षा में भाषा विकास का मतलब नई भाषा सीखना नहीं है। यहां भाषा विकास का अर्थ है, बच्चों को अपनी भाषा में ही बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करना, ताकि वे दूसरों की बातों को ध्यानपूर्वक सुनें, अपने विचार व्यक्त करें, उनमें प्रश्न करने की क्षमता हो, कहानी सुनने और सुनाने में रूचि लें और नए शब्दों को सीखकर उनका प्रयोग कर पाएं।
यह सभी बच्चों की प्रारंभिक साक्षरता अर्थात पढ़ने-लिखने के कौशल को बढ़ाने में मददगार होते हैं, जो केंद्र से विद्यालय में प्रवेश लेने वाले बच्चों के लिए अति आवश्यक है।

4. **सामाजिक एवं भावनात्मक विकासः** बच्चों में सामाजिक विकास की वृद्धि तब होती है, जब वे समाज अर्थात केंद्र, घर और समुदाय के तौर-तरीकों से समन्वय बनाकर रहते हैं। 3-6 वर्ष के बच्चों में सामाजिक विकास का अर्थ है, केंद्र और घर में मिल-जुलकर रहना, अपनी बारी की प्रतीक्षा करना, अपने संवेगों पर नियंत्रण और समाज की अपेक्षाओं के अनुसार व्यवहार करना।

भावनात्मक विकास का अर्थ है, अपनी भावनाओं को पहचानना, उन पर नियंत्रण रखना एवं उन्हें उचित समय, जगह और तरीके से प्रदर्शित करना।

सामाजिक–भावनात्मक शिक्षा

सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा, प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा का एक महत्वपूर्ण अंग है। बच्चों को अपने घर के साथ-साथ, अपने आस-पास के समुदाय में भी सुरक्षित एवं आश्वस्त महसूस कराना भी जरूरी हैं। परिवार के बाहर, बच्चे का सबसे पहला सामाजिक अनुभव आंगनबाड़ी केंद्र में होता हैं। आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चे अपने साथियों के साथ समय बिताते हैं और आंगनबाड़ी कार्यकत्री उन्हें अपने समान आयु वर्ग के साथियों के साथ संबंध बनाने में उनकी मदद करती हैं। इस संबंध में आंगनबाड़ी कार्यकत्री की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। आंगनबाड़ी कार्यकत्री को, बच्चों द्वारा केंद्र पर बिताए गए समय एवं गतिविधियों के दौरान, उनके व्यवहार पर ध्यान जरूर देना चाहिए। आंगनबाड़ी कार्यकत्री को बच्चों द्वारा अपने भावनाओं को अभिव्यक्त करने में उनकी मदद करनी चाहिए, ताकि वह सहजता से अपने साथियों के साथ मजबूत रिश्ते बना सकें। हालांकि सामाजिक-भावनात्मक विकास, दिनचर्या की सभी गतिविधियों का अहम हिस्सा है, आंगनबाड़ी कार्यकत्री को, बच्चों द्वारा अपनी भावनाओं को पहचानने और उन्हें प्रबंधित करने में मदद करने हेतु, विशेष प्रयास करना चाहिए। इससे बच्चें अपनी परिवेश में स्वस्थ सामाजिक-भावनात्मक व्यवहारों का अभ्यास करेंगे। अतः बच्चों में उपयुक्त सामाजिक-भावनात्मक विकास सुनिश्चित करने हेतु दैनिक दिनचर्या में इससे संबन्धित कुछ विशिष्ट गतिविधियां दी गयी हैं।

5. **रचनात्मक विकास:** बच्चे जब अपनी कल्पना और अनुभवों का प्रयोग करके किसी भी चीज़ की रचना करने में रूचि रखते हैं, तब उनके रचनात्मक विकास में वृद्धि दिखाई देती है। चित्रकारी, नृत्य, कहानी बनाना, अपने मन से खेल बनाना एवं खेलना इत्यादि, 3-6 वर्ष के बच्चों द्वारा किए गए रचनात्मक कार्यों के कुछ उदाहरण हैं।

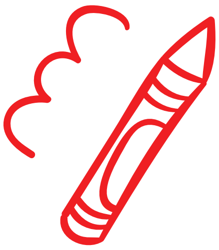

2

दैनिक दिनचर्या और वार्षिक गतिविधि कैलेण्डर

आंगनवाड़ी केंद्र पर 03-06 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के साथ दैनिक दिनचर्या में कराए जाने वाली गतिविधियां निम्न प्रकार से हैं -

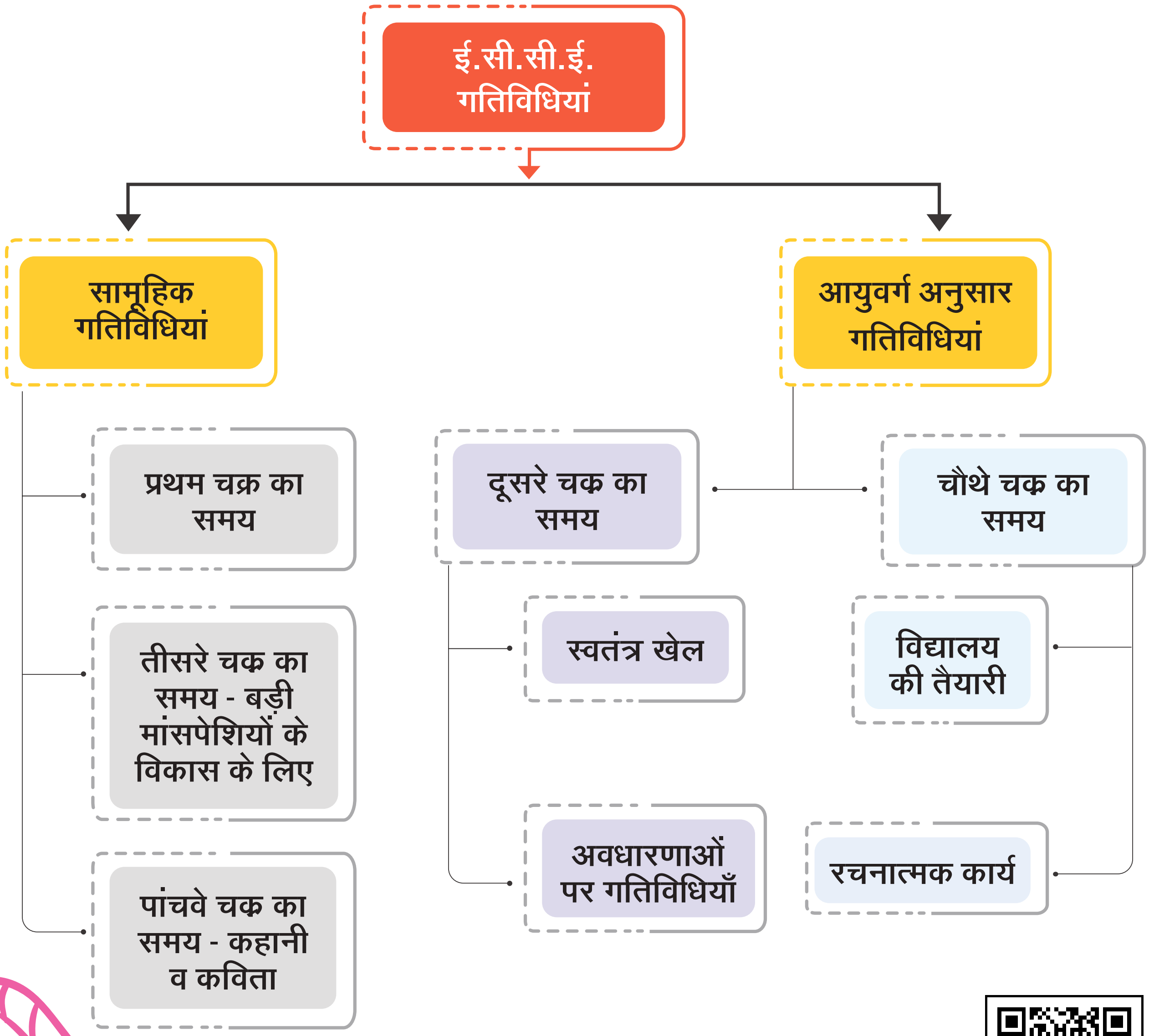

Y8G8Z7

2.1 दैनिक दिनचर्या

<table>
<tr><th>सत्र</th><th colspan="6">विवरण</th></tr>
<tr><td>प्रथम चक्र का समय
(30 मिनट)</td><td colspan="6">स्वागत, प्रार्थना, स्वच्छता जांच, उपस्थिति, कैलेण्डर की गतिविधि, नियम पढ़ना, ताज़ा खबर/समाचार, थीम आधारित वार्तालाप</td></tr>
<tr><td>मॉर्निंग स्नैक्स
(10 मिनट)</td><td colspan="6">हाथ धोना और मॉर्निंग स्नैक्स का वितरण</td></tr>
<tr><td rowspan="5">दूसरे चक्र का समय

(अवधारणाओं पर गतिविधियाँ एवं स्वतंत्र खेल (30 मिनट + 30 मिनट)</td><td colspan="6">प्रथम चक्र के बाद, बच्चों को आयु के अनुसार दो समूह में बांटना है- 3-5 वर्ष और 5-6 वर्ष।</td></tr>
<tr><td colspan="2">समय अवधि</td><td colspan="2">3-4 वर्ष</td><td colspan="2">4-5 वर्ष</td></tr>
<tr><td colspan="2">30 मिनट</td><td colspan="2">स्वतंत्र खेल</td><td colspan="2">अवधारणाओं पर गतिविधि</td></tr>
<tr><td colspan="2">30 मिनट</td><td colspan="2">अवधारणाओं पर गतिविधि</td><td colspan="2">स्वतंत्र खेल</td></tr>
<tr><td colspan="4">निर्देशित गतिविधियां – प्राकृतिक, भौतिक व सामाजिक अवधारणाओं पर एवं रंग, आकार तथा संख्या पूर्व अवधारणाओं पर समझ बनाने हेतु गतिविधियां करेंगी। जैसे– रंग, आकार, बड़ा और छोटा, कम और ज्यादा आदि की अवधारणाएं।</td><td colspan="2">महीने में एक दिन - प्रकृति की सैर एवं पास के इलाके का भ्रमण करना।</td></tr>
<tr><td>तीसेरे चक्र का समय
(30 मिनट)</td><td colspan="6">बड़ी मांसपेशियों के विकास के लिए जैसे– कूदना , दौड़ना, रेंगना, फेंकना और गेंद को पकड़ना आदि खेलों को बाहर खेला जा सकता है।
यदि कोई बाहरी स्थान उपलब्ध नहीं है, तो इन खेलों को थोड़ा–थोड़ा करके केंद्र के अंदर भी खेला जा सकता हैं।</td></tr>
<tr><td rowspan="4">चौथे चक्र का समय
(30 मिनट)</td><td>गतिविधि</td><td colspan="2">3-4 वर्ष</td><td>4-5 वर्ष</td><td colspan="2">5-6 वर्ष</td></tr>
<tr><td>रचनात्मक कार्य</td><td colspan="2">सोमवार, बृहस्पतिवार</td><td>सोमवार, बृहस्पतिवार</td><td colspan="2">शुक्रवार</td></tr>
<tr><td>विद्यालय की तैयारी</td><td colspan="2">बुधवार, शनिवार</td><td>बुधवार, शनिवार</td><td colspan="2">सोमवार, बृहस्पतिवार</td></tr>
<tr><td>गतिविधि पुस्तिका</td><td colspan="2">शुक्रवार</td><td>शुक्रवार</td><td colspan="2">बुधवार, शनिवार</td></tr>
<tr><td rowspan="2">पांचवें चक्र का समय
(30 मिनट)</td><td>सोमवार</td><td>मंगलवार</td><td>बुधवार</td><td>बृहस्पतिवार</td><td>शुक्रवार</td><td>शनिवार</td></tr>
<tr><td>कहानी की किताब</td><td>हिंदी भाव–गीत</td><td>मौखिक कहानी</td><td>हिंदी भाव–गीत</td><td>अंग्रेज़ी भाव–गीत</td><td>कहानी (किताब या मौखिक)</td></tr>
<tr><td colspan="7">मध्याह्न भोजन</td></tr>
</table>

2.2 दैनिक दिनचर्या के अनुसार बैठने की व्यवस्था

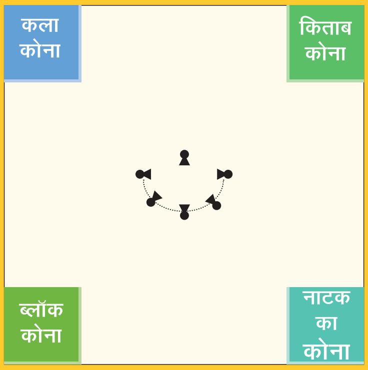

प्रथम चक्र का समयः प्रथम चक्र के समय की गतिविधियों से बच्चों में सामाजिक और भावनात्मक विकास होता है। इस समय सभी बच्चे कार्यकत्री के साथ एक गोल घेरे में बैठेंगे ताकि वे एक-दूसरे को और कार्यकत्री को आसानी से देख पाएं।

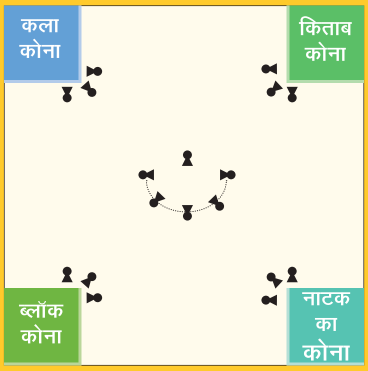

दूसरे चक्र का समयः बच्चों को दो समूह में बांटने के बाद कार्यकत्री जिस समूह के साथ निर्देशित कार्य की अवधारणाओं पर गतिविधि करेंगी, उनके साथ केंद्र के बीच में एक अर्ध-गोले में बैठेंगी।

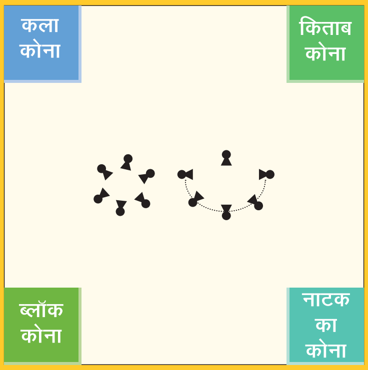

चौथे चक्र का समयः कार्यकत्री बच्चों को 2 समूह में बाटेंगी। कार्यकत्री बच्चों को 2 समूह में बांटेगी। कैलेण्डर के अनुसार जिस समूह के साथ विद्यालय की तैयारी पर गतिविधियां कराये जाएंगे, कार्यकत्री उस समूह पर विशेष ध्यान देंगी ।

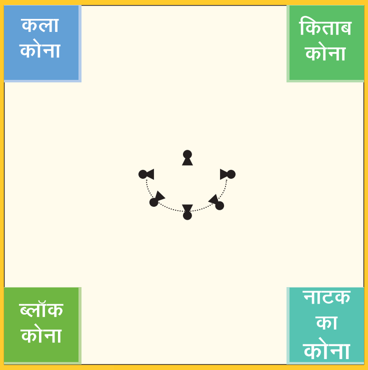

पाँचवे चक्र का समयः इस सत्र में बच्चे अर्ध गोले में बैठ सकते हैं। यदि बच्चों की संख्या अधिक हो तो, बच्चों को दो अर्ध गोले में बैठाया जा सकता है-छोटे बच्चे छोटे गोले में और बड़े बच्चे बड़े गोले में।

2.3 आंगनवाड़ी केंद्र की सजावट

I. **खेल के चार कोने:** बच्चों को स्वयं परीक्षण/निरीक्षण करके सीखने के अवसर के लिए केंद्र में खेल के चार कोने होने चाहिए, जो उनके सभी विकास के क्षेत्रों को बराबरी से संबोधित करते हैं। ये कोने हैं- किताब कोना, कला कोना, ब्लॉक कोना और नाटक का कोना। हर कोने में सभी बच्चे के उपयोग और खेल के लिए पर्याप्त एवं उम्र के उपयुक्त सामग्री होनी चाहिए। इन कोनों का प्रयोग बच्चे स्वतंत्र खेल के समय करेंगे।

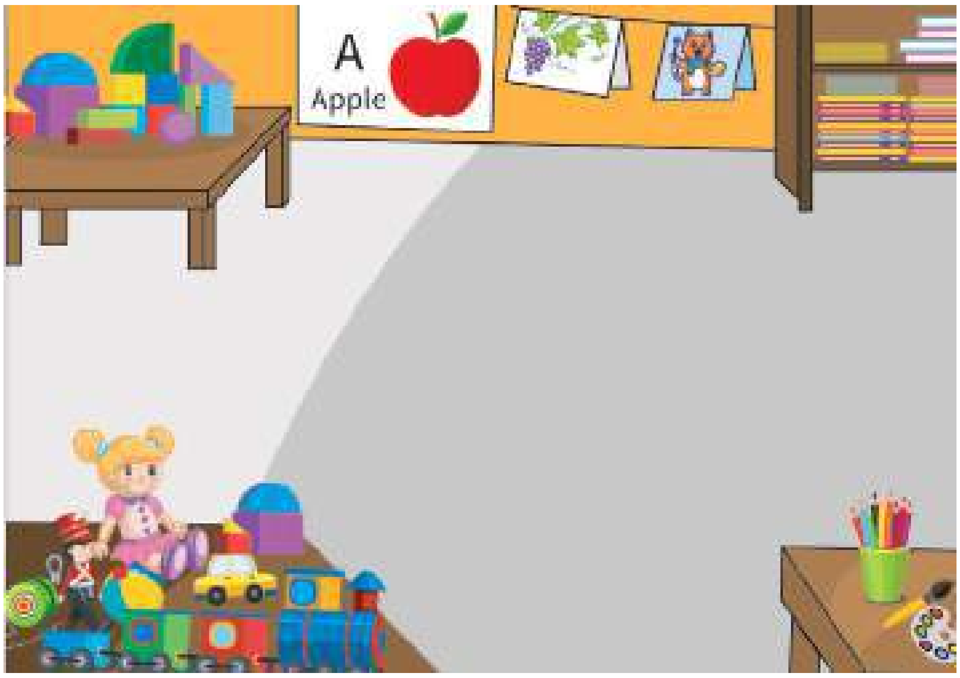

II. **प्रिंटेड-सामग्री से सज्जित वातावरण:** एक आंगनवाड़ी केंद्र में ऐसी प्रिटेंड सामग्री होनी चाहिए जो बच्चों के परिवेश व स्थानीय वातावरण से संबंधित हो एवं बच्चों को पूर्व-लेखन और पूर्व-पढ़ने की प्रक्रिया को बढ़ावा मिल सके। जैसे- चित्र कार्ड, पशु-पक्षी, फल-सब्ज़ी इत्यादि के चित्रों से भरी कहानी की किताब, नियम, चार कोने, दरवाज़े, खिड़की, मेज, कैलेण्डर, दैनिक दिनचर्या इत्यादि के लेबल, और बच्चों के नाम टैग और उनके नाम के पोर्टफोलियो।

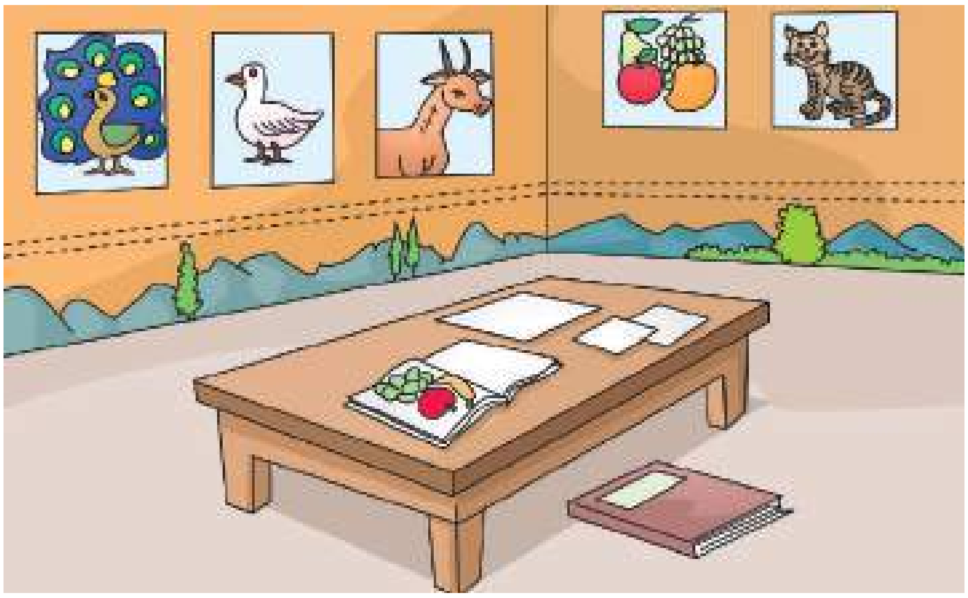

III. **बच्चों के हाथ के कामः** बच्चों के हाथ के काम केंद्र में प्रदर्शित होने चाहिए। इससे बच्चों को यह महसूस होता है कि उनके द्वारा किए गए काम को महत्व दिया जा रहा है। यह प्रदर्शन प्रोत्साहित करता है। बच्चों के हाथ के काम को प्रदर्शित करने से वे एक दूसरे की बनाई गई कलाकारी या आकृतियों से भी सीखते हैं।

IV. **दृष्टि सीमाः** केंद्र में प्रदर्शित हर सामग्री बच्चे को आसानी से दिखनी चाहिए।

V. **निर्धारित जगहः** बैग, पानी की बोतल और जूते-चप्पल इत्यादि रखने की निर्धारित जगह केंद्र में स्पष्ट होनी चाहिए।

2.4 वार्षिक गतिविधि कैलेण्डर

वार्षिक गतिविधि कैलेण्डर में 52 सप्ताहों में दैनिक दिनचर्या के अनुसार रोज़ाना की जाने वाली गतिविधियां हैं। वार्षिक कैलेण्डर को 09 थीम में विभाजित किया गया हैं -

मैं और मेरा परिवार

पेड़ और पौधे

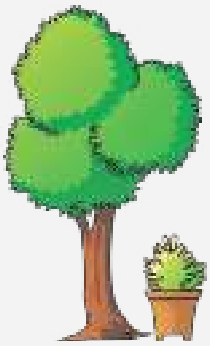

पशु-पक्षी

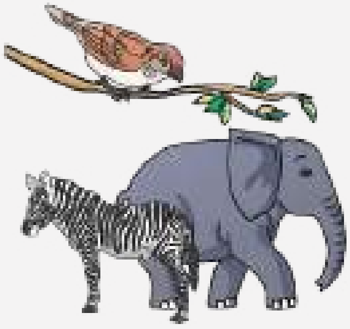

हमारे मददगार

फल और सब्ज़ियां

पानी

यातायात के साधन

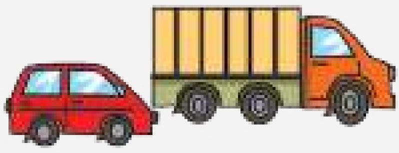

मौसम (ऋतु)

त्यौहार एवं पर्व

3 प्री–स्कूल किट एवं टी.एल.एम.

3.1 प्री–स्कूल किट

आंगनवाड़ी केंद्रों में ई.सी.सी.ई. के सुगम संचालन हेतु, प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र में प्री-स्कूल किट दी जा रही है। प्री-स्कूल किट में निम्नलिखित सामग्रियां सम्मिलित हैं, जिनका प्रयोग आंगनवाड़ी केंद्र में दैनिक दिनचर्या के दौरान निम्न प्रकार से किया जाना हैं -

क्रम	सामग्री	दैनिक दिनचर्या सत्र	उपयोग
1	बड़े बिल्डिंग ब्लॉक्स	दूसरे चक्र का समय (अवधारणाओं पर गतिविधि)	• आकारों की पहचान • संख्या पूर्व अवधारणा – छोटा–बड़ा, कम–ज्यादा, दूर–पास आदि
		स्वतंत्र खेल के समय–ब्लॉक कोना में	• ब्लॉक्स से विभिन्न आकृतियों का निर्माण • स्वयं खेलते हुए विभिन्न आकारों की विशेषताओं को जानना
2	आयु उपयोग पज़ल	दूसरे चक्र का समय (अवधारणाओं पर गतिविधि)	• आंगनवाड़ी कार्यकत्री के सहायता से पज़ल सुलझाना
		स्वतंत्र खेल के समय–ब्लॉक कोना में	• स्वयं खेलते हुए पज़ल सुलझाने की कोशिश
3	थीम आधारित चित्र/फ्लैश कार्ड	प्रथम चक्र का समय	• थीम आधारित चर्चा के समय फ्लैश कार्ड के माध्यम से पशु–पक्षी, फल–सब्ज़ी इत्यादि की पहचान
		दूसरे चक्र का समय (अवधारणाओं पर गतिविधि)	• थीम आधारित गतिविधियां जैसे मिलान करना, छांटने
		स्वतंत्र खेल के समय – किताब कोना, कला कोना	• किताब कोना में अपनी काल्पनिक शक्ति का प्रयोग करके चित्रों से कहानी बनाना • रचनात्मक कोना में चित्रों के माध्यम से चित्रकारी करने की कोशिश करना

D3F5Q6

4	स्लेट व रंगीन चॉक	स्वतंत्र खेल के समय– किताब कोना, कला कोना	• कहानी की किताब में बने चित्र को बनाने की कोशिश करेंगे • रचनात्मक कोने में स्वतंत्र रूप से चित्रकारी करेंगे
5		चौथे चक्र का समय (विद्यालय की तैयारी)	• परिचित अक्षरों और संख्या लिखने का अभ्यास
		चौथे चक्र का समय (रचनात्मक कार्य)	• चित्रकारी करना
6	क्रेयॉन	स्वतंत्र खेल के समय–कला कोना	• रचनात्मक कोने में स्वतंत्र रूप से चित्रकारी करेंगे
		चौथे चक्र का समय (विद्यालय की तैयारी)	• कागज़ परिचित अक्षरों और संख्या लिखने का अभ्यास
		चौथे चक्र का समय (रचनात्मक कार्य)	• चित्रकारी करना
7	हिंदी और अंग्रेज़ी वर्णमाला के चार्ट	स्वतंत्र खेल के समय	• परिचित अक्षरों को पहचानेंगे
		चौथे चक्र का समय (विद्यालय की तैयारी)	• आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा निर्देशित अक्षर को पहचानेंगे
8	प्लास्टिक के मोती	दूसरे चक्र का समय (अवधारणाओं पर गतिविधि)	• धागे में मोती पिरोना • मोती से पैटर्न बनाना • संख्या पूर्व अवधारणा – कम–ज्यादा हल्का–भारी आदि
		स्वतंत्र खेल के समय–ब्लॉक कोना	• स्वयं खेलते हुए धागे में मोती पिरोते हुए पैटर्न बनाना
		चौथे चक्र का समय (विद्यालय की तैयारी)	• गिनती करना सीखना
9	छोटी बिना धार वाली कैंची	स्वतंत्र खेल के समय–कला कोना	• स्वयं खेलते हुए कागज़ से कलाकारी करने हेतु
10	गोंद	चौथे चक्र का समय (रचनात्मक कार्य)	• कागज़, लकड़ी आदि से कलाकारी करने हेतु
11	हिंदी और अंग्रेज़ी वर्णमाला के प्लास्टिक के ब्लॉक्स	स्वतंत्र खेल के समय	• स्वयं खेलते हुए परिचित एवं सरल शब्द बनाना
		चौथे चक्र का समय (विद्यालय की तैयारी)	• ध्वनियों से अक्षरों की पहचान • शब्द बनाना • शब्द पूर्ण करना
12	एन.बी.टी प्रकाशित कहानी की किताब	स्वतंत्र खेल – किताब कोना में	• चित्र पठन • परिचित शब्दों को पहचानते हुए कहानी पढ़ना
		पाँचवें चक्र का समय (कहानी व कविता)	• आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा किताबों के प्रयोग से कहानी सुनाई जाएगी
13	बाल गतिविधि पुस्तिका	चौथे चक्र का समय (विद्यालय की तैयारी)	• गतिविधि कैलेंडर के अनुसार गतिविधि पुस्तिका में कार्य करेंगे
14	ट्रंक	उक्त सभी सामग्रियां को आंगनवाड़ी केंद्र पर व्यवस्थित रूप से रखने हेतु	

3.2 टी.एल.एम. बनाना

1. दाने बैठाने के कार्ड

आवश्यक सामग्री: साड़ी के 02 पुराने डिब्बे, कैंची, स्केच पेन आदि

टी.एल.एम. निर्माण की प्रक्रिया -

a. साड़ी के 02 डिब्बे लें, उसके बाद साड़ी के दोनों डिब्बे खोलें तो चार भाग निकलेंगे, प्रत्येक भाग के नीचे के चौकोर आकार के हिस्से को काट के अलग कर लें, इस प्रकार आप के पास चार चौकोर टुकड़े हो जाएंगे।

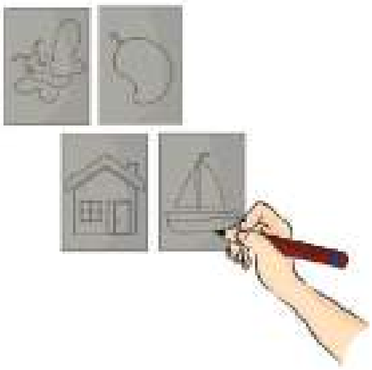

b. उसके बाद निकाले गए चौकोर आकार के टुकड़े के जिस तरफ सादा भाग होता है उस तरफ स्केच पेन से प्रत्येक टुकड़े में आकार के हिसाब से बड़ी दो रेखाओं के चित्र बनाएं।

c. चित्र इस प्रकार के होंगे कि पहले टुकड़े में - आम का चित्र, दूसरे टुकड़े में - घर का चित्र, तीसरे टुकड़े में - तितली का चित्र, चौथे टुकड़े में नाव का चित्र आदि।

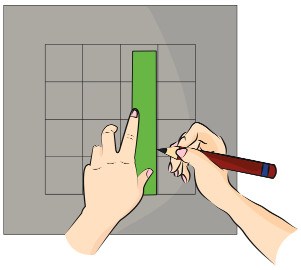

2. रंग मिलान बोर्ड

आवश्यक सामग्री: साड़ी का 1 पुराना डिब्बा, पेंसिल, कैंची, पटरी, मोम (क्रेयॉन) का हरा रंग।

टी.एल.एम निर्माण की प्रक्रिया -

a. साड़ी के डिब्बे को खोलेंगे तो उसके दो भाग निकलेंगे।

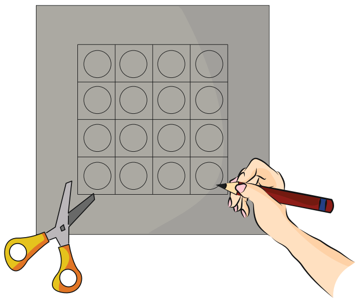

b. दोनों भागों के चौकोर आकार के हिस्से को कैंची से काट कर निकाल लेंगे।

c. उसके बाद निकाले गऐ चौकोर आकार के **पहले भाग** में जिस तरफ सादा है खड़ी चार व बेड़ी चार बराबर-बराबर रेखाएं पटरी रखकर पेंसिल से खीचेंगे। इस प्रकार 16 खाने बनेंगे।

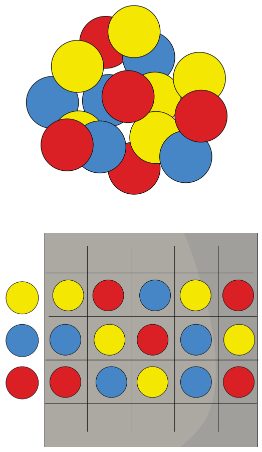

d. उसके उपरांत **दूसरे काटे गए चौकोर भाग** में रेखाएं पहले भाग की तरह खीचेंगे।

e. उसके उपरांत दोनों भागों के सभी खानों में एक समान माप के गोलाकार बनाएं।

f. अब दोनों भागों - पहले खाने में पीला रंग, दूसरे खाने में लाल रंग, तीसरे खाने में नीला रंग, क्रम से सारे खानों में आकृति बनाएं।

g. अब एक भाग के सभी खानों को काटें।

3. आकार मिलान बोर्ड

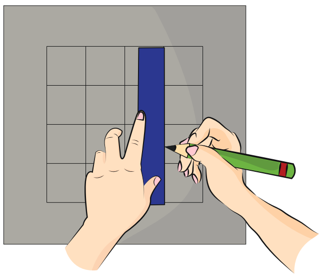

आवश्यक सामग्री: साड़ी का 1 पुराना डिब्बा, पेंसिल, कैंची, पटरी, मोम (क्रेयॉन) का हरा रंग।

टी. एल. एम. निर्माण की प्रक्रिया -

a. साड़ी के डिब्बे को खोलेंगे तो उसके दो भाग निकलेंगे।

b. दोनों भागों के चौकोर आकार के हिस्से को कैंची से काट कर निकाल लेंगे।

c. उसके बाद निकाले गए चौकोर आकार के पहले भाग में जिस तरफ सादा है, खड़ी चार व बेड़ी चार बराबर-बराबर रेखाएं पटरी रखकर पेंसिल से खीचेंगे। इस प्रकार 16 खाने बनेंगे।

d. उसके उपरांत दूसरे काटे गए चौकोर भाग में रेखाएं पहले भाग की तरह खीचेंगे।

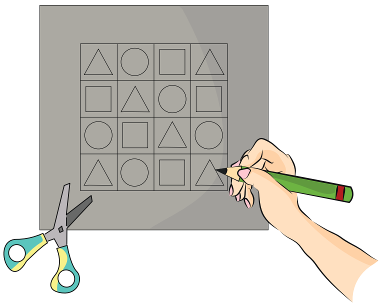

e. उसके उपरांत पहले खाने मे त्रिकोण, दूसरे खाने में गोल, तीसरे खाने में चौकोर, क्रम से सारे खानों में आकृति बनाएं।

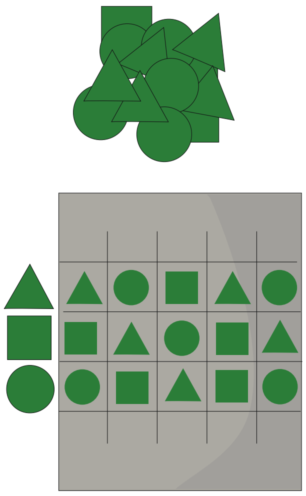

f. उसके बाद जब दोनों चौकोर भागों में आकृति बन जाए तो दोनों चौकोर भागों की त्रिकोण, गोल, चौकोर आकृतियों को हरे रंग से रंगना है।

g. फिर पहले भाग में बने त्रिकोण, गोल, चौकोर की आकृतियों को कैंची से काट लें तथा दूसरे भाग को बिना काटे हुए रखना है, जिसे आकार मिलान बोर्ड कहते है।

4. क्रमबद्धता के कार्ड

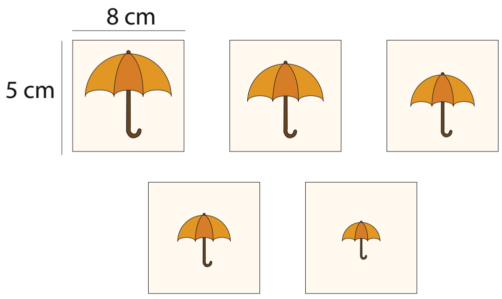

आवश्यक सामग्री: साड़ी का 1 पुराना डिब्बा, पेंसिल, कैंची, पटरी, रंग (मोम, water colour)।

टी.एल.एम. निर्माण की प्रक्रिया -

a. साड़ी के डिब्बे को खोलेंगे तो उसके दो भाग निकलेंगे।

b. डिब्बे के ढक्कन से 05 छोटे-छोटे चौकोर (कार्ड) काटेंगे, जो कि 08 x 05 cm के माप के होने चाहिए।

c. अब सभी कार्ड पर आप छाता बनाएंगे- लेकिन अलग-अलग माप के - पहला सबसे बड़ा, फिर उससे छोटा, फिर उससे छोटा, फिर उससे छोटा, फिर सबसे छोटा।

5. चरणबद्धता के कार्ड

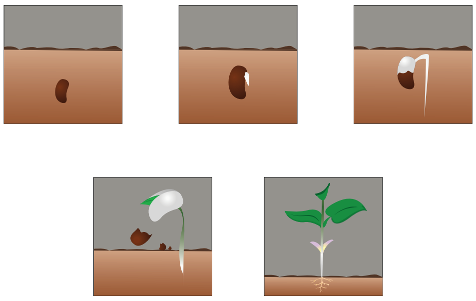

आवश्यक सामग्री: साड़ी का 1 पुराना डिब्बा , पेंसिल, कैंची, पटरी, रंग (मोम, water colour)

टी.एल.एम. निर्माण की प्रक्रिया -

a. साड़ी के डिब्बे को खोलेंगे तो उसके दो भाग निकलेंगे।

b. डिब्बे के ढक्कन से 05 छोटे-छोटे चौकोर (कार्ड) काटेंगे जो कि 08 x 05 cm. के माप के होने चाहिए।

c. अब कार्ड पर बीज से अंकुर बनने के प्रक्रिया को बनाएंगे।

d. बीज से अंकुर बनने के प्रक्रिया के प्रत्येक चरण को एक-एक कार्ड में बनाएंगे।

6. संख्या पहचान कार्ड

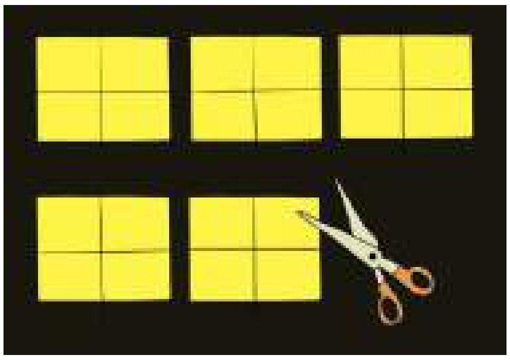

आवश्यक सामग्री: साड़ी के 03 पुराने डिब्बे, कैंची, काला मोटा स्केच पेन।

टी.एल.एम. निर्माण की प्रक्रिया -

a. साड़ी के डिब्बे से चौकोर आकार के अलग-अलग, नीचे के पांच भाग काट लें।

b. उसके उपरांत प्रत्येक चौकोर भाग के चार बराबर टुकड़े काट लें।

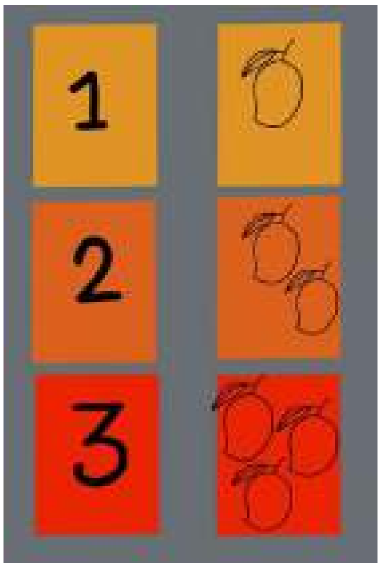

c. इस प्रकार चौकोर पांच भागो में काटने पर हमारे पास 20 चौकोर आकार के टुकड़े होंगे। जिन में से 18 चौकोर आकार के टुकड़ों को निकाल कर रख लें।

d. फिर 18 में से 09 टुकड़ों को अलग रख लें। उसके बाद पहले 09 टुकड़ों में क्रम से मोटे काले स्केच पेन से, जिस तरफ टुकड़े में सादा हो 01 से 09 तक की संख्या लिखें, जैसे - पहले टुकड़े में 01 संख्या, दूसरे टुकड़े में 02 संख्या, तीसरे टुकड़े में 03 संख्या, चौथे टुकड़े में 04 संख्या, पांचवे टुकड़े में 05 संख्या, छठे टुकड़े में 06 संख्या, सातवें टुकड़े में 07 संख्या, आठवें टुकड़े में 08 संख्या, नवें टुकड़े में 09 संख्या लिखें।

e. सभी संख्याएं बड़े आकार में लिखें। कार्ड में 01 से 09 तक संख्या लिखने के बाद क्रम से लगा कर अपने पास रख लें, इसी प्रकार से बचे 09 टुकड़ों में 01 से 09 तक क्रम से आम का चित्र बनाएं। जैसे- पहले टुकड़े में एक आम का चित्र, दूसरे टुकड़े में 02 आम के चित्र, तीसरे में तीन आम के चित्र, इसी क्रम में 09 टुकड़ों में आम के चित्र बनाएं। उपरोक्त बने कार्ड को 01 से 09 तक चित्र से संख्या पहचान के कार्ड कहते हैं।

7. अक्षर कार्ड

आवश्यक सामग्री: साड़ी के 02 पुराने डिब्बे, कक्षा 01 की पुरानी किताब, कैंची, स्केच पेन आदि।

टी.एल.एम. निर्माण की प्रक्रिया -

a. साड़ी के 2 डिब्बे लें उसके बाद दोनों साड़ी के डिब्बे खोलेंगे तो चार भाग निकलेंगे, प्रत्येक भाग के नीचे के चौकोर आकार के हिस्से को काट के अलग कर लें, इस प्रकार आप के पास चार चौकोर टुकड़े हो जाएंगे।

b. उसके बाद निकाले गए चौकोर आकार के टुकड़े के जिस तरफ सादा रहता है, उस तरफ स्केच पेन से रेखाएं खींच कर उसके प्रत्येक बड़े चौकोर टुकड़े में 8-8 छोटे बराबर टुकड़े करें।

c. इन टुकड़ों पर स्केच पेन से अक्षर अ, क, ग, च, प, म, लिखें ।

d. फिर पुरानी किताब से अनार, कमल, गमला, चरखा, पतंग और मछली के चित्रों को कैंची से काटकर बाकी बचे टुकड़ों पर चिपका लें।

४. नाम टैग

आवश्यक सामग्रीः साड़ी के पुराने डिब्बे, कैची, स्केच पेन आदि

टी.एल.एम. निर्माण की प्रक्रिया -

a. साड़ी के डिब्बे लें। उसके बाद साड़ी के डिब्बे खोलें तो चार भाग निकलेंगे, प्रत्येक भाग को बराबार चौकोर टुकड़ों में इस प्रकार कांटें कि हर भाग पर केंद्र के एक बच्चे का पहला नाम लिखा जाए।

b. ध्यान रखें कि टुकड़ो की संख्या उतनी होनी चाहिए, जितनी आँगनबाड़ी केंद्र पर 03-06 आयु के बच्चें हैं।

c. अब हर टुकड़े पर, एक-एक बच्चे का पहला नाम लिखें। ध्यान रखें की हर बच्चे का नाम एक ही रंग के स्केच पेन से लिख हो।

d. अब हर टुकड़े में धागा इस प्रकार लगाए कि बच्चें उसे अपने गले में नाम-टैग की तरह पहन सके ।

4 साप्ताहिक, मासिक और वार्षिक गतिविधियां

4.1 साप्ताहिक स्टार (स्टार ऑफ द वीक)

- हर सप्ताह आँगनबाड़ी केंद्र के एक बच्चे को स्टार ऑफ द वीक घोषित किया जाएगा।
- इस गतिविधि से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ेगा एवं उन्हें केंद्र में सक्रिय रूप से प्रतिभाग हेतु प्रोत्साहन मिलेगा।

4.1.1 अहम बातें

- इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों के बीच में किसी भी प्रकार का भेद-भाव न करें, बल्कि अन्य बच्चों को प्रोत्साहित करें।
- स्टार ऑफ द वीक को चिन्हित करने के लिए उसकी कमीज़ पर एक सुन्हरा तारा (कार्डबोर्ड से बना हंआ) पिन करें।
- बच्चों में आत्मविश्वास को बढ़ाने हेतु स्टार ऑफ द वीक द्वारा ई. सी.सी.ई. की सरल गतिविधियों को संचालित करने का अवसर दें, जैसे - भाव-गीत, खेल इत्यादि।

H1T7R5

4.2 पी.टी.एम.

- आँगनबाड़ी केंद्र पर पंजीकृत 03-06 वर्ष कें बच्चों के अभिभावक और आँगनबाड़ी कार्यकत्री के लिए पी.टी.एम.।
- आँगनबाड़ी केंद्रों पर हर महीने के तीसरे मंगलवार को पी.टी.एम. का आयोजन किया जाएगा, जिसका उल्लेख वार्षिक कैलेण्डर में भी किया गया है।
- पी.टी.एम. का आयोजन दिन के आखिरी के दो घंटों के लिए किया जाएगा।

4.2.1 पी.टी.एम. का उद्देश्य

- अभिभावक आयु अनुसार विकासात्मक और अधिगम उपलब्धियों के बारे में जानें।
- अभिभावक अपने बच्चो में होने वाले विकासात्मक और अधिगम उपलब्धियों से अवगत हों।
- अभिभावक अपने बच्चे के विकास में योगदान हेतु सक्रिय सहभागिता के महत्व से अवगत हों।
- अभिभावक अनौपचारिक खेल तथा गतिविधि आधारित शिक्षा विधि की आवश्यकता से अवगत हों।

4.2.2 पी.टी.एम. से पूर्व की तैयारी

- ✔ आँगनबाड़ी केंद्र में पंजीकृत प्रत्येक 03-06 वर्ष आयुवर्ग के बच्चे के अभिभावक को पी.टी.एम. के तिथि के बारे में जानकारी दें। सभी अभिभावकों को एक साथ न बुलाएं।
- ✔ बच्चों द्वारा पूर्व में किए गए सभी हाथ के काम जैसे - स्क्रिबलिंग, पैंटिंग अथवा अन्य कलाकारी अभिभावक के सामने प्रदर्शन करने हेतु तैयार रखें।
- ✔ ई.सी.सी.ई. के प्रचार प्रसार वाले सभी सामग्रियों का प्रदर्शन (चार्ट, दृश्य श्रव्य सामग्री) करना।
- ✔ अक्टूबर और अप्रैल महिनों में आयोजित किए जाने वाले पी.टी.एम से पूर्व -
    - सभी बच्चों के मूल्यांकन कार्ड सितंबर और मार्च महिनों में किए गए मूल्यांकन के नतीजों से अपडेट करें।
    - प्रत्येक बच्चे का मूल्यांकन कार्ड अभिभावकों के साथ साझा करने हेतु तैयार रखें।
- ✔ यह सुनिश्चित करें कि आँगनबाड़ी केंद्र स्वच्छ हैं एवं शाला पूर्व शिक्षा के लिए प्रयोग किए जाने टी.एल.एम. तथा प्री-स्कूल किट से सुसज्जित हैं।

4.2.3 पी.टी.एम. में की जाने वाली गतिविधियां

1. सर्वप्रथम अभिभावकों का अभिनंदन करें।
2. प्रत्येक बच्चे के अभिभावक के साथ व्यक्तिगत रूप से बात करें।
3. अभिभावक को पहले उनके बच्चे के आयु अनुसार अपेक्षित विकासात्मक और अधिगम उपलब्धियों के बारे में बताएं।
4. फिर अभिभावक को उनके बच्चे की वर्तमान विकासात्मक और अधिगम उपतब्धि के स्तर से अवगत कराएं।
5. बच्चों द्वारा पूर्व में किए गए हाथ के काम उनके अभिभावक के साथ साझा करें।
6. अभिभावक को उनके बच्चों द्वारा पिछले एक माह में किए गए कार्य, जैसे कि ड्राइंग, पेंटिंग, नाच-गाना, कविता, नाटक एवं इन सभी से बच्चों में होने वाले सकारात्मक परिवर्तनों से अवगत कराएं।
7. अक्टूबर और अप्रैल महीनों के पी.टी.एम. के दौरान अभिभवक के साथ पिछले महीनों में किए गए मूल्यांकन के नतीजे मूल्यांकन कार्ड के माध्यम से साझा करें।
8. घर पर अपने बच्चे के विकास में योगदान देने हेतु अभिभावक के साथ सरल गतिविधियाँ एवं आवश्यक बातें साझा करें।

4.3 बच्चों के जन्मदिन का आयोजन

आंगनवाड़ी केंद्रों पर हर महीने के तीसरे मंगलवार को पी.टी.एम. के साथ-साथ बच्चों के जन्मदिन का भी आयोजन किया जाएगा, जिसका उल्लेख वार्षिक कैलेण्डर में किया गया है।

4.3.1 जन्मदिन के आयोजन हेतु कुछ दिशा–निर्देश

- ✔ हर महीने के तीसरे मंगलवार को उन सभी बच्चों का जन्मदिन एक साथ मनाया जाएगा जिनका जन्म दिवस उस माह की किसी भी तिथि को पड़ता हो। उदाहरण- अप्रैल महीने में उन्हीं बच्चों का जन्मदिन मनाया जाएगा, जिनका जन्म दिवस अप्रैल की ही किसी भी तिथि को पड़ता है।
- ✔ बच्चों का जन्मदिन, दिन के पहले दो घंटों में मनाया जाएगा।
- ✔ जन्मदिन मनाने के तिथि पर उन बच्चों के अभिभावकों का बुलाएं जिनका जन्मदिन मनाया जा रहा हैं।
- ✔ अपने क्षेत्र की मुख्य सेविका और सी.डी.पी.ओ. को भी आमंत्रित कर सकते हैं।
- ✔ जिन बच्चों का जन्मदिन मनाया जा रहा है, उनके अभिभावकों को आँगनबाड़ी केंद्र एवं केंद्र पर आने वाले बच्चों के प्रयोग के लिए, अपने इच्छानुसार भेंट लाने के लिए कह सकते हैं, जैसे फल, सब्ज़ी, पुराने खिलौने इत्यादि। कृप्या यह ध्यान दें कि अभिभावकों पर केंद्र के लिए भेंट लाने हेतु किसी भी प्रकार का ज़ोर न दिया जाए।
- ✔ जन्मदिन मनाने की प्रक्रिया -
  - जन्मदिन का गीत - हैपी बर्थडे टू यू
  - अन्य बच्चों के द्वारा नाच, गीत या कविता का प्रदर्शन
  - अभिभावकों द्वारा गीत या कविता का प्रदर्शन
  - अभिभावकों द्वारा लाई गए भेंट की प्रस्तुति (यदि भेंट लाई गई हो)

4.4 स्थानीय क्षेत्र में मासिक पर्यटन हेतु दिशा–निर्देश

प्रत्येक महीने में एक दिन बच्चों को स्थानीय क्षेत्रों में पर्यटन हेतु आंगनवाड़ी केंद्र के बाहर ले जाना है। पर्यटन हेतु बच्चों को निम्न स्थानों पर ले जाया जा सकता है -

1. करीबी प्राथमिक विद्यालय
2. पंचायत भवन
3. फल, फूल अथवा सब्ज़ियों का बगीचा
4. तालाब (खतरा मुक्त)
5. कुआं (खतरा मुक्त)
6. खेत
7. स्थानीय उद्योग
8. स्थानीय पर्यटन स्थल

4.4.1 पर्यटन से पूर्व की तैयारी

- पर्यटन से पूर्व सभी अभिभावक से अनुमति अवश्य लें।
- अनुमति हेतु एक रजिस्टर पर पर्यटन पर जाने वाले बच्चों का नाम लिखें और हर बच्चे के नाम के पास उसके अभिभावक का हस्ताक्षर लें।
- पर्यटन के निर्धारित दिन से पूर्व आँगनबाड़ी सहायिका और मुख्य सेविका की उपलब्धता को अवश्य से सुनिश्चित करें।
- आँगनबाड़ी केंद्र से पर्यटन के लिए जाने से पूर्व बच्चों की उपस्थिति लें।
- पर्यटन पर जाने से पहले बच्चों को यह अवगत कराए कि उन्हें कहाँ ले जाया जा रहा है, वहाँ वह क्या करेंगें एवं वह क्या देखेंगें।

4.4.2 पर्यटन के बाद की गतिविधि

- पर्यटन से आँगनबाड़ी केंद्र लौटने पर बच्चों की उपस्थिति लें।
- पर्यटन से लौटने के बाद बच्चों से पूंछे कि वह भ्रमण के लिए कहाँ गए थे, वहाँ उन्होनें क्या किया एवं वहाँ उन्होनें क्या देखा।

4.4.3 मासिक पर्यटन के दौरान ध्यान रखने वाली अहम बातें

बच्चे बहुत संवेदनशील व जिज्ञासा से भरे होते हैं, अतः आपको निम्नवत बातों पर विशेष ध्यान देना चाहिए-

- ✔ भ्रमण के स्थान का चयन ध्यानपूर्वक करें। किसी ऐसी स्थान का चुनाव न करें जहाँ बच्चों को किसी भी प्रकार की हानि पहुँचने की सम्भावना हो।
- ✔ यदि भ्रमण के लिए किसी तलाब या खुले कुंए के स्थन का चयन किया गया हैं, तो यह ध्यान दें कि बच्चे तालाब अथवा कुंए के ज़्यादा निकट न जाएं।
- ✔ बच्चो को भ्रमण कराते समय कुछ अन्य बातों का ध्यान रखें जैसे -
  - बच्चों को सड़क के किनारे लेकर चलें।
  - यदि कोई वाहन रास्ते से निकल रहा हो तो थोड़ी देर रुक जायें।
  - ध्यान रखें कि बच्चे रस्ते में कोई चीज न खायें आदि।
- ✔ भ्रमण का उद्देश्य पूर्व से ही तय करें, ताकि बच्चों के साथ भ्रमण के दौरान की जाने वाली चर्चा से उनकी सीखने की क्षमता में वृद्धि हो।
- ✔ भ्रमण के दौरान अपने आस-पास की छोटी-बड़ी सभी वस्तुएं की ओर बच्चों का ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करें।
- ✔ बच्चो में गहन चिंतन की क्षमता विकसित करने हेतु उनसे आस-पास के वातावरण पर खुले प्रश्न पूछें जैसे - ''तलाब में अगर पानी नही होता, तो क्या होता ?''

4.5 थीम–आधारित उत्सव

- आंगनवाड़ी केंद्र पर प्रत्येक महीने के दूसरे मंगलवार को थीम-आधारित उत्सव मनाया जाएगा।
- थीम आधारित उत्सव के लिए आंगनवाड़ी कार्यकत्री बच्चों और उनके अभिभावकों को एक दिन पहले ही दिशा-निर्देश देंगी।
- थीम आधारित उत्सव मनाने के लिए कैलेण्डर में दी गई थीम पर विशिष्ट गतिविधियां निम्न प्रकार से मनाई जाएैंगी -

मैं और मेरा परिवार

''घर के सदस्यों पर रोल-प्ले''। बच्चे अपने-अपने घर से अपने घर के किसी भी सदस्य का एक वस्त्र या वस्तु लाएंगे और बच्चे स्वयं अपने इच्छानुसार एक नाटक की रचना करेंगे। कार्यकत्री बच्चों को आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करेंगी।

पेड़ और पौधा

''कलर डे - हरा रंग''। बच्चे हरे रंग के वस्त्र पहनकर केंद्र पर आएंगे। इस दिन पर बच्चे अपने मनपसंद पेड़ और फूल के बारे में बात करेंगे।

फल और सब्ज़ी

'' कलर डे''। कार्यकत्री बच्चे को अपने मनपसंद फल या सब्ज़ी के रंग के वस्त्र पहनकर केंद्र पर आने के लिए कहेंगी। बच्चे अपने वस्त्र के रंग के समान रंग केंद्र में ढूंढकर एकत्रित करेंगे।

पशु-पक्षी

''भाव-गीत और चित्रकारी व कलाकारी'। पहले बच्चों पशु-पक्षी से संबंधित परिचित भाव-गीत सुनाएंगे। फिर बच्चों अपने इच्छानुसार किसी भी पशु व पक्षी का चित्र या आकृति बनाएंगे। चित्रकारी और कलाकारी के लिए केंद्र पर पर्याप्त संख्या में सामग्री होनी चाहिए।

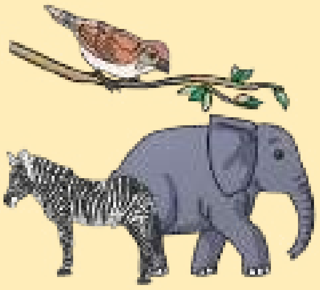

हमारे मददगार

''रोल प्ले''। बच्चे अपने क्षेत्र में दिखने वाले अलग-अलग मददगारों का नाटक करेंगे।

यातायात के साधन

''चित्रकारी और कलाकारी''। बच्चे अपने घर और केंद्र के बाहर दिखने वाले वाहनों का चित्र या आकृति बनाएंगे।

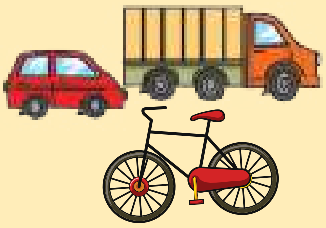

त्यौहार एवं पर्व

''डान्स और सोंग डे''। बच्चे अपनी इच्छानुसार केंद्र पर नृत्य करेंगे या गीत गाएंगे।

मौसम (ऋतु)

''भाव-गीत''। बच्चे केंद्र पर मौसम से संबंधित परिचित भाव-गीत करके दिखाएंगे।

पानी

''कलर डे' - नीला रंग'। बच्चे नीले रंग के वस्त्र पहनकर केंद्र पर आएंगे।

4.6 प्राथमिक विद्यालय की लाइब्रेरी का प्रयोग

- जो आंगनवाड़ी केंद्र प्राथमिक विद्यालयों के प्रांगण में स्थित है, उन केंद्रों की आंगनवाड़ी कार्यकत्री सभी बच्चों को प्रत्येक महीने के चौथे सोमवार को दैनिक दिनचर्या में कहानी व कविता के सत्र के समय, प्राथमिक विद्यालय की लाइब्रेरी में ले जाएंगी।
- लाइब्रेरी में ले जाने से पूर्व कार्यकत्री को प्राथमिक विद्यालय के हेड टीचर के साथ समन्वय स्थापित करके 03-06 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों हेतु उपयुक्त कहानी के किताबों का चयन करना है।

4.7 वार्षिक उत्सव (ऐनुअल डे)

- हर वर्ष के नवंबर माह के तीसरे मंगलवार पर वार्षिक उत्सव मनाया जाएगा।
- वार्षिक उत्सव 03-06 वर्ष आयुवर्ग के बच्चों, उनके अभिभावक एवं समुदाय के लिए आयोजित किया जाएगा।

4.7.1 वार्षिक उत्सव से पूर्व की तैयारी

- यदि आँगनबाड़ी केंद्र प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में स्थित हैं, तो हेड टीचर के साथ समन्वय स्थापित करते हुए विद्यालय के मैदान का प्रयोग करें।
- यदि आँगनबाड़ी केंद्र प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में स्थित नहीं है तो, किसी सामुदायिक स्थल का प्रयोग करें।
- 03-06 वर्ष के बच्चे, उनके अभिभावक और समुदाय को उत्सव की तिथि एवं स्थान पूर्व से अवगत कराएं।
- उत्सव पर प्रदर्शित की जाने वाली गतिविधियों की तैयारी करें एवं एक समय सारणी बनाए, जैसे -
    - ई.सी.सी.ई. के महत्व पर चर्चा हेतु प्री-स्कूल किट और अन्य ई.सी.सी.ई. सामग्रियों का प्रदर्शन
    - बच्चों द्वारा नाच और गाने का आयोजन
    - बच्चों द्वारा भाव-गीत का आयोजन
    - बच्चों द्वारा नाटक का आयोजन
    - बच्चों द्वारा की गई कलाकारी का प्रदर्शन
    - बच्चों एवं अभिभावक द्वारा प्रतिभाग करने हेतु खेल की तैयारी

4.7.2 वार्षिक उत्सव की गतिविधिया

- सर्वप्रथम उत्सव पर आने वाले बच्चों, अभिभावकों और समुदाय के सदस्यों का अभिवादन करें।
- सभी सहभगियों को आयोजित किए गए उत्सव के उद्देश्य के बारें में बताए।
- समय सारणी के अनुसार गतिविधियों का प्रदर्शन करें।

दूसरा भाग
कैलेण्डर आधारित गतिविधियां

इस भाग में वार्षिक गतिविधि कैलेण्डर में दैनिक दिनचर्या के अनुसार, दिए गए गति. विधियों की प्रक्रियांए दी गई है। इस भाग के अध्याय, दैनिक दिनचर्या के 5 सत्रों के अनुरूप क्रमानुसार दिए गए हैं -

अध्याय 5 – प्रथम चक्र का समय

अध्याय 6 – दूसरे चक्र का समय

अध्याय 7 – तीसरे चक्र का समय

अध्याय 8 – चौथे चक्र का समय

अध्याय 9 – पांचवें चक्र का समय

उक्त सभी अध्याय में संबंधित सत्रों के अन्तर्गत कैलेण्डर में दिए गए गतिविधियों को संचालित करने की प्रक्रियाओं का विवरण दिया गया है।

5

प्रथम चक्र का समय

समय अवधि – 30 मिनट

ग्रीष्म कालीन – 08:00–08:30

शीत कालीन – 09:00–09:30

5.1 दैनिक नियमित गतिविधि

- **स्वागतः** सुबह केंद्र में आने वाले बच्चों का अभिनंदन करना।

तन हो सुंदर, मन हो सुंदर,
प्रभु मेरा जीवन हो सुंदर,
जागना सुंदर, सोना सुंदर,
घर का कोना-कोना सुंदर,
प्रभु मेरा आंगन हो सुंदर,
वाणी सुंदर, गाना सुंदर,
प्रभु मेरा बचपन हो सुंदर।

- **प्रार्थनाः** एक धर्मनिरपेक्ष प्रार्थना करना –
- **स्वच्छता जांचः** एक-एक बच्चे की सामान्य बिन्दुओं पर स्वच्छता जांच करना, जैसे नाखून काटे हैं या नहीं, दांत मंजन किया है कि नहीं, नहाया है कि नहीं और बालों में कंघी की है कि नहीं। इस गतिविधि को बड़े बच्चों के द्वारा भी कराया जा सकता है।
- **उपस्थितिः**
  - आवश्यक सामग्री - बच्चों के नाम टेग।
  - बच्चों की उपस्थिति, नाम टैग वितरण की गतिविधि से लेना।

D7V6J6

- ✔ **कैलेण्डर की गतिविधिः**
    - आवश्यक सामग्री - कैलेण्डर
    - बच्चों के साथ मौसम, दिन, तारीख, महीना और वर्ष पर बातचीत करना।
- ✔ **नियम पढ़नाः** केंद्र में बनाए रखने वाले कुछ नियमों पर बातचीत करना।
- ✔ **ताज़ा खबर/समाचारः** बच्चों को अपने मन के विचार प्रस्तुत करने की स्वतंत्रता देना। इस समय बच्चे अपने किसी भी कार्य, मन की भावना या अपने परिवेश के आधारित किसी भी विषय पर बात कर सकते हैं।

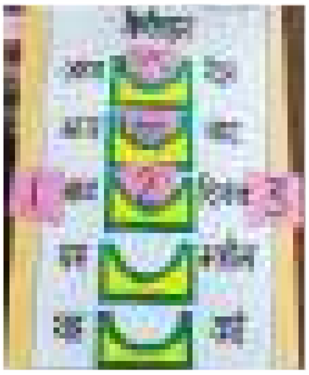
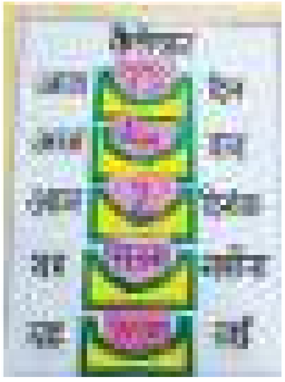

5.2 थीम आधारित वार्तालाप

- ✔ **आवश्यक सामग्री –** थीम आधारित फ्लैश कार्ड अथवा पुराने अखबार और किताबों से बने चित्र कार्ड
- ✔ गतिविधि कैलेण्डर में प्रतिदिन निर्धारित किए गए विषय पर खुली चर्चा करना। इस सत्र में आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा किसी विशिष्ट थीम पर चर्चा शुरू की जाएगी और बच्चे अपने अनुभव और पूर्व जानकारी से उसी थीम के अंतर्गत विभिन्न विषयों पर बोलेंगे।
- ✔ थीम आधारित चर्चा के दौरान बच्चों में निम्नलिखित कौशल विकसित किए जाने हैं -
    - अपने प्राकृतिक, भौतिक और सामाजिक परिवेश में वस्तु, जीव-जंतु, पेड़-पौधे, फल-सब्ज़ी, रिश्ते इत्यादि को नाम से पहचानना।
    - अपने प्राकृतिक, भौतिक और सामाजिक परिवेश में वस्तु, जीव-जंतु, पेड़-पौधे, फल-सब्ज़ी इत्यादि को हिंदी एवं अंग्रेज़ी शब्दावली से पहचानना।
    - अपने प्राकृतिक, भौतिक और सामाजिक परिवेश में वस्तु, जीव-जंतु, पेड़-पौधे, फल-सब्ज़ी को विशेषताओं से पहचानना।
    - चित्रों/वस्तुओं पर अपने विचार व्यक्त कर पाना।

5.3 दिल की बात

5.3.1 आओ सुनाएं, बात मेरे अपनों की

- बच्चों को हाथ पकड़कर गोला बनाने को कहें।
- बच्चों को बताएं कि आपको अपने परिवार में कौन पसंद है और ये भी बतायें कि क्यों पसंद है।
- फिर इसी प्रकार सभी बच्चों को अपने पसंदीदा रिश्ते के बारे में बताने के लिए कहें। साथ ही इस पर भी बात करें कि ये रिश्ता उन्हें क्यों अच्छा लगता है। अगर बच्चे एक से ज्यादा रिश्तों के बारे में बता रहे हैं तो उनको सुनें ,उन्हें रोकें नहीं।
- इस गतिविधि के माध्यम से बच्चे अपने जीवन में बड़ों के साथ अपने रिश्ते को लेकर संवेदनशील होंगे।

5.3.2 कौन कैसे करता है?

- बच्चों से चर्चा की शुरुआत उत्साह के साथ करें और बच्चों को अपने आस-पास के सदस्यों की नकल करके बताने को कहें।
    - पापा कैसे चलते हैं?
    - मम्मी कैसे बोलती हैं?
    - नाना कैसे बैठते हैं?
    - नानी कैसे सोती हैं?
    - दादा कैसे चाय पीते हैं?
    - दादी आपको कैसे बुलाती हैं?
    - चाची को गर्मी लगती है तो कैसे करती हैं?
    - चाचा को बाइक स्टार्ट करनी होती है तो कैसे करते हैं?

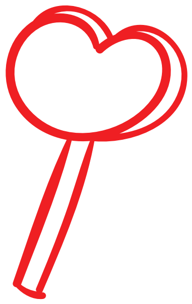

- इससे बच्चे अपने बड़ों से जुड़ाव महसूस करेंगे और उनके अलग-अलग व्यवहारों को याद करेंगे।

5.3.3 स्कूल टीचर से एक मुलाकात

- बच्चों से मिलने के लिए पास के पास के प्राथमिक विद्यालय के अध्यापक को आमंत्रित करें।
- बच्चों को अध्यापक से सवाल पूछने का मौका दें।
- जो बच्चे प्रश्न पूछने में संकोच कर रहे हों, उनको प्रोत्साहित करें।

- अध्यापक को बच्चों के साथ बालगीत गाने, कहानी सुनाने, और विद्यालय के बारे में बातें करने के लिए कहें।
- इसके बाद बच्चों से किसी नये व्यक्ति से मिलते समय ध्यान रखने वाली बातों पर चर्चा करें।

5.3.4 मेरा परिवेश, मेरी पसंद

- बच्चों को हाथ पकड़कर गोल घेरा बनाने को कहें।
- अब बच्चों को अपने आस-पास के परिवेश में जाकर अपनी पसंद की तीन चीजें लाने को कहें।
- इसके लिए 10 मिनट का समय दें।
- जब बच्चें वापस आ जायें तो इस गतिविधि के बारे में चर्चा करें जैसे- गतिविधि कैसी लगी, आपको क्या पसंद आया, क्यों पसंद आया आदि।
- अपनी पसंद के बारे में बताना बच्चों के आत्म-विश्वास को मजबूत करेगा।

5.3.5 आओ बतायें अपनी पसंद

- सभी बच्चों को अपने-अपने घर से एक वस्तु लाने को कहें जो उनको पसंद हो।
- अब बच्चों द्वारा लायी गयी उनकी पसंद की वस्तु पर चर्चा करें।
- बच्चों को एक-एक करके अपनी लाई हुई वस्तु की विशेषताएँ बताने को कहें।
- इस गतिविधि के माध्यम से बच्चे अपनी चीजों के प्रति एक जुड़ाव महसूस करेंगे।

5.3.6 आप कैसे हैं?

- बच्चों के साथ गोला बनाकर बैठें।
- अब खुशी के भाव के साथ आप उन्हें बतायें कि आप कौन सी भावना महसूस कर रहे हैं।
- पहले आप अपनी भावना के बारे में बच्चों को बताएं और उसे महसूस करने के पीछे का कारण बताएं।
- इसी तरह बच्चों से उनकी भावना के बारे मे बताने को कहें।
- बच्चों से पूछें आपको गतिविधि कैसी लगी।
- बच्चों की कोशिश के लिए उन्हें शाबाशी जरुर दें।
- इससे बच्चों को एक-दूसरे से बात करने का मौका मिलेगा और वे अपनी भावनाओं को व्यक्त करना सीखेंगे।

5.3.7 मेरी तुम्हारी यादें

- बच्चों को गोल घेरे मे बैठने को कहें।
- बच्चों को उनके पिछले रविवार के अनुभव के बारे में बताने को कहें।
- जब बच्चे सहज होकर अपने अनुभव बताने लगें तब बातचीत को आगे बढ़ाते हुए उनसे पूछें कि उस दिन आप सभी को कैसा लगा था?
- बारी-बारी से सभी बच्चे अपनी भावनाओं के बारे मे बताएंगे।

5.3.8 कैसा महसूस होता है?

- बच्चों के साथ एक चक्र में बैठें और उन्हें अलग-अलग परिस्थितियाँ बताएं।
- बच्चों को उन परिस्थितियों में कैसा महसूस होता है उस पर बातचीत करें।
- उन्हें यह एहसास दिलाएं कि कोई भी भावना गलत नहीं होती और हम अलग-अलग परिस्थितियों में अलग-अलग भावनाएं महसूस करते हैं।
- परिस्थितियों से जुड़ी भावनाओं पर बातचीत करते हुए, उन्हें उनकी भावनाओं को इशारे या गिनती के सहारे से एक स्तर देने के लिए भी कहें।
- आप निम्न परिस्थितियाँ दे सकते हैं और पूछ सकते हैं कि उन्हें इन परिस्थितियोंमें कैसा लगेगा (भावना का नाम) और किस स्तर पर (भावना कितनी बढ़ी है)-
  - जब कोई दौड़ में प्रथम आए या अंतिम आए।
  - जब किसी बात पर डाँट पड़ती हैं।
  - जब बहुत सारे लोगों के सामने गाकर/नाच कर/नाटक करके दिखाना हो।
  - जब आप बहुत तेज दौड़ते हैं और गिर जाते हैं।
  - जब आपको कोई पसंद की चीज देने से मना कर दे, आदि।
  - जब चींटी काट लेती है।
- इस गतिविधि के अंत में चर्चा करें कि अलग-अलग परिस्थितियों में हमारी भावनाएं भी अलग-अलग होती हैंद्य हमें उन्हें समझना और पहचानना जरूरी होता है और इसमे कुछ भी गलत नहीं होता है।

5.3.9 आओ बात करें: मुझे कब गुस्सा आता है

- बच्चों को हाथ पकड़कर गोला बनाने को कहें।
- इस दौरान जब बच्चे अपनी बात बताएंगे तब अपने हाथ में छड़ी वाली एक पपेट रखें।

- और उन्हें अपनी बात पपेट के जरिए कहें, बच्चों से प्रश्न पूछें, कल या परसों आपको गुस्सा कब आया था और क्यों?
- जिन बच्चों को अपनी बात कहने में परेशानी हो उनकी मदद करें।
- इस प्रक्रिया में बच्चे भावनाओं को शब्द देना सीखेंगे।

5.3.10 मुझे कैसा लग रहा है

- इस खेल के लिए आँगनवाड़ी केंद्र में एक बड़ा चार्ट पेपर लगाएं।
- हर सुबह, बच्चे को इस पर अपनी भावना के अनुसार अपना चेहरा बनाने को कहें।
- बच्चे द्वारा बनाए गए चित्र पर बातचीत करें और उनको अपनी भावनाओं के बारे में सरल भाषा में खुल कर बताने को कहें।
- इस तरह के सवाल पूछें -
  - तुम्हें क्या भावना महसूस हुई?
  - तुम्हें किस स्तर पर ऐसी भावना महसूस हुई?
  - तुम्हें अपने शरीर में कैसा महसूस हुआ?
  - तुम्हें ऐसा क्यों महसूस हुआ?

5.3.11 चर्चा करें – मेरा चुनाव

- बच्चों के साथ एक गोल घेरे में बैठें।
- उन्हें एक परिस्थिति बताते हुए कहें कि आपके दोस्त गाँव में लगा एक मेला देखने जा रहे हैं, आपके घर के लोग नहीं चाहते कि आप मेले में जाएं। इसकी बजाय वे चाहते हैं कि घर पर दादी अकेली हैं, आप उनके साथ रहें।
- ऐसी स्थिति में आप क्या करेंगे और क्यों?
- सभी बच्चों को बारी-बारी से अपनी राय रखने को कहें।
- सत्र के आखरि में दोस्तों के दबाव से मुक्त होकर अपना फैसला लेने की बात करें।

5.3.12 मेरी बात जो मुझे बनाती है खास

- आपको अपने बारे में कोई खास बात बतानी है जो आप कर सकते हैं।
- जैसे: मैं डांस बहुत अच्छा करती हूँ, मुझे आटा गूँथ कर रोटी बनाना आता है,

मुझे झाड़ू लगाना आता है, मुझे बहुत सारी कविताएँ आती हैं आदि।

- बच्चों को अपनी खास बातों के बारे में अभिनय करते हुए बताने का अवसर दें।

5.3.13 अपने प्रियजनों के बारे में बताएं

- खेल के लिए पहले से ही एक या दो डिब्बे लें और डिब्बे के छह छोरों पर अन्य व्यक्तियों/रिश्तों का नाम लिखें, जैसे- दोस्त, माँ, पिता, भाई, बहन, आंगनवाड़ी कार्यकत्री, दादी, मामा आदि।
- सभी बच्चों को एक गोले में खड़ा करें और एक-एक कर डिब्बे को उछालने को कहें।
- डिब्बे के ऊपरी छोर पर लिखे रिश्ते के बारे में बच्चे से कुछ बताने को कहें। आप इस तरह के संकेत देकर चर्चा को मजेदार बना सकते हैं -
- इनका नाम क्या है?
  - यह आपके कौन लगते हैं?
  - इनके साथ आप कितना वक़्त बिताते हैं?
  - इनके साथ मिलकर आप क्या-क्या करते हैं?
  - इनके बारे में आपको क्या पसंद है? आदि

5.3.14 चिट-चौट

- सभी बच्चों को दो-दो के समूह में बाँटें।
- बच्चों को कहें कि मैं जो भी बात कहूँगी आपको उसको पूरा करना है और अपने साथी को बताना है?
  - पापा रोज पहनते ----------------
  - मम्मी रोज पहनती ---------------
  - भईया रोज पहनता ---------------
  - दीदी रोज पहनती -----------------
  - दादी रोज पहनती-----------------
  - दादा रोज पहनते-----------------

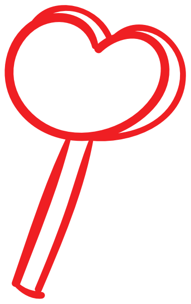

- इस दौरान बच्चों को ध्यान से सुनने और सामने वाले के बारे जानने के लिए सवाल पूछने को कहें।
- इस तरह की चर्चा के माध्यम से बच्चे एक-दूसरे के साथ संवाद करने में सहज होंगे।

6

दूसरे सत्र का समय

समय अवधि – 60 मिनट

ग्रीष्म कालीन – 08:40–09:40

शीत कालीन – 09:40–10:40

इस सत्र में दो प्रकार की गतिविधियां हैं

1. स्वतंत्र खेल - 30 मिनट

2. अवधारणाओं पर गतिविधि- 30 मिनट

इस सत्र के संचालन के लिए बच्चों को पहले आयु वर्ग अनुसार दो समूहों में बांटना है - 03-05 वर्ष और 05-06 वर्ष। इसके बाद पहले 30 मिनट 03-05 वर्ष के बच्चे खेल के चारों कोनों में स्वतंत्र रूप से खेलेंगे और 05-06 वर्ष के बच्चों के साथ कार्यकत्री अवधारणाओं पर समझ बनाने हेतु गतिविधियां करेंगी। फिर अगले 30 मिनट के लिए 05-06 वर्ष के बच्चे स्वतंत्र रूप से खेलेंगे और कार्यकत्री 03-05 वर्ष के बच्चों के साथ अवधारणाओं पर गतिविधि करेंगी।

समय अवधि	3-4 वर्ष	4-5 वर्ष
30 मिनट	स्वतंत्र खेल	अवधारणाओं पर गतिविधि
30 मिनट	अवधारणाओं पर गतिविधि	स्वतंत्र खेल

G7T1V3

अवधारणाओं पर गतिविधियां

इस सत्र में विभिन अवधारणाओं पर समझ बनाने हेतु गतिविधियां कराई जाती है, जिससे बच्चों की पांचों इन्द्रियों का विकास होता है तथा उनके बौद्धिक कौशल में वृद्धि होती है, जैसे:

ज्ञानइंद्रियों और बौद्धिक कौशल के विकास हेतु गतिविधियों

- चित्रों पर दाने बैठाना
- आवाज़ की पहचान
- स्वाद की पहचान
- गंध की पहचान
- स्पर्श की पहचान

यदि बच्चों में उपरोक्त बौद्धिक कौशल विकसित हो जाए, तो उन्हें सामान्य अवधारणाओं को समझने में परेशानी नहीं होगी, जैसे-

- रंग की धारणा
- आकार की धारणा
- संख्या पूर्व की धारणाएं, जैसे- मोटा-पतला, छोटा-बड़ा, लंबा-छोटा, हल्का-भारी, कम-ज्यादा, समय, ठंडा-गरम इत्यादि।
- प्राकृतिक, सामाजिक और भौतिक वातावरण की धारणा

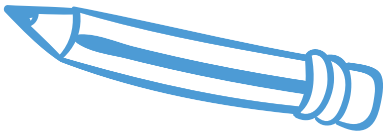

6A
03–05 वर्ष आयु वर्ग

6A.1 विकासात्मक और अधिगम उपलब्धियां

03–04 वर्ष आयु वर्ग

विकास के क्षेत्र	विकासात्मक और अधिगम उपलब्धियां
शारीरिक विकास	• खेल में सक्रियता से भाग लेते हैं। • बड़ी मांसपेशियों में नियंत्रण कर पाते हैं, जैसे - कूदना, दौड़ना, लात मारना, पकड़ना, गेंद फेंकना इत्यादि। • छोटी मांसपेशियों में नियंत्रण कर पाते हैं, जैसे - धागे में बड़े मोती पिरोना, ब्लॉक्स से इमारतें बनाना, कमीज़ के बटन लगा - खोल पाना इत्यादि। • बड़ो की सहायता से, दैनिक सामान्य गतिविधियों में भाग लेते हैं, जैसे - खाना, मंजन करना, हाथ धोना, तैयार होना, इत्यादि।
भाषा विकास	• उनके साथ की गई बातों को ध्यानपूर्वक सुनते हैं। • शब्दों में या छोटे वाक्यों में जवाब देते है या अपने विचार व्यक्त करते हैं। • किताबों में दिलचस्पी दिखाते हैं, जैसे - किताब सही ढंग से खोलना, प्रिटेंड रीडिंग करना इत्यादि। • अपने लिखित नाम को पहचान पाते हैं।

बौद्धिक विकास 	• विभिन्न गंध, स्वाद, ध्वनि और आकृतियों को पहचान पाते हैं। • एक अवधारणा के आधार पर वर्गीकरण कर पाते हैं, जैसे - रंग के आधार पर, आकृतियों के आधार पर, माप के आधार पर • किसी वस्तु को क्रम से सजा पाते हैं, जैसे - मोटा से पतला, लंबा से छोटा, बड़ा से छोटा, हल्का से भारी, कम से ज़्यादा इत्यादि। • 3-4 वस्तुओं को किसी दिखाए गए पैटर्न के अनुसार सजा पाते हैं। • 3 टुकड़ों के चित्र को जोड़ पाते हैं। • वस्तुओं के स्थान पहचान पाते हैं, जैसे - अंदर-बाहर, ऊपर-नीचे, दूर-पास इत्यादि।
सामाजिक और भावनात्मक विकास 	• परिवार के सदस्य और समुदाय से अन्य परिचित व्यक्तियों से सहजता से बात कर पाते हैं। • समूह में अन्य बच्चों के साथ खेलना और वस्तुएं साझा करना पसंद करते हैं। • खेलते समय अपने बारी का इंतजार कर पाते हैं। • खुशी, उदासी और क्रोध जैसी सरल भावनाओं को कहानियों में और अपने परिवेश में पहचान पाते हैं। • अपने परिवार के सदस्य या करीबी लोगों से अलग होने में घबराते नहीं हैं।
रचनात्मक विकास 	• नई चीजें सीखने की जिज्ञासा और उत्सुकता दिखाते हैं। • दैनिक गतिविधियों में रचनात्मकता दिखाना, - जैसे नए और अलग अलग तरीकों से वस्तु या शब्दों का प्रयोग कर पाते हैं। • नाटक और संगीत में भाग लेते हैं। • चित्रकारी, चित्रकला और समस्या का समाधान करने में कल्पना का उपयोग कर पाते हैं।

04–05 वर्ष आयु वर्गः

विकास के क्षेत्र	विकासात्मक और अधिगम उपलब्धियां
शारीरिक विकास 	• खेल में सक्रियता से भाग लेते हैं। • बड़ी मांसपेशियों में नियंत्रण कर पाते हैं, जैसे - कूदना, दौड़ना, लात मारना, पकड़ना, गेंद फेंकना इत्यादि। • छोटी मांसपेशियों में नियंत्रण कर पाते हैं, जैसें धागे मे छोटे मोती पिरोना, ब्लॉक्स से इमारतें बनाना, कमीज़ के बटन लगा - खोल पाना इत्यादि। • बड़ो की निगरानी में, रोज़ाना स्वयं करने वाली सामान्य गतिविधियां कर पाते हैं, जैसे - खाना, मंजन करना, हाथ धोना, नहाना, शौच जाना, तैयार होना इत्यादि। • हानिकारक वस्तुओं से दूर रहते हैं, जैसे - माचिस/कैंची से न खेलना, गॅस/जलते चूल्हे से दूर रहना इत्यादि।
भाषा का विकास 	• उनके साथ की गई बातों को ध्यानपूर्वक सुनते हैं। • छोटे वाक्यों में जवाब देते है या अपने विचार व्यक्त करते हैं। • लेखन से परिचय प्रदर्शित करते हैं, जैसे - लेखन पर उंगली से इशारा करना। • अपने लिखित नाम को पहचान पाते हैं। • किसी दिए गए पहले की शब्द के ध्वनि को पहचान पाते हैं।
बौद्धिक विकास 	• विभिन्न गंध, स्वाद, ध्वनि और आकृतियों को पहचान पाते हैं। • दो अवधारणाओं के आधार पर वर्गीकरण कर पाते हैं, जैसे - छोटे गोल और बड़े त्रिभुज (आकृति और माप के आधार पर) • किसी वस्तु/घटना को सीधे क्रम में सजा पाते हैं या बोल पाते हैं (4-5 वस्तु से/भाग में) • 3-4 वस्तुओं को किसी दिखाए गए पैटर्न के अनुसार सजा पाते हैं। • सरल समस्याओं का हल कर पाते हैं, जैसे - 4-5 टुकड़ों के चित्र जोड़ पाना, 2-3 रुकावटों वाली टेबल सुलझा पाते हैं। • वस्तुओं के स्थान पहचान पाते हैं, जैसे - अंदर-बाहर, ऊपर-नीचे, दूर-पास इत्यादि। • वस्तुओं को गिनकर 5 तक की संख्या सही जगह पर रख पाते हैं। • वस्तुओं के माध्यम से जोड़ की धारणा समझ पाते हैं।

सामाजिक और भावनात्मक विकास	• परिचित व्यक्तियों से सहजता से बात कर पाते हैं। • समूह में अन्य बच्चों के साथ खेलना और वस्तुएं साझा करना पसंद करते हैं। • खेलते और अन्य गतिविधियों के समय अपने बारी का इंतजार कर पाते हैं। • खुशी, उदासी और क्रोध जैसी सरल भावनाओं को कहानियों में और अपने परिवेश में पहचान पाते हैं और उचित शब्दों से या हाव-भाव से व्यक्त कर पाते हैं। • अपने परिवार के सदस्य या करीबी लोगों से अलग होने में घबराते नहीं हैं।
रचनात्मक विकास	• नई चीजें सीखने की जिज्ञासा और रुचि दिखाते हैं। • दैनिक गतिविधियों में रचनात्मकता दिखाना, / जैसे - नए और अलग अलग तरीकों से विभिन्न वस्तुओं या शब्दों का प्रयोग कर पाते हैं। • नृत्य, नाटक और संगीत में प्रतिभागिता कर पाते हैं। • चित्रकारी, चित्रकला और समस्या का समाधान करने में कल्पना का उपयोग कर पाते हैं।

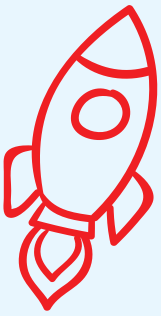

6A.2 चित्र पर दाने बैठाना

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चों की छोटी मांसपेशियों का विकास होगा, जिससे कि उनके लिखने का कौशल बढ़ेगा।	1. कैलेण्डर में दिए गए विशिष्ट दिन पर यह गतिविधि कराएं। 2. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दिए गए टी.एल.एम. (सीधी लकीर और टेढ़ी–मेढ़ी लकीर वाले चित्र) का ही प्रयोग करें।

चित्र पर दाने बैठाना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः आंख और ऊंगलियों के बीच समन्वय होता है और एकाग्रता रखने की क्षमता बढ़ती है।	» दाने बैठाने के कार्ड – सीधी और टेढ़ी–मेढ़ी लकीर वाले चित्र » बड़े बीज/पत्थर/कागज़ के गोले **टी.एल.एम.** – पृष्ठ संख्या 22	1. बच्चे के सामने एक चित्र कार्ड रखें और दानों की एक कटोरी रखें। 2. बच्चे को चित्र की रूपरेखा में दाने बैठाने के लिए कहें।

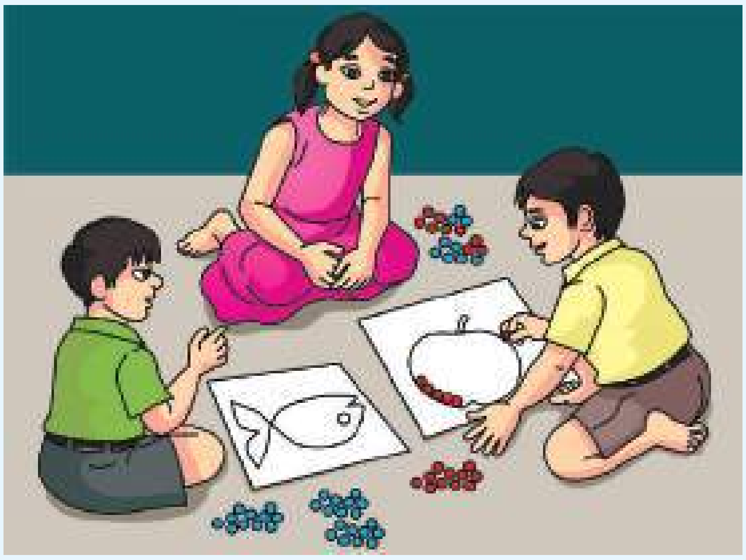

6A.3 रंग

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चे अपने परिवेश में रोज़ाना दिखने वाली वस्तुओं, जीव–जंतुओं आदि का विवरण रंग के आधार पर दे पाते हैं।	1. रंग की पहचान हेतु अलग–अलग चरण हैं। 2. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दिए गए चरण के अनुसार और रंगों पर ही गतिविधि को करें।

रंग मिलान करना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: अपने परिवेश में एक समान रंगों को देखकर पहचान पाना।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध हैं **अलग-अलग रंगों के मोती**	1. प्रत्येक रंग की 05–06 मोती बच्चे के सामने रखें। 2. प्रत्येक रंग का एक–एक मोती अपने पास रखें। 3. बच्चे को किसी एक रंग का मोती दिखाएं और पूछें – ''इसके जैसा यहां कहां हैं?'' **उदाहरण** – बच्चे के सामने लाल, हरे, पीले, नीले इत्यादि रंगों के मोती रखें। अब उसे पीले रंग का मोती दिखाएं और पूछें– ''इसके जैसा यहां कहां हैं?'' बच्चा/बच्ची पीले रंग के मोतियों को चुनेगा/चुनेगी अथवा उसकी ओर इशारा करेगा/करेगी।
	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं हैं – **रंग मिलान बोर्ड और संबंधित रंग के कट-आऊट** **टी.एल.एम.** – पृष्ठ संख्या 22	1. बच्चे के सामने रंग मिलान बोर्ड रखें और रंगों के कट–आऊट अपने पास रखें। 2. फिर किसी एक रंग का कट–आऊट बच्चे को दिखाएं और उससे पूछें– ''इसके जैसा यहां कहां हैं?''

रंग पहचानना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: अपने परिवेश में वस्तुओं का विवरण विभिन्न रंगों के आधार पर दे पाना।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध हैं – **अलग-अलग रंगों के मोती** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं हैं – **अलग-अलग रंगों के एक माप के गोल आकार के कट-आऊट**	1. बच्चों को पहले 03 रंगों से पहचान कराएं – लाल, पीला और नीला। 2. बच्चे के सामने पहले एक रंग का मोती/कट–आऊट रखें और उस रंग का नाम उसे बताएं। 3. बच्चे को केंद्र के अंदर उस रंग की वस्तुओं को ढूंढने के लिए कहें। **उदाहरण** – बच्चे के सामने लाल रंग के मोती/कट–आऊट रखें और उसे लाल रंग (नाम) से परिचय कराएं। अब उसे केंद्र में लाल रंग की वस्तु ढूंढने के लिए कहें।

रंगों को छांटना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: दो अलग–अलग रंगों को छांट पाना।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध हैं – **परिचित दो अलग-अलग रंगों के मोती**	1. एक कटोरी में दो अलग–अलग रंगों के मोती/कट–आऊट को मिलाएं। 2. बच्चे को दोनों रंगों को अलग करने के लिए कहें। **उदाहरण** – एक कटोरी में लाल और पीले रंग के मोती/कट–आऊट मिलाएं। बच्चे से कहें – "लाल रंग एक ओर रखो और पीले रंग एक ओर रखो।"
	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं हैं – **परिचित दो अलग-अलग रंगों के कट-आऊट**	

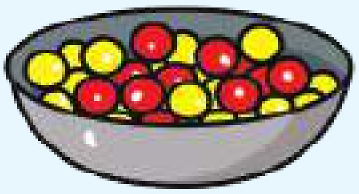

6A.4 आकार

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चे अपने परिवेश में रोज़ाना दिखने वाले वस्तुओं, जीव–जंतुओं आदि का विवरण आकार के आधार पर दे पाते हैं।	1. आकार की पहचान हेतु अलग–अलग चरण हैं। 2. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दिए गए चरण के अनुसार ही गतिविधि को करें।

आकार मिलान करना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: बच्चे द्वारा अपने परिवेश में एक समान आकार वाली वस्तुओं को देखकर पहचान पाना।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध हैं – **बिल्डिंग ब्लॉक्स में विभिन्न आकारों के समरूप जोड़ें।**	1. ब्लॉक्स की जोड़ियों में से एक ब्लॉक बच्चे के सामने रखें और दूसरा ब्लॉक अपने पास रखें। 2. बच्चे को एक ब्लॉक दिखाएं और उसके सामने रखे हुए ब्लॉक्स की तरफ इशारा करते हुए पूछें – "इसके जैसा यहां कहां हैं?" **उदाहरण** – बच्चे के सामने चौकोर, त्रिकोण, गोलाकार आदि ब्लॉक्स रखें। अब उसे अपने पास रखी हुई गोलाकार ब्लॉक को दिखाते हुए पूछें – "इसके जैसा यहां कहां हैं?" बच्चा/बच्ची अपने पास रखें ब्लॉक्स में से गोल आकार की ब्लॉक को ढूंढकर मिलाएगा/मिलाएगी।
	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं हैं – **आकार मिलान बोर्ड और संबंधित आकारों के कट-आऊट** **टी.एल.एम.** – पृष्ठ संख्या 23	1. बच्चे के सामने आकार मिलान बोर्ड रखें और आकारों के कट–आऊट अपने पास रखें। 2. किसी एक आकार का कट–आऊट बच्चे को दिखाएं और उससे पूछें– "इसके जैसा यहां कहां हैं?"

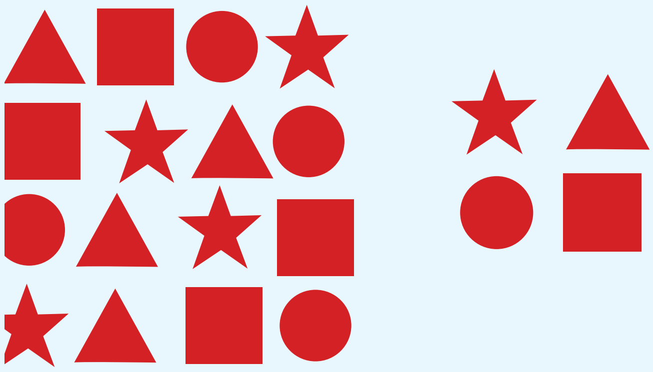

आकार पहचानना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: बच्चे द्वारा अपने परिवेश में वस्तुओं का विवरण तीन मूल आकारों के आधार पर दे पाना – चौकोर, त्रिभुज और गोल आकार	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध हैं – **बिल्डिंग ब्लॉक्स** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं हैं – **चौकोर, त्रिभुज और गोल आकारों के एक ही रंग और माप के कट-आऊट**	1. बच्चे के सामने पहले तीनों आकारों में से किसी एक आकार का ब्लॉक/कट–आऊट रखें और उस आकार का नाम उसे बताएं। 2. अब बच्चे को केंद्र के अंदर उस आकार के समान वस्तुओं को ढूंढने के लिए कहें। **उदाहरण** – बच्चे के सामने गोल आकार का ब्लॉक/कट–आऊट रखें और उसे गोल (नाम) आकार से परिचय कराएं। अब उसे केंद्र में गोल आकार के वस्तु ढूंढने के लिए कहें।

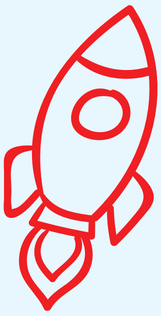

आकारों को छांटना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: दो अलग–अलग आकारों को छांट पाना।	**एक ही रंग के दो अलग-अलग आकारों के कट-आऊट, जैसे लाल रंग के चौकोर और लाल रंग के त्रिभुज**	1. एक कटोरी में दो अलग–अलग आकारों के कट–आऊट को मिलाएं। 2. बच्चे को दोनों आकारों को अलग करने के लिए कहें। **उदाहरण** – एक कटोरी में चौकोर और त्रिभुज के कट–आऊट मिलाएं। बच्चे से कहें – ''चौकोर एक ओर रखो और त्रिभुज एक ओर रखें।''

6A.5 थीम आधारित – पशु–पक्षी, फल–सब्ज़ी, यातायात के साधन

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चे अपने परिवेश में दिखने वाले पशु–पक्षी, फल–सब्ज़ी और यातायात के साधनों में समानताओं और असमानताओं को पहचान पाएंगें और उनके विशेषताओं के आधार पर उनका विवरण दे पाते हैं।	1. पशु–पक्षी, फल–सब्ज़ी और यातायात की साधनों के थीम हेतु गतिविधियों का संचालन एक समान ही रहेंगा, जोकि बिंदु संख्या 4.1 से 4.4 तक में निम्नवत हैं। 2. किसी विशिष्ट माह में कैलेण्डर में दी गई थीम के अनुसार ही निम्नलिखित गतिविधि करें। 3. कैलेण्डर में दी गई मासिक थीम के अनुसार निम्नलिखित गतिविधियों में थीम आधारित टी.एल.एम. का प्रयोग करें। 4. प्रत्येक थीम के तहत कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दी गई गतिविधि को ही करें।

मिलान करना – ठोस वस्तुओं से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: बच्चे अपने परिवेश में देखकर वस्तुओं में समानताओं को पहचान पाते हैं।	रोज़ाना दिखने एवं उपयोग की जाने वाली वस्तुओं के समरूप जोड़ें, जैसे कटोरी, बोतल, पेंसिल, रबर इत्यादि।	1. प्रत्येक जोड़े की एक वस्तु बच्चे के सामने रखें और एक अपने पास रखें। 2. बच्चे को एक वस्तु दें और उसके सामने रखें वस्तुओं की तरफ इशारा करते हुए पूछें – "इसके जैसा यहां कहां हैं?"

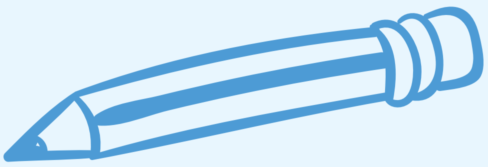

मिलान करना – चित्रों से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: बच्चे अपने परिवेश में दिखने वाले पशु–पक्षी, फल–सब्ज़ी और यातायात के साधनों में समानताओं को पहचान पाते हैं।	**थीम अनुसार समरूप चित्रों की जोड़ियां -** सामान्य पशु–पक्षी, फल–सब्ज़ी और यातायात के साधनों के चित्र कार्ड	1. प्रत्येक जोड़े का एक चित्र बच्चे के सामने रखें और एक अपने पास रखें। 2. बच्चे को एक चित्र दें और उसके सामने रखें, चित्रों के तरफ इशारा करते हुए पूछें – "इसके जैसा यहां कहां हैं?" **उदाहरण** – फल–सब्ज़ी की थीमः बच्चे के सामने 05–06 फल या सब्ज़ी के चित्र रखें। आपके पास रखे समरूप चित्र को बच्चे दिखाएं और पूछें – "इसके जैसा यहां कहां हैं?" बच्चा/बच्ची अपने पास रखें चित्रों में से उस चित्र को ढूंढकर मिलाएगा/मिलाएगी।

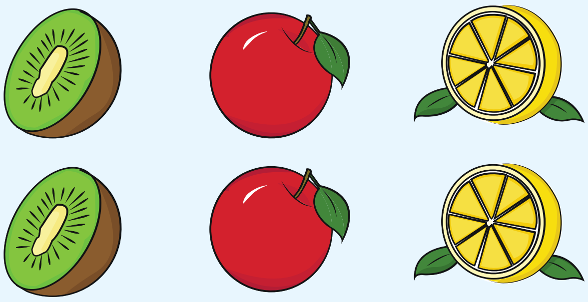

छांटना – ठोस वस्तुओं से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: बच्चे अपने परिवेश में देखकर वस्तुओं में असमानताओं को पहचान पाते हैं।	» राजमा जैसे बड़े दाने और चना दाल जैसे छोटे दाने। » फूल और पत्ते » छोटे पत्थर और बड़े पत्थर	1. एक कटोरी में दो अलग–अलग वस्तुओं को मिलाएं, जैसे– राजमा और चना दाल। 2. बच्चे को राजमा और चना दाल अलग करने के लिए कहें।

छांटना – चित्रों से – पहला चरण

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: बच्चे अपने परिवेश में दिखने वाले पशु–पक्षी, फल–सब्ज़ी और यातायात के साधनों में असमानताओं को पहचान पाते हैं।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध हैं – **दो अलग - अलग थीम के 05-06 फ्लैश कार्ड जैसे पशु और पक्षी, फल और सब्ज़ी, वाहन और पशु आदि** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं हैं – **दो अलग-अलग थीम के 05-06 चित्र कार्ड**	1. बच्चे के सामने दो अलग–अलग थीम के चित्र मिलाकर रखें, जैसे पशु और पक्षी के चित्र। 2. बच्चे को पशु और पक्षी के चित्र अलग करने के लिए कहें।

छांटना – चित्रों से – दूसरा चरण

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: बच्चे अपनी किसी विशिष्ट थीम के अंतर्गत असमानताओं को पहचान पाते हैं, जैसे पालतु पशु और जंगली पशु, ज़मीन पर चलने वाले वाहन और आसमान में उड़ने वाले वाहन इत्यादि।	किसी विशिष्ट थीम के चित्र कार्ड जैसे– पालतु जानवर और जंगली जानवर, ज़मीन पर चलने वाले वाहन और आसमान में उड़ने वाले वाहन इत्यादि।	1. बच्चे के सामने सभी चित्र मिलाकर रखें, जैसे पालतु पशु और जंगली पशु के चित्र। 2. बच्चे को पालतु पशु और जंगली पशु के चित्र अलग करने के लिए कहें।

क्या गायब है – ठोस वस्तुओं से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः अवलोकन और स्मरण करने की क्षमता बढ़ना	रोज़ाना दिखने वाली वस्तु, जैसे पेंसिल, रबर, कटर, ताला, चम्मच आदि	1. बच्चे के सामने सभी वस्तुओं को रखें और उन्हें एक–एक करके वस्तुओं को पहचानने के लिए कहें। 2. बच्चे को सभी वस्तुओं को अच्छी तरक से देखने के लिए कहें। 3. उसे आंख बंद करने के लिए कहें और एक वस्तु हटाएं। 4. बच्चे को आंख खोलकर गायब वस्तु को पहचानने के लिए कहें।

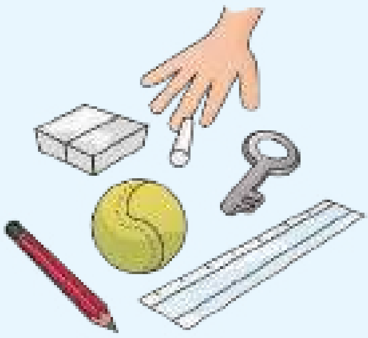

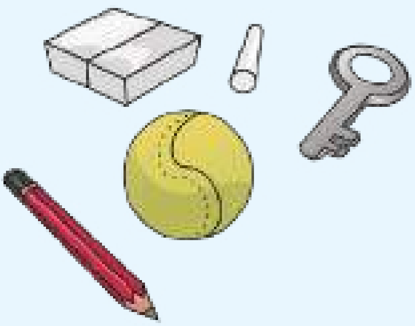

क्या गायब है – चित्रों से – पहला स्तर

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः अवलोकन और स्मरण करने की क्षमता बढ़ना	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध हैं – दो अलग – फ्लैश कार्ड जैसे पशु, पक्षी, फल, सब्ज़ी, वाहन आदि अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं हैं – **दो अलग-अलग थीम के चित्र कार्ड**	1. बच्चे के सामने सभी चित्रों को रखें और उन्हें एक–एक करके चित्र को पहचानने के लिए कहें। 2. बच्चे को सभी चित्रों को अच्छी तरक से देखने के लिए कहें। 3. उसे आंख बंद करने के लिए कहें और एक चित्र हटाएं। 4. बच्चे को आंख खोलकर गायब चित्र को पहचानने के लिए कहें।

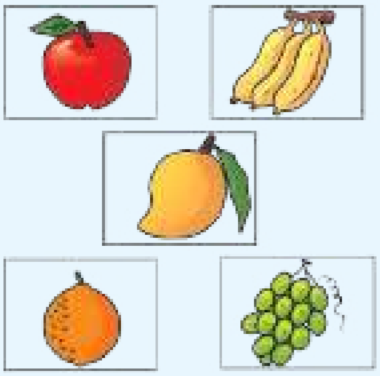

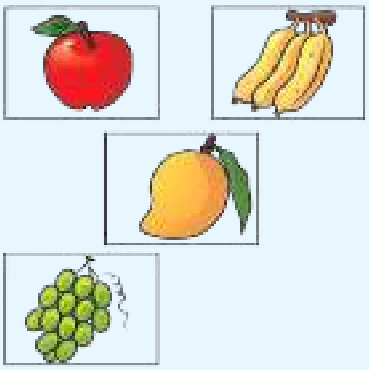

आवाज़ निकालना – चित्रों से – पशु–पक्षी और वाहन की

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: बच्चे विभिन्न प्रकार की आवाज़ों के बीच भिन्नता को पहचानना	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध हैं – » **विभिन्न पशुओं के फ्लैश कार्ड** » **विभिन्न वाहनों के फ्लैश कार्ड** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध हैं – » **विभिन्न पशुओं के चित्र** » **विभिन्न वाहनों के चित्र**	1. कैलेण्डर में दी गई थीम के अनुसार बच्चे को उस थीम का चित्र दिखाएं। 2. जैसे – पशु को थीम पर एक पशु का चित्र दिखाएं। 3. बच्चे को उस पशु की आवाज़ निकालने के लिए कहें। 4. इसी प्रकार वाहनों का चित्र दिखाएं और उस वाहन की आवाज़ निकालने के लिए कहें।

6A.6 संख्या पूर्व की अवधारणा – छोटा–बड़ा, मोटा–पतला, कम–ज्यादा, दूर–पास

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चे अपने परिवेश में दिखने वाली वस्तुओं की तुलना माप और परिमाण के आधार पर कर पाते हैं।	1. संख्या पूर्व की अवधारणाएं – छोटा–बड़ा, मोटा–पतला, कम–ज्यादा, दूर, पास 2. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर कराए जाने वाली अवधारणा दी गई हैं। 3. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दी गई अवधारणा के अनुसार ही गतिविधि को करें। 4. सभी अवधारणाओं के तहत तुलना करने हेतु प्रयोग की जाने वाले वस्तुऐं/चित्र समरूप होने चाहिए। 5. उदाहरण – छोटे और बड़े की तुलना में छोटी बकरी और बड़े बकरी का ही चित्र लें। बकरी और हाथी का चित्र नहीं लेंगें।

छोटा–बड़ा – वस्तुओं से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः वस्तुओं के बीच छोटे–बड़े के आधार पर तुलना करना	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध हैं – **बिल्डिंग ब्लॉक्स में एक समान आकार के छोटे और बड़े ब्लॉक्स** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं हैं – **रोज़ाना प्रयोग की जाने वाली ठोस वस्तु, जैसे छोटा फूल-बड़ा फूल, छोटा ग्लास-बड़ा ग्लास इत्यादि**	1. बच्चे के सामने छोटा और बड़ा ब्लॉक/वस्तु रखें। 2. बच्चे को छोटा ब्लॉक/वस्तु और बड़ा ब्लॉक/वस्तु को पहचानने के लिए कहें।

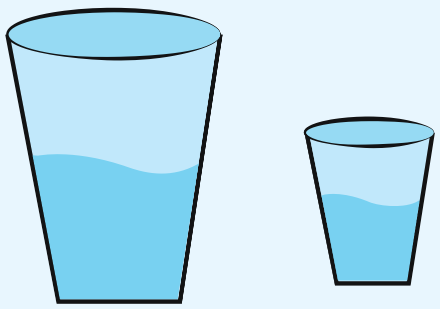

छोटा–बड़ा – चित्रों से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः चित्रों में छोटे–बड़े की तुलना करना	थीम आधारित चित्रों से – थीम अनुसार किसी एक चित्र का छोटा और बड़ा चित्र कार्ड, जैसे छोटी नांव–बड़ी नाव, छोटी बकरी–बड़ी बकरी	1. बच्चे के सामने छोटे और बड़े चित्रों के कार्ड रखें। 2. बच्चे से पहले छोटे और बड़े चित्र को पहचानने के लिए कहें।

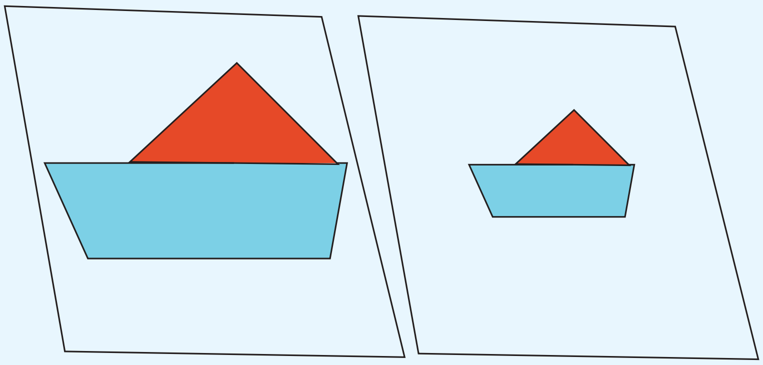

मोटा–पतला – वस्तुओं से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः वस्तुओं के बीच मोटे–पतले के आधार पर तुलना करना	रोज़ाना दिखने वाली ठोस वस्तु जैसे – मोटी लकड़ी और पतली लकड़ी इत्यादि	1. बच्चे के सामने मोटी और पतली वस्तु रखें। 2. बच्चे को मोटी और पतली वस्तु को पहचानने के लिए कहें।

मोटा–पतला – चित्रों से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: चित्रों में मोटे और पतले की तुलना करना	थीम आधारित चित्रों से – थीम अनुसार किसी एक चित्र का छोटा और बड़ा चित्र कार्ड, जैसे – मोटा पेड़–पतला पेड़, मोटी बिल्ली–पतली बिल्ली इत्यादि	1. बच्चे के सामने मोटी और पतली वस्तु के चित्रों के कार्ड रखें। 2. बच्चे को मोटे और पतले चित्र को पहचानने के लिए कहें।

कम–ज्यादा – वस्तुओं से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: वस्तुओं के बीच कम–ज्यादा की आधार पर तुलना करना	कम और अधिक संख्या के समूहों में रोज़ाना दिखने वाली ठोस वस्तु, जैसे – पत्ते, फूल, कंकड़ इत्यादि	1. बच्चे के सामने किसी वस्तु के दो समूह रखें, जैसे एक समूह में कम संख्या में पत्ते और दूसरे समूह में अधिक संख्या में पत्ते। 2. बच्चे से पूछें – किसमें कम पत्ते हैं और किसमें ज्यादा पत्ते हैं?"

कम–ज्यादा – चित्रों से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः चित्रों में कम–ज्यादा की तुलना करना	थीम आधारित चित्रों से – थीम अनुसार किसी एक चित्र के कम और ज्यादा की संख्या में दो चित्र कार्ड। जैसे– 01 कार्ड में 5 फल और दूसरे कार्ड में 10 फल इत्यादि	1. बच्चे के सामने दोनों चित्र कार्ड रखें। जैसे – फल के कम और ज्यादा के चित्र कार्ड। 2. बच्चे से पूछें – "किसमें कम फल हैं और किसमें ज्यादा फल हैं?"

हल्का–भारी – वस्तुओं से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः वस्तुओं के बीच हल्के–भारी के आधार पर तुलना करना	हल्के और भारी वज़न रोज़ाना दिखने वाली ठोस वस्तु, जैसे – ताला, कागज़, पत्ते, फूल, कंकड़ इत्यादि	1. बच्चे के सामने एक हल्की और एक भारी वस्तु रखें। 2. बच्चे से पूछें – "इनमें हल्का कौन–सा हैं और भारी कौन–सा है?"

दूर–पास– वस्तुओं से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः दूरी के आधार पर वस्तुओं के स्थान में तुलना करना	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध हैं – एक समान आकार के दो **बिल्डिंग ब्लॉक्स** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं हैं – **केंद्र पर उपलब्ध दो समरूप वस्तुओं से**	1. एक ब्लॉक/वस्तु बच्चे के करीब रखें और एक ब्लॉक/वस्तु बच्चे से थोड़ी दूर पर रखें। 2. बच्चे से पूछें कि कौन–सा ब्लॉक/वस्तु उसके पास हैं और कौन–सा ब्लॉक/वस्तु उससे दूर हैं।

दूर–पास– चित्रों से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः चित्रों में दी गई दूरी के आधार पर स्थान में तुलना करना	दूर–पास दर्शाते हुए दो चित्र कार्ड। जैस – एक कार्ड में पेड़ के पास बच्ची का चित्र और एक कार्ड में पेड़ से दूर बच्ची का चित्र।	1. बच्चे के सामने दोनों चित्र कार्ड रखें। 2. बच्चे से पूछें – "किसमें बच्ची पेड़ के पास खड़ी हैं और किसमें पेड़ से दूर खड़ी है?"

6A.7 स्थान और दिशा की अवधारणा – अंदर–बाहर, ऊपर–नीचे, आगे–पीछे

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चे अपने परिवेश में दिखने वाली वस्तुओं की तुलना स्थान के आधार कर पाते हैं।	1. स्थान और दिशा की अवधारणाएं – अंदर–बाहर, ऊपर–नीचे, आगे–पीछे 2. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर कराए जाने वाली अवधारणा दी गई है। 3. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दी गई अवधारणा के अनुसार ही गतिविधि को करें।

अंदर–बाहर – ठोस वस्तुओं से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: अंदर व बाहर के आधार पर वस्तुओं के स्थान को पहचान पाना।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध हैं – **एक समान आकार के दो बिल्डिंग ब्लॉक्स** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं हैं – **केंद्र पर उपलब्ध दो समरूप वस्तुओं से**	1. फर्श पर एक गोल आकार बनाए। 2. एक ब्लॉक/वस्तु गोलाकार के अंदर रखें और एक ब्लॉक/वस्तु गोलाकार के बाहर रखें। 3. बच्चों से पूछें कि कौन–सा ब्लॉक/वस्तु गोलाकार के अंदर हैं और कौन–सा ब्लॉक/वस्तु उससे बाहर है। **अतिरिक्त गतिविधि** – बच्चे से यह बोलने के लिए कहें कि केंद्र के अंदर क्या–क्या है और केंद्र के बाहर क्या–क्या है।

अंदर–बाहर – चित्रों से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः चित्रों में अंदर व बाहर पहचान पाना।	अंदर–बाहर दर्शाते हुए दो चित्र कार्ड। जैसे – एक चित्र कार्ड में बच्ची घर के अंदर है और एक चित्र कार्ड में बच्ची घर के बाहर है, इत्यादि।	1. बच्चे के सामने दोनों चित्र कार्ड रखें। 2. बच्चे से पूछें – "किसमें बच्ची घर के अंदर है और किसमें बच्ची घर के बाहर है?"

ऊपर–नीचे – ठोस वस्तुओं से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः अंदर व बाहर के आधार पर वस्तुओं के स्थान को पहचान पाना।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध हैं – **एक समान आकार के दो बिल्डिंग ब्लॉक्स** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं हैं – **केंद्र पर उपलब्ध दो समरूप वस्तुओं से**	1. केंद्र में उपलब्ध एक मेज या कुर्सी के ऊपर एक ब्लॉक/वस्तु रखें और एक ब्लॉक/वस्तु नीचें रखें। 2. बच्चे से पूछें कि कौन–सा ब्लॉक/वस्तु मेज या कुर्सी के ऊपर है और कौन–सा ब्लॉक/वस्तु नीचे है। **अतिरिक्त गतिविधि** - बच्चे से यह बोलने के लिए कहें कि केंद्र में कौन–कौन सी वस्तुएं ऊपर दिख रही हैं और कौन–कौन सी वस्तुएं नीचे दिख रही हैं।

ऊपर–नीचे – चित्रों से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः चित्रों में ऊपर व नीचे पहचान पाना।	ऊपर–नीचे दर्शाते हुए दो चित्र कार्ड। जैसे – एक चित्र कार्ड में पेड़ के ऊपर पक्षी और एक चित्र कार्ड में पेड़ के नीचे पक्षी, इत्यादि।	1. बच्चे के सामने दोनों चित्र कार्ड रखें। 2. बच्चे से पूछें – "किसमें पक्षी पेड़ के ऊपर हैं और किसमें पेड़ के नीचे हैं?"

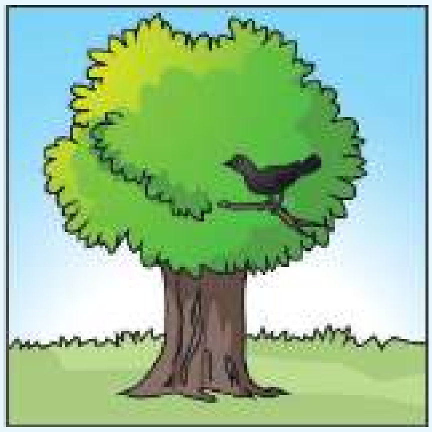

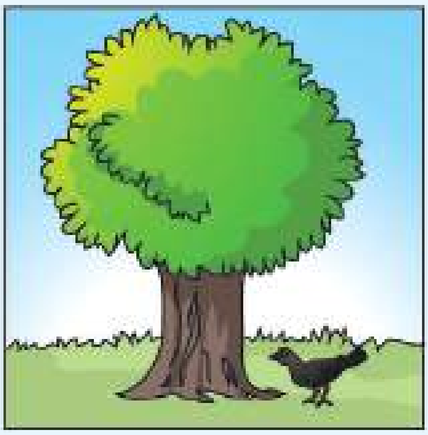

आगे–पीछे

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः आगे व पीछे के आधार पर वस्तुओं के स्थान को पहचान पाना।	विशिष्ट सामग्री की आवश्यकता नहीं है।	1. आप बच्चे की ओर मुडकर बैठे/खड़े हों। 2. बच्चे से यह बोलने के लिए कहें कि आपके आगे कौन–कौन सी वस्तुएं हैं और आपके पीछे कौन–कौन सी वस्तुएं हैं।

6A.8 क्रमबद्धता

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चे अपने परिवेश में दिखने वाले वस्तुओं की तुलना माप, परिमाण और स्थान के आधार कर पाते हैं तथा क्रमबद्ध तरीके से सजा पाते हैं–जैसे कम से ज्यादा, छोटे से बड़ा, आदि	1. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दिए गए गतिविधि के अनुसार करें। 2. माप, परिमाण और स्थान के आधार पर 03 स्तर तक क्रमबद्ध तरीके से सजाने की गतिविधि की प्रक्रिया एक समान हैं।

क्रमबद्धता – पहला स्तर – छोटे से बड़ा, मोटे से पतला, लंबे से छोटाः 03 माप तक

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः माप के आधार पर 03 स्तर तक क्रमबद्ध तरीके से सजा पाना	**ठोस वस्तु** – 03 माप के गिलास, कटोरी, पेंसिल	1. कैलेण्डर में दी गई अवधारणा के अनुसार बच्चे को पहले मध्यम माप से परिचित कराएं। 2. जैसे– छोटे से बड़ा – तीन माप के गिलास के माध्यम से सबसे छोटा, उससे बड़ा और सबसे बड़ा गिलास पहचानना सिखाएं। 3. अब बच्चे को स्वयं छोटे से बड़े के क्रम में गिलास सजाने के लिए कहें।

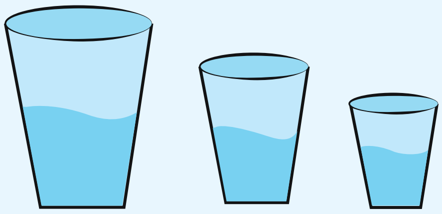

क्रमबद्धता – दूसरा स्तर – कम से ज्यादाः 03 माप तक

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः माप के आधार पर 03 स्तर तक क्रमबद्ध तरीके से सजा पाना	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध हैं **- मोती** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध हैं **-कंकड़, कंचे आदि**	1. तीन अलग–अलग कटोरियों में 03 अलग–अलग परिमाण के मोती/कंकड़ रखें। 2. जैसे – एक कटोरी में 05, एक में 03 और एक में 10 मोती/कंकड़ रखें। 3. बच्चे से पूछें किसमें सबसे कम हैं, किसमें उससे ज्यादा और किसमें सबसे ज्यादा।

6A.9 आवाज़ पहचानना

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चे अपने परिवेश में विभिन्न आवाज़ों के आधार पर समानताओं और असमानताओं को पहचान पाते हैं।	1. कैलेण्डर में दिए गए विशिष्ट दिन पर यह गतिविधि कराएं। 2. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दिए गए चरण के अनुसार ही गतिविधि करें।

ज़ोर और हल्की आवाज़

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: ज़ोर और हल्की आवाज़ों को पहचान पाना।	» ध्वनि डिब्बे– छोटे चने और बालू और पत्थर और चावल इत्यादि से भरी हुए	1. बच्चे को एक–एक करके दोनों डिब्बों को कान के पास ले जाकर हिलाने के लिए कहें। 2. बच्चे से पूछें किस डिब्बे से ज़ोर की आवाज़ आ रही है और किस डिब्बे से हल्की आवाज़ आ रही है।

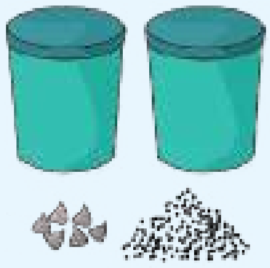

मिलान – दो–तीन समान आवाज़ों के जोड़े

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालिन लक्ष्य: एक समान आवाज़ों को पहचान पाना	– तीन अलग–अलग ध्वनियों के डिब्बों के जोड़े – पत्थर, छोटे चने और बालू से भरे हुए डिब्बों के जोड़े	1. सभी जोड़ो को अव्यवस्थित रूप में मिलाकर बच्चे के सामने रखें। 2. बच्चे से कहें कि एक–एक करके सभी डिब्बों को कान के पास ले जाकर हिलाएं और एक समान आवाज़ वाले डिब्बों को एक साथ रखें।

6A.10 स्वाद पहचानना

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चे विभिन्न पकवानों/खाने की चीज़ों में अलग–अलग स्वादों को पहचान पाते हैं।	1. कैलेण्डर में दिए गए विशिष्ट दिन पर यह गतिविधि कराएं। 2. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दिए गए स्वाद के अनुसार ही गतिविधि करें।

स्वाद की पहचान – नमकीन, मीठा और खट्टा

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: नमकीन, मीठे और खट्टे स्वादों को पहचान पाते हैं।	– तीन समरूप गिलास में नमक, चीनी और नींबू से घुला हुआ पानी – एक चम्मच	1. कैलेण्डर में दिए गए स्वाद के अनुसार बच्चे को चम्मच से एक–एक करके दोनों/तीनों स्वादों को चखने के लिए कहें। 2. बच्चे से पूछें किसका स्वाद कैसा है। 3. अगर बच्चे नाम से स्वादों के बीच में अंतर न कर पाएं तो उन्हें उनके नाम से परिचित कराएं।

मिलान – नमकीन और मीठा

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: एक समान स्वाद को पहचान पाना	– समरूप गिलास में नमक और चीनी घुले हुए पानी के दो जोड़े – एक चम्मच	1. दोनों जोड़ों को अव्यवस्थित रूप में मिलाकर बच्चे के सामने रखें। 2. बच्चे से कहें कि एक–एक करके सभी गिलासों के पानी को चखें और एक समान स्वाद वाले गिलास को एक साथ रखें।

6A.11 गंध पहचानना

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चे विभिन्न गंधों के आधार पर अपने परिवेश का विवरण दे पाते हैं।	1. कैलेण्डर में दिए गए विशिष्ट दिन पर यह गतिविधि कराएं। 2. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दी गई गंध के अनुसार ही गतिविधि करें।

गंध की पहचान – दो–तीन गंध की पहचान

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: विभिन्न गंधों के बीच असमानता को पहचान पाते हैं।	1 अलग–अलग गंध वाली वस्तुएं, जैसे प्याज़, टैल्कम पाऊडर, लौंग, लहसून, फूल इत्यादि 2 दो–तीन समरूप कटोरियां	1. अलग–अलग वस्तुओं को अलग–अलग कटोरियों में रखें। 2. बच्चे को आंख बंद करने के लिए कहें और उसकी नाक के पास एक–एक करके कटोरी ले जाएं। 3. बच्चे को सूंघकर कटोरी से आने वाले गंध के बारे में बताने के लिए कहें।

मिलान – दो–तीन गंध से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: एक समान गंध को पहचान पाना	1 दो–तीन अलग–अलग गंध के समरूप कटोरियों में जोड़ें	1. बच्चे को आंख बंद करने के लिए कहें। 2. सभी जोड़ों को अव्यवस्थित रूप में मिलाकर बच्चे के सामने रखें। 3. बच्चे को सूंघकर एक समान गंध वाली कटोरियों को पहचानने के लिए कहें।

6B

05–06 वर्ष आयु वर्ग

G5G3F9

6B.1 विकासात्मक और अधिगम में उपलब्धियां

विकास के क्षेत्र	विकास और अधिगम में उपलब्धियां
शारीरिक विकास 	• शारीरिक गतिविधियों में सक्रियता से भाग लेना। । • बड़ी मांसपेशियों में नियंत्रण कर पाते हैं, जैसे - कूदना, दौड़ना, लात मारना, पकड़ना, गेंद फेंकना इत्यादि। • छोटी मांसपेशियों को नियंत्रण कर पाते हैं, जैसे - धागे में छोटे मोती पिरोना, ब्लॉक्स से इमारतें बनाना, पेंसिल पकड़ना इत्यादि। • दैनिक गतिविधियां स्वयं करते हैं, जैसे - नहाना, शौच जाना, कपड़े पहनना, इत्यादि। • हानिकारक वस्तुओं से दूर रहते हैं, जैसे - माचिस-कैंची से न खेलना, गैस/ जलते चूल्हे से दूर रहना इत्यादि। • सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श में अंतर समझ पाते हैं।
भाषा का विकास 	• उनके साथ की गई बातों को ध्यानपूर्वक सुनते हैं। • वाक्यों में जवाब देते है या अपने विचार व्यक्त करते हैं। • लेखन से परिचय और विकसित होता हैं, जैसे - लेखन की शुरुआत बायें से दायें समझ पाना। • एक जैसी ध्वनि से शुरू होने वाले शब्दों को बोल पाते हैं, जैसे - 'क' आवाज से शुरू होने वाले शब्द - कमल, कलश। • अक्षर पहचानकर, बोल पाते हैं। • अपना नाम और सामान्य अक्षरों को लिख पाते हैं।

बौद्धिक विकास	• तीन अवधारणाओं के आधार पर वर्गीकरण कर पाते हैं, जैसे - छोटी, पीली, गोल, और बड़े लाल चौकोर (माप, रंग और आकृति) • किसी वस्तु/घटना को उल्टे क्रम से सजा पाते हैं या बोल पाते हैं (3-4 वस्तु सेध्भाग में) • माप के आधार पर वस्तुओं को क्रम में सजा पाते हैं (5 माप तक) • जटिल समस्याओं का हल कर पाते हैं, जैसे - 5-6 टुकड़ों का चित्र जोड़ पाना, 3 से अधिक रुकवातों वाली टेबल सुलझा पाते हैं। • वस्तुओं को गिनकर 9 तक की संख्या सही जगह पर रख पाते हैं। • वस्तुओं को गिनकर सरल जोड़ कर पाते है। • 1-9 की संख्या को छोटे से बड़े के क्रम में सजा पाते हैं। • 1-9 की संख्या को लिख पाते है।
सामाजिक और भावनात्मक विकास	• परिचित व्यक्तियों से सहजता से बात कर पाते हैं। • समूह में अन्य बच्चों के साथ खेलना और वस्तुएं साझा करना पसंद करते हैं। • दोस्तों के साथ कर पाते हैं और जरूरत होने पर सहानुभूति दिखाते हैं। • खेलते समय और अन्य गतिविधियों के समय अपने बारी का इंतजार कर पाते हैं। • खुशी, उदासी और क्रोध जैसी सरल भावनाओं को कहानियों में और अपने परिवेश में पहचान पाते हैं और उचित शब्दों से या हाव-भाव से व्यक्त कर पाते हैं। • परिचित व्यक्तियों की सहायता से अंजान लोगों से बात करने में झिझकते नहीं हैं।
रचनात्मक विकास	• नई चीजें सीखने में जिज्ञासा और रुचि दिखाते हैं। • दैनिक गतिविधियों में रचनात्मकता दिखाना, जैसे - दी गई सामग्री से विभिन्न वस्तु बना पाते हैं। • नृत्य, नाटक और संगीत में प्रतिभागिता कर पाते हैं। • चित्रकारी, चित्रकला और समस्या का समाधान करने में कल्पना का उपयोग कर पाते हैं।

6B.2 चित्र पर दाने बैठाना

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चों की छोटी मांसपेशियों का विकास होगा, जिससे कि उनके लिखने का कौशल बढ़ेगा।	1. कैलेण्डर में दिए गए विशिष्ट दिन पर यह गतिविधि कराएं। 2. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दिए गए टी.एल.एम. (सीधी लकीर और टेढ़ी–मेढ़ी लकीर वाले चित्र) का ही प्रयोग करें।

चित्र पर दाने बैठाना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः आंख और ऊंगलियों के बीच समन्वय होता है और एकाग्रता रखने की क्षमता बढ़ती है।	» दाने बैठाने के कार्ड » सीधी और टेढ़ी–मेढ़ी लकीर वाले चित्र » बड़े बीज/पत्थर/कागज़ के गोले	1. बच्चे के सामने एक चित्र कार्ड रखें और दानों की एक कटोरी रखें। 2. बच्चे को चित्र की रूपरेखा में दाने बैठाने के लिए कहें।

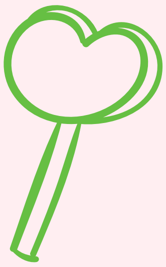

6B.3 रंग

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चे अपने परिवेश में रोज़ाना दिखने वाली वस्तुओं, जीव–जंतुओं आदि का विवरण रंग के आधार पर दे पाते हैं।	1. रंग की पहचान हेतु अलग–अलग चरण हैं। 2. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दिए गए चरण के अनुसार और रंगों पर ही गतिविधि को करें।

रंग मिलान करना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: अपने परिवेश में एक समान रंगों को देखकर पहचान पाना।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – **अलग-अलग रंगों के मोती**	1. प्रत्येक रंग के 05–06 मोती बच्चे के सामने रखें। 2. प्रत्येक रंग के एक–एक मोती अपने पास रखें। 3. बच्चे को किसी एक रंग का मोती दिखाएं और पूछें – ''इसके जैसा यहां कहां है?'' **उदाहरण** - बच्चे के सामने लाल, हरे, पीले, नीले इत्यादि रंगों के मोती रखें। अब उसे पीले रंग का मोती दिखाएं और पूछें – ''इसके जैसा यहां कहां है?'' बच्चा/बच्ची पीले रंग के मोतियों को चुनेगा/चुनेगी अथवा उसकी ओर इशारा करेगा/करेगी।
	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं हैं – **रंग मिलान बोर्ड और संबंधित रंग के कट-आऊट**	1. बच्चे के सामने रंग मिलान बोर्ड रखें और रंगों के कट–आऊट अपने पास रखें। 2. फिर किसी एक रंग का कट–आऊट बच्चे को दिखाएं और उससे पूछें – ''इसके जैसा यहां कहां है?''

रंग पहचानना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: अपने परिवेश में वस्तुओं का विवरण विभिन्न रंगों के आधार पर दे पाना।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – **अलग-अलग रंगों की मोती** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – **अलग-अलग रंगों के एक माप के गोल आकार के कट-आऊट**	1. बच्चों को पहले 03 रंगों से पहचान कराएं – लाल, पीला और नीला। 2. बच्चे के सामने पहले एक रंग का मोती/कट–आऊट रखें और उस रंग का नाम उसे बताएं। 3. बच्चे को केंद्र के अंदर उस रंग की वस्तुओं को ढूंढने के लिए कहें। **उदाहरण -** बच्चे के सामने लाल रंग का मोती/कट–आऊट रखें और उसे लाल रंग (नाम) से परिचय कराएं। अब उसे केंद्र में लाल रंग की वस्तु ढूंढने के लिए कहें।

रंगों को छांटना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: दो अलग–अलग रंगों को छांट पाना।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – **परिचित दो अलग-अलग रंगों के मोती** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – **परिचित दो अलग-अलग रंगों के कट-आऊट**	1. एक कटोरी में दो अलग–अलग रंगों के मोतियों/कट–आऊट को मिलाएं। 2. बच्चे को दोनों रंगों को अलग करने के लिए कहें। **उदाहरण-** एक कटोरी में लाल और पीले रंग के मोती/कट–आऊट मिलाएं। बच्चे से कहें – "लाल रंग एक ओर रखो और पीले रंग एक ओर रखो।"

6B.4 आकार

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चे अपने परिवेश में रोज़ाना दिखने वाली वस्तुओं, जीव–जंतुओं आदि का विवरण आकार के आधार पर दे पाते हैं।	1. आकार की पहचान हेतु अलग–अलग चरण हैं। 2. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दिए गए चरण के अनुसार ही गतिविधि को करें।

आकार मिलान करना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: बच्चे अपने परिवेश में एक समान आकार वाली वस्तुओं को देखकर पहचान पाना।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – **बिल्डिंग ब्लॉक्स में विभिन्न आकारों के समरूप जोड़े।**	1. ब्लॉक्स की जोडियों में से एक ब्लॉक बच्चे के सामने रखें और दूसरा ब्लॉक अपने पास रखें। 2. बच्चे को एक ब्लॉक दिखाएं और उसके सामने रखे हुए ब्लॉक्स के तरफ इशारा करते हुए पूछें – "इसके जैसा यहां कहां है?" उदाहरण– बच्चे के सामने चौकोर, त्रिकोण, गोलाकार आदि ब्लॉक्स रखें। अब उसे अपने पास रखी हुई गोलाकार ब्लॉक को दिखाते हुए पूछें – "इसके जैसा यहां कहां है?" बच्चा/बच्ची अपने पास रखें ब्लॉक्स में से गोल आकार की ब्लॉक को ढूंढकर मिलाएगा/मिलाएगी।
	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – **रंग मिलान बोर्ड और संबंधित रंग के कट-आऊट**	1. बच्चे के सामने रंग मिलान बोर्ड रखें और रंगों के कट–आऊट अपने पास रखें। 2. फिर किसी एक रंग का कट–आऊट बच्चे को दिखाएं और उससे पूछें – "इसके जैसा यहां कहां है?"

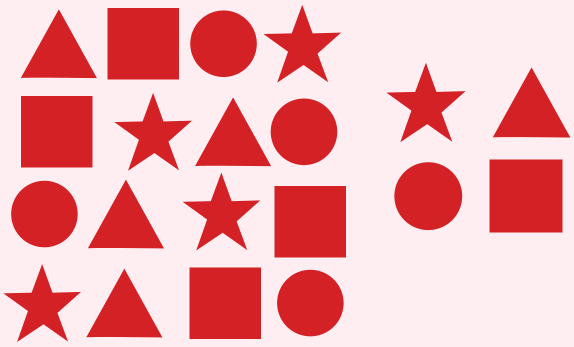

आकार पहचानना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः बच्चे द्वारा अपने परिवेश में वस्तुओं का विवरण तीन मूल आकारों के आधार पर दे पाना – चौकोर, त्रिभुज और गोल आकार।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – **बिल्डिंग ब्लॉक्स** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – **चौकोर, त्रिभुज और गोल आकारों के एक ही रंग और माप के कट-आऊट**	1. बच्चे के सामने पहले तीनों आकारों में से किसी एक आकार का ब्लॉक/कट–आऊट रखें और उस आकार का नाम उसे बताएं। 2. अब बच्चे को केंद्र के अंदर उस आकार के समान वस्तुओं को ढूंढने के लिए कहें। **उदाहरण** - बच्चे के सामने गोल आकार का ब्लॉक/कट–आऊट रखें और उसे गोल (नाम) आकार से परिचय कराएं। अब उसे केंद्र में गोल आकार की वस्तु ढूंढने के लिए कहें।

आकारों को छांटना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः दो अलग–अलग आकारों को छांट पाना।	एक ही रंग के दो अलग– **अलग आकारों के कट-आऊट, जैसे – लाल रंग के चौकोर और लाल रंग के त्रिभुज**	1. एक कटोरी में दो अलग–अलग आकारों के कट–आऊट को मिलाएं। 2. बच्चे को दोनों आकारों को अलग करने के लिए कहें। **उदाहरण** - एक कटोरी में चौकोर और त्रिभुज के कट–आऊट मिलाएं। बच्चे से कहें – "चौकोर एक ओर रखो और त्रिभुज एक ओर रखो।"

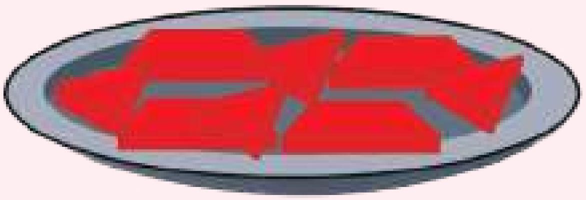

6B.5 थीम आधारित–पशु–पक्षी, फल–सब्ज़ी, यातायात के साधन

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चे अपने परिवेश में दिखने वाले पशु–पक्षी, फल–सब्ज़ी और यातायात के साधनों में समानताओं और असमानताओं को पहचान पाएंगे और उनके विशेषताओं के आधार पर उनका विवरण दे पाते हैं।	1. पशु–पक्षी, फल–सब्ज़ी और यातायात के साधनों की थीम हेतु गतिविधियों का संचालन एक समान ही रहेगी, जोकि बिंदु संख्या 4.1 से 4.4 तक में निम्नवत हैं। 2. किसी विशिष्ट माह में कैलेण्डर में दी हुई थीम के अनुसार ही निम्नलिखित गतिविधि करें। 3. कैलेण्डर में दी हुई मासिक थीम के अनुसार निम्नलिखित गतिविधियों में थीम आधारित टी.एल.एम. का प्रयोग करें। 4. प्रत्येक थीम के तहत कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दी हुई गतिविधि को ही करें।

मिलान करना – ठोस वस्तुओं से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: बच्चे अपने परिवेश में देखकर वस्तुओं में समानताओं को पहचान पाते हैं।	रोज़ाना दिखने एवं उपयोग की जाने वाली वस्तुओं के समरूप जोड़े, जैसे – कटोरी, बोतल, पेंसिल, रबर इत्यादि।	1. प्रत्येक जोड़े की एक वस्तु बच्चे के सामने रखें और एक अपने पास रखें। 2. बच्चे को एक वस्तु दें और उसके सामने रखें वस्तुओं के तरफ इशारा करते हुए पूछें – "इसके जैसा यहां कहां है?"

मिलान करना – चित्रों से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः बच्चे अपने परिवेश में दिखने वाले पशु–पक्षी, फल–सब्ज़ी और यातायात के साधनों में समानताओं को पहचान पाते हैं।	**थीम अनुसार समरूप चित्रों की 05-06 जोड़ियां -** सामान्य पशु–पक्षी, फल–सब्ज़ी और यातायात के साधानों के चित्र कार्ड	1. प्रत्येक जोड़े का एक चित्र बच्चे के सामने रखें और एक अपने पास रखें। 2. बच्चे को एक चित्र दें और उसके सामने रखे चित्रों के तरफ इशारा करते हुए पूछें – "इसके जैसा यहां कहां है?" **उदाहरण -** फल–सब्ज़ी की थीमः बच्चे के सामने 05–06 फल या सब्ज़ी के चित्र रखें। आपके पास रखे समरूप चित्र को बच्चे दिखाएं और पूछें – "इसके जैसा यहां कहां हैं?" बच्चा/बच्ची अपने पास रखे चित्रों में से उस चित्र को ढूंढकर मिलाएगा/मिलाएगी।

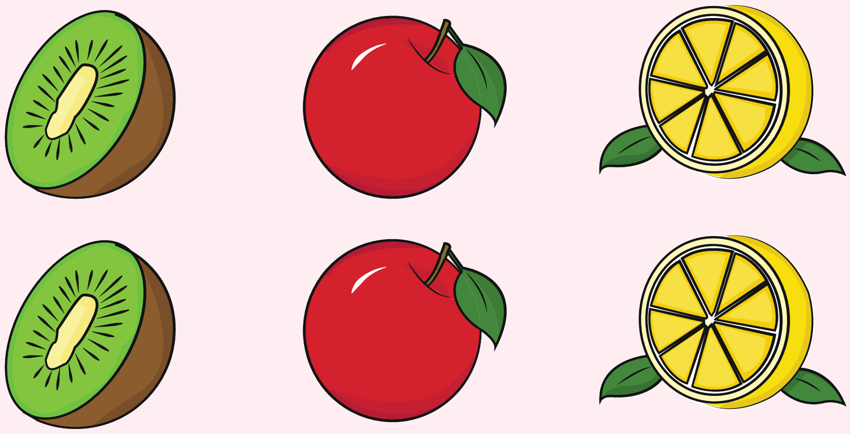

छांटना – ठोस वस्तुओं से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः बच्चे अपने परिवेश में देखकर वस्तुओं में असमानताओं को पहचान पाते हैं।	» राजमा जैसे बड़े दाने और चना दाल जैसे छोटे दाने। » फूल और पत्ते » छोटे पत्थर और बड़े पत्थर	1. एक कटोरी में दो अलग–अलग वस्तुओं को मिलाएं जैसे – राजमा और चना दाल मिलाएं। 2. बच्चे को राजमा और चना दाल अलग करने के लिए कहें।

छांटना – चित्रों से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: बच्चे अपने परिवेश में दिखने वाले पशु–पक्षी, फल–सब्ज़ी और यातायात के साधनों में असमानताओं को पहचान पाते हैं।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – **दो अलग-अलग थीम के फ्लैश कार्ड जैसे – पशु और पक्षी, फल और सब्ज़ी, वाहन और पशु आदि**	1. बच्चे के सामने दो अलग–अलग थीम के चित्र मिलाकर रखें, जैसे – पशु और पक्षी के चित्र। 2. बच्चे को पशु और पक्षी के चित्र अलग करने के लिए कहें।
	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – **दो अलग-अलग थीम के चित्र कार्ड**	

क्या गायब है – ठोस वस्तुओं से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: अवलोकन और स्मरण करने की क्षमता बढ़ना	रोज़ााना दिखने वाली वस्तु जैसे– पेंसिल, रबर, कटर, ताला, चम्मच आदि	1. बच्चे के सामने सभी वस्तुओं को रखें और उन्हें एक–एक करके वस्तुओं को पहचानने के लिए कहें। 2. बच्चे को सभी वस्तुओ को अच्छी तरक से देखने के लिए कहें। 3. उसे आंख बंद करने के लिए कहें और एक वस्तु हटाएं। 4. बच्चे को आंख खोलकर गायब वस्तु को पहचानने के लिए कहें।

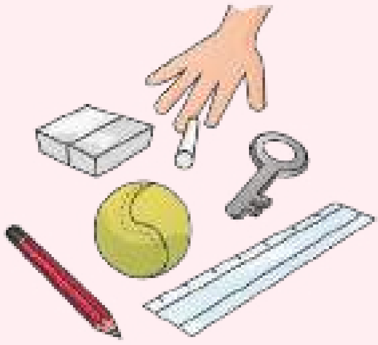

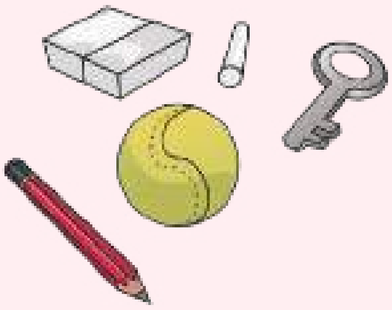

क्या गायब है – चित्रों से – पहला स्तर

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: अवलोकन और स्मरण करने की क्षमता बढ़ना	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – **दो अलग-अलग 05-06 फलैश कार्ड जैसे – पशु, पक्षी, फल, सब्ज़ी और वाहन आदि**	1. बच्चे के सामने सभी चित्रों को रखें और उन्हें एक–एक करके चित्र को पहचानने के लिए कहें। 2. बच्चे से सभी चित्रों को अच्छी तरक से देखने के लिए कहें। 3. उसे आंख बंद करने के लिए कहें और एक चित्र हटाएं। 4. बच्चे को आंख खोलकर गायब चित्र को पहचानने के लिए कहें।
	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – **दो अलग-अलग थीम के 05-06 चित्र कार्ड**	

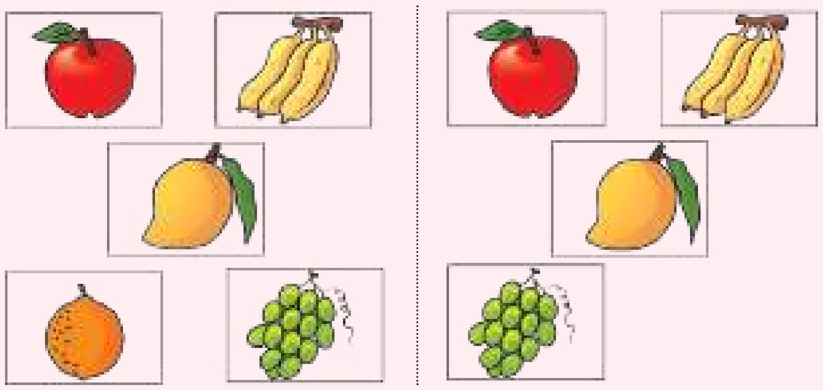

क्या गायब है – चित्रों से – दूसरा स्तर

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: अवलोकन और स्मरण करने की क्षमता बढ़ना	चित्र कार्ड – दो समान चित्र होंगे, लेकिन एक चित्र में उस वस्तु का कोई भाग गायब रहेगा जैसे – जग का हैंडल, कुत्ते की पूंछ आदि।	1. बच्चे के सामने दोनों चित्र रखें। 2. जिस चित्र में कोई भाग गायब है, बच्चे से पूछें क्या गायब है।

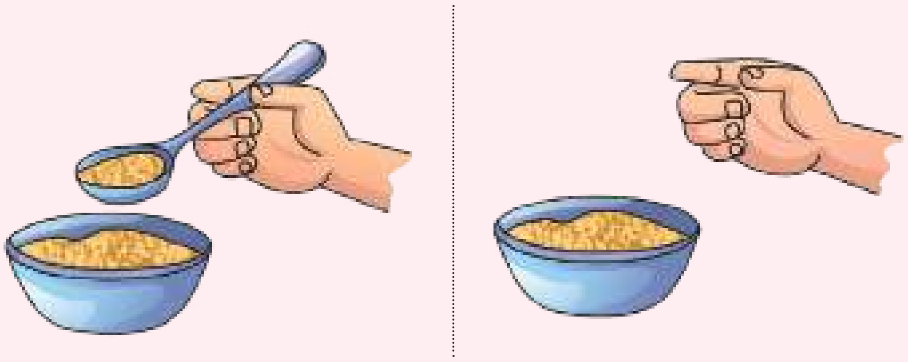

6B.6 क्रमबद्धता

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चे अपने परिवेश में दिखने वाले वस्तुओं की तुलना माप, परिमाण और स्थान के आधार कर पाते हैं तथा क्रमबद्ध तरीके से सजा पाते हैं जैसे – कम से ज्यादा, छोटे से बड़ा, दूर से पास आदि।	1. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दी गई गतिविधि के अनुसार करें। 2. माप, परिमाण और स्थान के आधार पर 05 स्तर तक क्रमबद्ध तरीके से सजाने की गतिविधि की प्रक्रिया एक समान हैं।

क्रमबद्धता – दूसरा स्तर – 03 माप और 05 माप तक

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः माप, परिमाण और स्थान के आधार पर 05 स्तर तक क्रमबद्ध तरीके से सजा पाना।	05 स्तर तक अलग–अलग माप, परिमाण और स्थान के चित्र कार्ड। टी.एल.एम. पृष्ठ संख्या 24	1. बच्चे को पहले कैलेण्डर में दी गई अवधारणा के आधार पर 03 स्तर तक के चित्र कार्ड क्रमबद्ध तरीके से सजाने के लिए कहें। 2. यदि बच्चा यह कर पाए, उसे 05 स्तर तक के चित्र कार्ड क्रमबद्ध तरीके से सजाने के लिए कहें।

6B.7 चरणबद्धता

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चे परिवेश में दिखने वाले परिवर्तन या किसी घटना का विवरण चरणबद्ध तरीके से बोल पाते हैं।	1. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दी गई क्रिया या घटना पर ही गतिविधि करें।

चरणबद्धता – चित्रों से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: चित्रों को चरणबद्ध तरीके से सजा पाना।	**किसी क्रिया/घटना के 05 चरण तक चित्र कार्ड** – जैसे बाल्टी में पानी भरना, बीज से अंकुर होना आदि। टी.एल.एम. पृष्ठ संख्या 24	1. कैलेण्डर में दी गई क्रिया/घटना पर बच्चे के साथ चर्चा करें। 2. अब उस क्रिया या घटना से संबंधित चित्र कार्ड मिलाकर बच्चे को दें और उसे चरण अनुसार सजाने के लिए कहें।

6B.8 आवाज़ पहचानना

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चों अपने परिवेश में विभिन्न आवाज़ों के आधार पर समानताओं और असमानताओं को पहचान पाते हैं।	1. कैलेण्डर में दिए गए विशिष्ट दिन पर यह गतिविधि कराए।

मिलान – तीन समान आवाज़ों के जोड़े

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: एक समान आवाज़ों को पहचान पाना	» तीन अलग–अलग ध्वनियों के डिब्बों के जोड़े – पत्थर, छोटे चने और बालू से भरे हुएं डिब्बों के जोड़े	1. सभी जोड़ों को अव्यवस्थित रूप में मिलाकर बच्चे के सामने रखें। 2. बच्चे से कहें एक–एक करके सभी डिब्बों को कान के पास ले जाकर हिलाएं और एक समान आवाज़ वाले डिब्बों को एक साथ रखें।

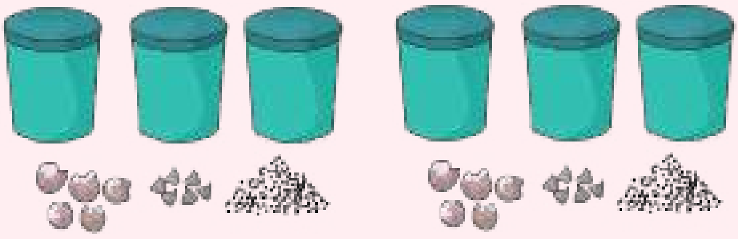

क्रमबद्धता – ज़ोर से हल्की आवाज़

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: ज़ोर से हल्की आवाज़ के क्रम में सजा पाना।	» तीन ध्वनि डिब्बे » पत्थर, छोटे चने और बालू से भरे हुए	1. बच्चे को एक–एक करके तीनों डिब्बों को कान के पास ले जाकर हिलाने के लिए कहें। 2. बच्चे से ज़ोर से हल्की आवाज़ के क्रम में डिब्बों को सजाने के लिए कहें।

6B.9 स्वाद पहचानना

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चों विभिन्न पकवानों/खाने की चीज़ों में अलग–अलग स्वादों को पहचान पाते हैं।	1. कैलेण्डर में दिए गए विशिष्ट दिन पर यह गतिविधि कराएं। 2. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दिए गए स्वाद के अनुसार ही गतिविधि करें।

मिलान – खट्टा, नमकीन और मीठा

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: एक समान स्वाद को पहचान पाना	» समरूप गिलास में नींबू, नमक और चीनी से घुले हुएं पानी के दो जोड़े » एक चम्मच	1. तीनों जोड़ों को अव्यवस्थित रूप में मिलाकर बच्चे के सामने रखें। 2. बच्चे से कहें कि एक–एक करके सभी गिलास में पानी को चखें और एक समान स्वाद वाले गिलास को एक साथ रखें।

6B.10 गंध पहचानना

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चे विभिन्न गंधों के आधार पर अपने परिवेश का विवरण दे पाते हैं।	1. कैलेण्डर में दिए गए विशिष्ट दिन पर यह गतिविधि कराएं। 2. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दी गई गंध के अनुसार ही गतिविधि करें।

मिलान – दो–तीन गंध से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: एक समान गंध को पहचान पाना	» दो–तीन अलग–अलग गंध के समरूप कटोरियों में जोड़े	1. बच्चे को आंख बंद करने के लिए कहें। 2. सभी जोड़ों को अव्यवस्थित रूप में मिलाकर बच्चे के सामने रखें। 3. बच्चे को सूंघकर एक समान गंध वाली कटोरियों को पहचानने के लिए कहें।

6B.11 चिकने–खुरदुरे को पहचानना

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चे विभिन्न वस्तुओं की सतह के बीच में अंतर कर पाते हैं।	1. कैलेण्डर में दिए गए विशिष्ट दिन पर यह गतिविधि कराएं। 2. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दिए गए चरण के अनुसार ही गतिविधि करें।

चिकने–खुरदुरे को पहचानना – स्पर्श बोर्ड से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: वस्तुओं के चिकने–खुरदुरे सतह को पहचान पाते हैं	स्पर्श बोर्ड – रेगमार और चार्ट पेपर	1. बच्चे को पहले रेगमार की पट्टी पर ऊंगली चलाने के लिए कहें और उससे पूछें कि छूने में कैसा महसूस हो रहा है। 2. बच्चे को चार्ट पेपर की पट्टी पर ऊंगली चलाने के लिए कहें और उससे पूछें कि छूने में कैसा महसूस हो रहा है। 3. उसे चिकने और खुरदुरे शब्द से परिचित कराएं।

छांटना – वस्तुओं से

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः वस्तुओं में चिकनी–खुरदुरी सतह के आधार पर असमानता को पहचान पाते हैं	अलग–अलग सतह वाले रोज़ाना दिखने वाली सामान्य वस्तुओं से	1. बच्चे के सामने एकत्रित की गई वस्तुओं को रखें। 2. बच्चे को चिकनी वस्तुओं और खुरदुरी वस्तुओं को अलग करने के लिए कहें।

तीसरे चक्र का समय

7

समय अवधि – 30 मिनट

ग्रीष्म कालीन – 9:45–10:15

शीत कालीन – 10:45–11:15

यह सत्र बच्चों के बडी मांसपेशियों के विकास हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अतः इस सत्र में, ऐसे खेल खिलाने चाहिऍं, जिसमें बच्चों के पूरे शरीर का प्रयोग हो। इस सत्र के समय कार्यकत्री को यह ध्यान रखना है कि -

1. खेल केंद्र में उपलब्ध स्थान के अनुसार उपयुक्त हैं।
2. खेल बच्चों की उम्र के लिए उपयुक्त हैं और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं हैं।
3. खेल के दौरान गतिविधियां सभी बच्चों को किसी न किसी प्रकार से शामिल कर रही है।

7.1 रस्सी पर चलना

1. पहले रस्सी को एक सीधी लाइन में ज़मीन पर बिछाएं।
2. फिर बच्चों को एक कतार में खड़ा करके उन्हें कहें कि वह जैसा कर रही हैं बच्चे भी वैसा ही करें।
3. जब बच्चे उनके पीछे-पीछे रस्सी पर चल लेंगे, उन्हें वापस अपनी जगह पर खड़े होने के लिए बोलेंगे।

U7Z4K2

4. फिर रस्सी को टेढ़ी-मेढ़ी लाइन में बिछाएं और बच्चों को पहले कि तरह फिर से रस्सी पर चलने के लिए कहें।

5. जब सारे बच्चे रस्सी पर चल लेंगे, फिर रस्सी से छोटे-छोटे गोले बनाएं और बच्चों को उनमें कूदते हुए आगे बढ़ने के लिए कहें। छोटे बच्चों के लिए उन्हें ध्यान देना है कि गोलों की बीच कि दूरी बहुत ज्यादा न हो।

6. अगर इन गतिविधियों के लिए रस्सी न हो तो चॉक से ज़मीन पर लकीर खींच के भी कर इन गतिविधियों को करवा सकती हैं।

7.2 रस्सी के ऊपर से कूदना और नीचे से चलना

1. दो बच्चों को एक दूसरे से थोड़ी दूरी बनाते हुए आमने-सामने खड़े होने के लिए कहें।

2. फिर रस्सी के एक-एक ओर दोनों बच्चों को दें और उन्हें रस्सी को ज़मीन से थोड़ी ही ऊंचाई पर पकड़ने के लिए कहें।

3. अब वह अन्य बच्चों को एक-एक करके **रस्सी के ऊपर से कूदने** के लिए कहें।

4. धीरे-धीरे खेल के स्तर को कठिन बनाने हेतु, दोनों बच्चों को ज़मीन से रस्सी की दूरी बढ़ते हुए, रस्सी को ऊपर उठाने के लिए कहें और अन्य बच्चों को रस्सी के ऊपर से कूदने के लिए कहें।

5. इसी प्रकार **रस्सी के नीचे से जाने** का खेल आयोजित कर सकती हैं। कठिनाई का स्तर बढ़ाने के लिए बच्चों को रस्सी और ज़मीन के बीच की दूरी कम करने के लिए कहें।

7.3 गेंद का खेल

1. बच्चों को एक लाइन/गोले में खड़ा होने के लिए कहें और उन्हें निर्देश दें कि वे अपने बाएं/दाएं तरफ खड़े साथी को दोनों हाथों से गेंद दें।
2. इस प्रकार बच्चे तब तक अपने साथी को गेंद देंगे, जब तक सभी को गेंद पास करने का अवसर न मिल जाएं।

3. फिर बच्चों से अपने पीछे खड़े बच्चे को अपने सिर के ऊपर से गेंद पास करने के लिए कहें। इसी प्रकार लाइन/गोले में खड़े सभी बच्चों को गेंद अपने सिर के ऊपर से पास करने का अवसर मिलना चाहिए। इसके लिए छोटे बच्चों को विशेष ध्यान की ज़रुरत होगी।

4. फिर बच्चों से अपने पीछे खड़े बच्चे को अपने पैरों के बीच से गेंद पास करेंगी। इसी प्रकार लाइन/गोले में खड़े सभी बच्चों को गेंद पास करने का अवसर मिलना चाहिए। इसके लिए छोटे बच्चों को विशेष ध्यान की ज़रुरत होगी।

7.4 मेंढक दौड़

1. पर्याप्त दूरी बनाते हुए ज़मीन पर दो लाइन बनाएं।
2. अब बच्चों को ज़मीन पर बनी हुई एक लाइन पर एक कतार में खड़े होने के लिए कहें।
3. खुद दूसरी लाइन पर खड़ी होकर बच्चे से कहें मेंढक की तरह कूदते हुए आपनी ओर दौड लगाने के लिए कहेंगी।

7.5 हम बाज़ार जाएंगें

1. बच्चों को गोले में खड़ा कर एक के पीछे एक दौड़ने के लिए कहें।
2. बच्चे जब दौड़ रहे हों, बोलें - हम बाज़ार जाएंगे और बच्चे कहेंगे - ढेर जलेबी खाएंगे।
3. फिर एक संख्या बोलें, जैसे - 2 या 5 और बच्चों को उतने संख्या का दल बनाना होगा।

7.6 दीदी–दीदी किसकी चाल

1. बच्चों को एक लाइन में खड़े होने के लिए कहेंगी और खुद बच्चों के सामने खड़ी हो जाएं।
2. फिर बच्चे पूछेंगे - दीदी-दीदी किसकी चाल? और आप जिस पशु या पक्षी का नाम लेंगी, बच्चे उसकी चाल की नकल करते हुए आगे बढ़ेंगे।

7.7 फलों का सलाद

1. बच्चों को एक गोले में खड़े होने के लिए कहेंगी और बच्चों की संख्या अनुसार दो या 4 बच्चों को एक फल का नाम दें।
2. फिर बच्चों को निर्देश दें कि जिस फल का आप नाम बोलें, बस उसी फल के बच्चे अपने जगह बदलेंगे।
3. अगर आप फलों का सलाद बोले तो सभी बच्चे अपनी जगह बदलेंगे।

7.8 सुरंग का खेल

1. एक समान लम्बाई के बच्चों के 07-08 जोड़े बनाएंगी और उन्हें एक लाइन में खड़े होने के लिए कहें।
2. जोड़े में खड़े बच्चों को एक दूसरे की ओर मुड़कर खड़े होने के लिए कहें।
3. फिर उन बच्चों को एक टनल बनाने हेतु एक दूसरे के हाथों को जोड़ने के लिए कहें।
4. अब अन्य बच्चों को टनल के नीचे से एक-एक करके जाने के लिए कहें।
5. खेल के कठिनाई के स्तर को बढ़ाने के लिए टनल बनाकर खड़े बच्चों को, धीरे-धीरे टनल की ऊंचाई कम करने के लिए कहें।

7.9 हॉपस्कोच

1. बाएं ओर दिए गए चित्र के समान मेज़ पर चॉक से 10 चौकोर बानाएं और 01 से 10 तक संख्या लिखें।
2. बच्चे को एक छोटा पत्थर दें और उसे पहले चौकोर में फेंकने के लिए कहें।
3. अब उसे एक पैर पर कूदते हुए पहले चौकोर को छोड़कर, दूसरे चौकोर पर जाने के लिए कहें और उसी प्रकार आगे बढ़ने के लिए कहें।

4. जहाँ पर चौकोर जोड़े में बने हैं, वहाँ बच्चे को दोनो पैरों से इस प्रकार कूदने के लिए कहें कि एक पैर दाएं चौकोर में और एक पैर बाएं चौकोर में हो।
5. आखिरी यानि दसवें चौकोर पर बच्चे को दोनो पैर से कूदकर पलटने के लिए कहें।
6. अब उसे पहले चौकोर तक कूदते हुए वापस आने के लिए कहें।

7. जब बच्चा पहले चौकोर तक पहुँच जाए, तब उसे पत्थर उठाते हुए अगले बच्चे को देने के लिए कहें।

7.10 टायर रेस

1. दो से तीन पतले ट्यूब वाले टायर और तीन छोटी मज़बूत लकड़ी के टुकड़े ले।
2. ज़मीन पर दो पंक्ति इस प्रकार खींचे कि उनमें कम से कम 24 फिट की दूरी हैं।
3. अब तीन बच्चों को एक-एक टायर और लकड़ी का सेट देते हुए उन्हें नियम समझाएं।

4. बच्चों को एक पंक्ति शुरू करते हुए टायर को लकड़ी से चलाकर दूसरे पंक्ति तक ले जाने के लिए कहें।
5. जो बच्चा टायर को लकड़ी से चलाते हुए सबसे पहले दूसरी पंक्ति तक पहुँचेगा, वह रेस जीतेगा।

7.11 तीन पैरों की रेस

1. ज़मीन पर दो पंक्ति इस प्रकार खींचें कि उनमें कम से कम 24 फिट की दूरी हैं।
2. दो-दो बच्चों के जोड़े बनाए।
3. जोड़े में एक बच्चे का दाएं पैर और दूसरे बच्चे का बाएं पैर इस प्रकार साथ बांधे कि वह बंधे हुए पैरों पर नियंत्रण करते हुए दौर लगाए।
4. अब प्रत्येक जोड़े को निर्देश दें कि उन्हें पहली पंक्ति से दूसरी पंक्ति तक दौरना हैं।
5. जो जोड़ी सबसे पहले दूसरी पंक्ति तक पहुँचेगी, वही जोड़ी जीतेगी।

7.12 तीन पैरों की रेस

1. बच्चों को गोल घेरे में खड़ा करें।
2. अब बच्चों को क्रम से ये चार शब्द पापा-मम्मी , दादा-दादी अपने नाम की तरह बारी-बारी से बोलने के लिए और याद रखने के लिए कहें।
3. खेल के नियम बताएं: इस खेल को खेलते समय पापा-मम्मी-दादा-दादी में से जब भी कोई

एक शब्द बोला जाए तो उस नाम वाले को जगह बदलनी है और अपने जोड़े का ध्यान रखना है। जैसे पापा-मम्मी और दादा-दादी एक साथ होंगे।

4. जगह बदलने के बाद हर राउंड में किसी ना किसी बच्चे को अवसर दें कि वो अपने दादा, दादी, पापा या मम्मी के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करें जैसे -

5. खेल के बाद पापा-मम्मी-दादा-दादी से बच्चों के रिश्ते पर चर्चा करें।
   - सोने जाने से पहले नाना क्या करते थे?
   - आपने आखरि बार नानी के साथ कौन सा खेल खेला था?
   - आपकी नानी के साथ आपको कौन सा खेल खेलना पसंद हैं?
   - आपकी मम्मी की कौन सी बात आपको बहुत पसंद है?
   - आपके पापा को सबसे ज्यादा क्या अच्छा लगता है?
   - आप अपने पापा के साथ कौन-कौन से काम करते हो?

6. इस चर्चा के माध्यम से बच्चों को परिवार के सदस्यों के साथ जुड़ाव महसूस करने का अवसर दें।

7.13 बताएं कि शरीर क्या–क्या और कैसे महसूस करता है

1. खेल के लिए पुराने अखबार के पन्नों को जोड़कर एक बड़ा पन्ना बनाएं।
2. किसी भी बच्चे को इस पर लेटने के लिए कहें और उनकी आज्ञा लेकर एक रंग से उनके शरीर की रूपरेखा बनाएं।
3. अब एक-एक कर शरीर के अलग अलग अंगों में कब, कैसा और क्या महसूस होता है, इस पर बातचीत करें।
4. बच्चों द्वारा बताए शब्दों को छोटे-छोटे कागजों के टुकड़ों पर लिख कर शरीर के रूपरेखा पर लगाएं।
5. इस तरह के शब्दों और एहसासों पर बातचीत करें और बच्चों की शब्दावली को बढ़ाएं।
6. जैसे- पैरों में थरथराहट, पेट में गुड़गुड़, हाथों में झनझनाहट, दिल का बैठ जाना, हाथों में पसीना, कन्धों का भारी महसूस होना, दिल का जोर-जोर से धड़कना, कान गर्म होना, उँगलियाँ का काँपना, मुँह का सूखना आदि।

7.14 अपनी आज की खोज/सीख बताएं

1. बच्चे को हर दिन, उसके द्वारा सीखी गई कोई एक नई चीज/कला/बात/खोज को साझा करने को कहें।
2. आंगनवाड़ी केंद्र में एक कोना बनाएं जहां बच्चे अपनी नई खोज/सीख को चित्रित कर सकें। इस कोने में दीवार पर चार्ट- पेपर लगाएं और रंग, पिन आदि रखें।
3. बच्चों को हर दिन अपनी नई खोज/सीख को यहाँ पर चित्रित करने को कहें।
4. उनकी खोज/सीख पर चर्चा करें और उनकी सराहना करें।

7.15 अपने प्रियजनों के बारे में बताएं

1. खेल के लिए पहले से ही एक या दो डिब्बे लें और डिब्बे के छह छोरों पर अन्य व्यक्तियों/रिश्तों का नाम लिखें. जैसे- दोस्त, माँ, पिता, भाई, बहन, आंगवाड़ी कार्यकत्री, दादी, मामा आदि।
2. सभी बच्चों को एक गोले में खड़ा करें और एक-एक कर डिब्बे को उछालने को कहें।
3. डिब्बे के ऊपरी छोर पर लिखे रिश्ते के बारे में बच्चे से कुछ बताने को कहें। आप इस तरह के संकेत देकर चर्चा को मजेदार बना सकते हैं -
   - इनका नाम क्या है?
   - यह आपके कौन लगते हैं?
   - इनके साथ आप कितना वक्त बिताते हैं?
   - इनके साथ मिलकर आप क्या-क्या करते हैं?

7.16 मेरी बारी, तेरी बारी

1. बच्चों के साथ गोल घेरे में बैठ जाएं।
2. एक गेंद हाथ मे लें।
3. सभी बच्चों को तैयार रहने को कहें कि गेंद कभी भी आपकी तरफ आ सकती है।
4. जिस बच्चे के पास गेंद आएगी वे किसी दूसरे बच्चे को गेंद देंगे।
5. किसी एक बच्चे का नामे लें लेकिन गेंद किसी दूसरे बच्चे को दे दें।

6. जब गेंद वापस आपके हाथ में आए तो कुछ देर तक किसी को भी गेंद न दें और कुछ भी न कहें।

7. इस खेल के बाद चर्चा करेंगे-
   - जब आपकी तरफ गेंद आ रही तो कैसा लगा रहा था?
   - जब गेंद आपके हाथ से गिर गई तो कैसा लगा रहा था?
   - जब आपका नाम लेकर गेंद किसी दूसरे को दे दी तो आपको कैसा लगा। (दोनों बच्चों से पूछे)
   - जब बहुत देर तक मैंने गेंद किसी को नहीं दी तो आपको कैसा लगा।

8. इस गतिविधि के माध्यम से बच्चे दबाव के समय स्व-नियंत्रण करना सीखेंगे।

7.17 मेरी ताली का पैटर्न दोहराएं

1. बच्चों को एक घेरे में खड़ा करें और आपके द्वारा बजाई गई ताली के पैटर्न को ध्यान से सुनने को कहें।
2. जैसे- एक धीमी ताली ताली फिर दो तेज ताली या फिर दो तेज ताली-दो धीमी और फिर दो बहुत धीमी।
3. बच्चों को यह पैटर्न ध्यान से सुनने और दोहराने के लिए कहें।
4. इसी तरह, बच्चों को भी तालियों का पैटर्न बनाने के लिए आमंत्रित करें और बाकी के बच्चों को ध्यान से सुनकर दोहराने के लिए कहें।

7.18 छवि पहचानें

1. इस खेल के लिए सभी बच्चों को दो की जोड़ी में बांटे और एक खुले मैदान में ले जाएं।
2. बच्चों को अपनी अपनी जोड़ी में, एक दूसरे की धूप से बन रही छवि (परछाई) को जमीन पर, चॉक या डंडी से, जमीन पर रेखांकित करने को कहें।
3. बच्चे अलग-अलग मुद्रा में खड़े होकर अपनी छवि (परछाई) को दूसरे बच्चे द्वारा रेखांकित करवा सकते हैं।
4. जब सभी की छवि बन जाए तो बच्चों को क्रम से एक दूसरे कि छवि (परछाई) पहचानने के लिए कहें और साथ ही पहचान के संकेतों के बारे में पूछें।

7.19 टाइमर बोतल बनाएं

1. इस खेल के लिए सभी बच्चों को प्लास्टिक की बोतल, पानी और घर-आंगनवाड़ी में उपलब्ध चीजें जैसे चमकीली, पथर, रेत, पत्तियाँ, बटन, सितारे, रंग के टुकड़े आदि इक्ट्ठा करने को कहें।

2. बच्चों को अपनी अपनी टाइमर बोतल बनाने के लिए उत्साहित करें।

3. बोतल में पानी के साथ रंग और अन्य चीजें डालकर वे इसे बना सकते हैं और फिर बोतल के ढक्कन को कस कर बंद करने में और हर बोतल पर बच्चे का नाम लिखने में मदद करें।

4. बच्चों को इस टाइमर बोतल को अच्छे से हिलाकर देखने को कहें और फिर पानी में अन्य चीजों को धीरे-धीरे स्थिर होते हुए देखने को कहें।

5. बच्चों को इस टाइमर का उपयोग कर के अलग-अलग गतिविधियों में शांत होने के लिए या फिर अपनी बारी का इंतजार करने के लिए उपयोग करने को कहें।

6. टाइम उपयोग करने के लिए, उसे अच्छे से हिलाने के बाद से ले कर जब तक अंदर की चीजें स्थिर न हों तब तक देख कर रुकने के लिए और शांत होने के लिए प्रोत्साहित करें।

7.20 छुट्टी पर जाने की कल्पना करें

1. इस खेल के लिए सभी को एक चक्र में बैठाएं और अपने हाथ में एक गेंद पकड़ें।

2. बच्चों को आँखें बंद कर एक छुट्टी पर जाने की तैयारी करने की कल्पना करने के लिए कहें।

3. एक सवाल करें और गेंद को बच्चों को पास करते हुए दें और हर बच्चे को उस सवाल का जवाब तब देने को कहें जब गेंद उनके हाथ में वापस न आ जाये।

4. आप इस तरह के सवाल पूछ सकते हैं और बारी-बारी गेंद पास करते हुए, चक्र में सबको अपनी पसंद का जवाब देने को कह सकते हैं-
   - आप छुट्टी पर कहाँ जाना चाहेंगे ?
   - आप अपने साथ किस-किस को लेकर जाना चाहेंगे?
   - आप कितने दिनों के लिए जाना चाहेंगे?
   - अपने साथ सूटकेस में क्या-क्या ले कर जाना चाहेंगे?
   - आप वहाँ क्या-क्या करना चाहेंगे? आदि।

5. गेंद को आप तक वापस पहुँचने के बाद ही जवाब देने के लिए, बच्चों को प्रेरित करें और धीरे-धीरे कल्पना करते हुए ही पूरी छुट्टी की योजना में बच्चों को शामिल करें।

7.21 मकान बनाओ

1. बच्चों को गोल घेरे में बैठने को कहें।
2. एक बाल गीत गाएं।
3. उनको बतायें कि आज आप सभी को आँगनवाड़ी में अपना-अपना मकान बनाना है, इसके लिए आपको मकान बनाने वाला बनना है।
4. मकान बनाने के लिए सभी को दो न्यूज पेपर,पाँच कागज, तीन डंडी, चार प्लास्टिक ब्लॉक्स और एक धागे की रील जैसे सामान दें।
5. अब बच्चों को अपनी पसंद के अनुसार मकान बनाने दें।
6. बच्चों को बार-बार प्रोत्साहित करते रहें।
7. अंत मे चर्चा करें:
   - गतिविधि कैसी लगी
   - क्या सबसे अच्छा लगा
   - आपको मकान बनाने वाला बनकर कैसा लग रहा था?
   - आप सबसे ऊँचा मकान कैसे बना पाए?
8. इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों के आत्मविश्वास का विकास होगा, बच्चे खुलकर अपनी योग्यता दिखा पाएंगे।

7.22 आओ अभिनय करके दिखाएं

1. बच्चों को गोल घेरे में बैठने को कहें।
2. अब उनके सामने कुछ सामान रखें जैसे छड़ी, चादर, दुप्पटा, चश्मा, चप्पल, रुमाल, घड़ी।
3. हर बच्चे को एक सामान लेने को कहें।
4. जो सामान लिया है उससे क्या-क्या कर सकते होद्य बच्चे को अभिनय के माध्यम से बताने को कहें।

5. एक उदाहरण आँगनवाड़ी कार्यकत्री करके बताएंगी जैसे छड़ी लेकर चलना, छड़ी से गाय भागाना, छड़ी से रास्ता रोकना, छड़ी से पहल तोड़ना और छड़ी से सामान उतारना आदि।

6. सभी बच्चों को गतिविधि मे भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

7. बच्चों को सहज करने मे मदद करें।

7.23 कैसे निकलें– कठिन स्थिति से बाहर

1. बच्चों को हाथ पकड़कर गोला बनाने को कहें- उन्हें चार समूहों मे बाँट दें।

2. उन्हें एक परिस्थिति दें जैसे: आपकी बहुत सुंदर टोपी जो आपको पसंद है, आज खो गई है...... आप रोते हुए घर आए, आपकी मम्मी ने कहा कोई बात नहीं, पापा ने मनाया, दादी ने आपको प्यार किया, दादा घुमाने ले गए।

3. अब बच्चों को अलग-अलग किरदार दें और अभिनय करने को कहें।

4. अभिनय के बाद बच्चों को इस प्रकार के अनुभव बताने को कहें। जब उनकी कोई चीज खोई हो तो उन्होंने क्या किया, किससे बात की? आदि।

7.24 परिस्थिति बदलें

1. बच्चों से बात करें कि अलग-अलग परिस्थिति में व्यवहार और भावनाओं पर काबू पाना जरूरी होता है।

2. बच्चों को बताएं कि हम एक खेल खेलेंगे- जिसमें आपको घंटी की आवाज सुनकर उसके साथ जो अभिनय बताया जाए वह करना है - अगर एक बार घंटी बजे तो आप सभी को "डांस करना है", अगर दो बार घंटी बजे तो आप सभी को "कूदना है" और तीन बार घंटी बजे तो "आपको धीरे-धीरे चलना है" और जैसे ही घंटी बंद हो रुक जाना है।

8

चौथे चक्र का समय

इस सत्र में दो प्रकार की गतिविधियां हैं:-

1. प्राथमिक विद्यालय के तैयारी हेतु संबंधित गतिविधियां - अक्षर और संख्या ज्ञान

2. रचनात्मक गतिविधियां- इस सत्र केसंचालन के लिए बच्चों को पहले आयु वर्ग अनुसार, दो समूहों में बाँटना हैं। 03-05 वर्ष और 05-06 वर्ष, इसके बाद वार्षिक गतिविधि- कैलेण्डर में बच्चों के आयु वर्ग अनुसार, दिए गए गतिविधि को ही संचालित करना है ।

गतिविधि	3-4 वर्ष	4-5 वर्ष	5-6 वर्ष
रचनात्मक कार्य	सोमवार, बृहस्पतिवार	सोमवार, बृहस्पतिवार	शुक्रवार
विद्यालय की तैयारी	बुधवार, शनिवार	बुधवार, शनिवार	सोमवार, बृहस्पतिवार
गतिविधि पुस्तिका	शुक्रवार	शुक्रवार	बुधवार, शनिवार

8.1 विद्यालय कि तैयारी

इस सत्र में बच्चों के आयु वर्ग अनुसार प्रारम्भिक भाषा और संख्या सम्बंधित गतिविधियां कराई जाएगी। इसके साथ- साथ बच्चों द्वारा वार्षिक गतिविधि कैलेण्डर के अनुसार गतिविधि पुस्तिका के कार्य कराएं जाएंगें।

T3M8F1

8A
03–05 वर्ष आयु वर्ग

8A.1 हिंदी: ध्वनियों की पहचान

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
1. विभिन्न ध्वनियों से शब्दों के निर्माण को पहचान पाते हैं। 2. शब्दों के लिखित रूप को पहचान पाते हैं।	1. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दिए गए ध्वनि पर ही गतिविधि करें। 2. यदि कैलेण्डर में ''म'' के ध्वनि का उल्लेख हैं, तो ''म'' से शुरू अथवा समाप्त होने वाले चित्र या ठोस वस्तुओं का ही प्रयोग करें।

पहली ध्वनि को पहचानना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: रोज़ाना प्रयोग किए जाने वाले शब्दों में पहली ध्वनियों को पहचानना। लक्षित ध्वनियां – म, क, च, ब, प, स, ल, व, त, र, न	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध हैं – **चित्र/फ्लैश कार्ड** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं हैं – **रोज़ाना प्रयोग की जाने वाली ठोस वस्तु**	1. बच्चे को एक चित्र कार्ड/वस्तु दिखाएं और चित्र/वस्तु पहचानने के लिए कहें। 2. अब उसे उस शब्द की पहली ध्वनि को पहचानने के लिए कहें। **उदाहरण** - बच्चे को कमल का चित्र दिखाएं और पूछें –''जब मैं कमल बोलती हूं, तो इस शब्द की पहली ध्वनि क्या है?''

चित्रों को छांटना: पहली ध्वनि के आधार पर

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: परिचित ध्वनियों के बीच में अंतर कर पाना। लक्षित ध्वनियां – म, क, च, ब, प, स, ल, व, त, र, न	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – **चित्र/फ्लैश कार्ड** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – **रोज़ाना प्रयोग की जाने वाली ठोस वस्तु**	1. विभिन्न ध्वनियों से शुरू होने वाले 05–06 चित्रों/वस्तुओं को मिलाकर बच्चे के सामने रखें। 2. अब उसे एक विशिष्ट ध्वनि बताते हुए, उस ध्वनि से शुरू होने वाले चित्रों/वस्तुओं को अलग करने के लिए कहें। **उदाहरण** - बच्चे को 'म' से शुरू होने वाले चित्रों/वस्तुओं को छांटने के लिए कहें।

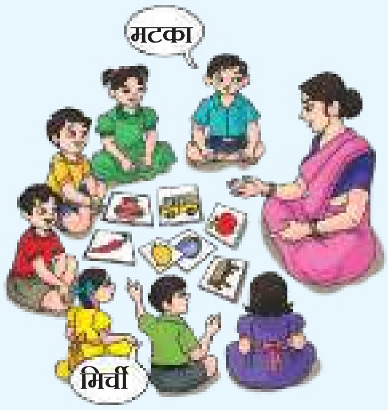

एक समान ध्वनि से शब्द बनाना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: परिचित ध्वनियों से शुरू होने वाले अन्य शब्दों को बोल पाना। लक्षित ध्वनियां – म, क, च, ब, प, स, ल, व, त, र, न	**सामग्री की आवश्यकता नहीं है।**	1. बच्चों को एक परिचित और विशिष्ट ध्वनि दें और उसे उस ध्वनि से शुरू होने वाले अन्य शब्द बोलने के लिए कहें। **उदाहरण** - बच्चे को **'म'** से शुरू होने वाले अन्य शब्द बोलने के लिए कहें।

ध्वनि के प्रतीक को पहचानना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: परिचित ध्वनियों के प्रतीक को पहचान पाना। लक्षित ध्वनियां – म, क, च, ब, प, स, ल, व, त, र, न	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – **-चित्र/फ्लैश कार्ड** **-हिंदी वर्णमाला के प्लास्टिक के ब्लॉक्स** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – **- ठोस वस्तु** **- हिंदी वर्णमाला के अक्षर कार्ड पृष्ठ संख्या 25**	1. किसी विशिष्ट ध्वनि से शुरू होने वाला चित्र/वस्तु बच्चे के सामने रखें और उस चित्र/वस्तु की पहली ध्वनि को पहचानने के लिए कहें। 2. अब उस ध्वनि का अक्षर ब्लॉक/कार्ड बच्चे को दिखाते हुए उसके प्रतीक से परिचय करवाएं। **उदाहरण** - बच्चे को '**कमल**' का चित्र दिखाएं और पहले ध्वनि को पहचानने के लिए कहें, फिर उसे '**क**' के प्रतीक से परिचय करवाएं।

नाम टैग से पहले ध्वनि को पहचानना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: परिचित ध्वनियों के प्रतीक को पहचान पाना। लक्षित ध्वनियां – म, क, च, ब, प, स, ल, व, त, र, न	केंद्र पर आने वाले बच्चों के नाम टैग	1. विभिन्न ध्वनियों से शुरू होने वाले बच्चों के 07–08 नाम टैग को मिलाकर बच्चे के सामने रखें। 2. अब उसे एक विशिष्ट ध्वनि बताते हुए, उस ध्वनि से शुरू होने नाम को देखकर अलग करने के लिए कहें। **उदाहरण** - बच्चे को 'म' से शुरू होने वाले नाम टैग को छांटने के लिए कहें।

मिस्ट्री बैग: पहली ध्वनि को पहचानना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: परिचित ध्वनियों के प्रतीक को पहचान पाना। लक्षित ध्वनियां – म, क, च, ब, प, स, ल, व, त, र, न	मिस्ट्री बैग – » एक कपड़े का बैग » केंद्र पर या घर पर सरलता से मिलने वाली वस्तु » परिचित ध्वनियों से शुरू होने वाली वस्तु	1. एकत्रित की गई सामग्रियों को कपड़े के बैग में रखें। 2. बच्चे से बैग में से एक वस्तु निकालने के लिए कहें। 3. निकाली गई वस्तु की पहली ध्वनि को पहचानने के लिए कहें।

आखरी ध्वनि को पहचानना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: रोज़ााना प्रयोग किए जाने वाले शब्दों में पहली ध्वनियों को पहचानना। लक्षित ध्वनियां – म, क, च, ब, प, स, ल, व, त, र, न	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – **-चित्र/फ्लैश कार्ड** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – **रोज़ाना प्रयोग की जाने वाले ठोस वस्तु**	1. बच्चे को एक चित्र कार्ड/वस्तु दिखाएं और चित्र/वस्तु पहचानने के लिए कहें। 2. अब उसे उस शब्द की आख़िरी ध्वनि को पहचानने के लिए कहें। **उदाहरण** - बच्चे को कमल का चित्र दिखाएं और पूछें –''जब मैं कमल बोलती हूं, तो इस शब्द की आख़िरी ध्वनि क्या है?''

8A.2 हिंदी: अक्षरों को लिखना

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
हिंदी वर्णमाला की परिचित ध्वनियों के अक्षरों को लिख पाते हैं।	1. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दिए गए अक्षर पर ही गतिविधि करें। 2. यदि कैलेण्डर में "म" के अक्षर का उल्लेख है, तो "म" अक्षर लिखने का ही अभ्यास कराएं। 3. बच्चों को औपचारिक रूप से पढ़ने या लिखने न कहें।

बिंदुओं को जोड़ना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: बच्चों की छोटी मांसपेशियों में नियंत्रण लाना एवं अक्षरों को लिखने की क्षमता विकसित करना।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – **-स्लेट पर बिंदुओं से रचित विभिन्न चित्रों की आकृतियां - जैसे मछली का चित्र** **- स्लेट पर बिंदुओं से रचित परिचित अक्षर** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – **सफेद कागज़ों पर बिंदुओं से रचित विभिन्न चित्रों की आकृतियां - जैसे मछली का चित्र** **- सफेद कागज़ों पर बिंदुओं से रचित परिचित अक्षर**	1. बच्चे को पहले बिंदुओं से रचित एक चित्र दिखाएं और बिंदुओं को जोड़ने के लिए कहें। 2. बच्चे को बिंदुओं से रचित अक्षर दिखाएं और बिंदुओं को जोड़ने के लिए कहें।

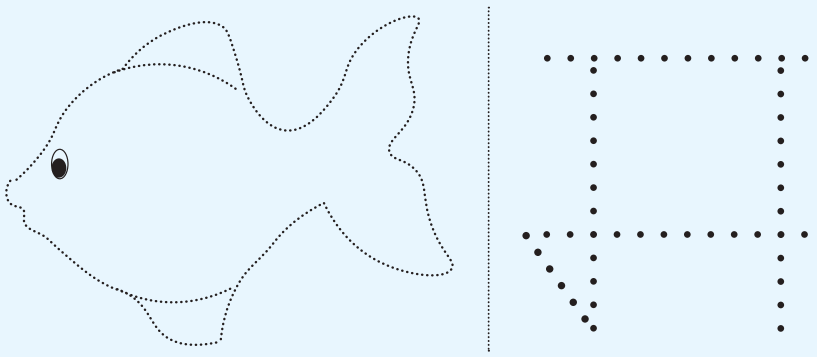

8A.3 अंग्रेज़ी

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बड़े और छोटे अक्षरों अंग्रेज़ी के शब्दों का निर्माण पहचान पाते हैं।	1. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दी गई गतिविधि को ही करें। 2. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन दिए गए अक्षरों पर ही गतिविधि करें। 3. बच्चों को औपचारिक रूप से पढ़ने या लिखने के लिए न कहें।

बड़े अक्षर के प्रतीक को पहचानना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: अंग्रेज़ी के बड़े अक्षरों के प्रतीक को पहचानना।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – **- अंग्रेज़ी के बड़े अक्षरों के प्लास्टिक का सेट** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – **- अंग्रेज़ी के बड़े अक्षरों के अक्षर कार्ड**	1. बच्चे के सामने कैलेण्डर के अनुसार एक–एक करके बड़े अक्षर का प्लास्टिक ब्लॉक/अक्षर कार्ड रखें। 2. बच्चे को अक्षर के प्रतीक से पहचान कराएं। **उदाहरण** - '**A**' का ब्लॉक/अक्षर कार्ड बच्चे के सामने रखें और बताएं कि 'यह '**A**' है।

छोटे अक्षर के प्रतीक को पहचानना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः अंग्रेज़ी के छोटे अक्षरों के प्रतीक को पहचानना।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – **- अंग्रेज़ी के छोटे अक्षरों के प्लास्टिक का सेट**	1. बच्चे के सामने कैलेण्डर के अनुसार एक–एक करके छोटे अक्षर का प्लास्टिक ब्लॉक/अक्षर कार्ड रखें। 2. बच्चे को अक्षर के प्रतीक से पहचान कराएं। **उदाहरण -** बच्चे को '**A**' का ब्लॉक/अक्षर कार्ड बच्चे के सामने रखें और बताएं कि 'यह '**A**' है।
	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – **-अंग्रेज़ी के छोटे अक्षरों के अक्षर कार्ड**	

8A.4 अंग्रेज़ी अक्षरों को लिखना

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
अंग्रेज़ी वर्णमाला के परिचित ध्वनियों को अक्षरों को लिख पाते हैं।	1. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दिए गए अक्षर पर ही गतिविधि करें। 2. यदि कैलेण्डर में ''A'' के अक्षर का उल्लेख है, तो ''A'' अक्षर लिखने का ही अभ्यास कराएं। 3. बच्चों को औपचारिक रूप से पढ़ने या लिखने न कहें।

बिंदुओं को जोड़ना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः बच्चों की छोटे मांसपेशियों में नियंत्रण लाना एवं अंग्रेज़ी अक्षरों को लिखने की क्षमता विकसित करना।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – **स्लेट पर बिंदुओं से रचित अंग्रेज़ी अक्षर** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – **सफेद कागज़ों पर बिंदुओं से रचित अंग्रेज़ी अक्षर**	बच्चे को बिंदुओं से रचित अक्षर दिखाएं और बिंदुओं को जोड़ने के लिए कहें।

8A.5 परिमाण और संख्या की पहचान

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
1. 1 से 09 तक की गिनती कर पाते हैं। 2. 10 से कम तक जोड़ कर पाते हैं।	कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दिए गए परिमाण और संख्या की ही गतिविधि करें।

परिमाण – हाथ, पैर, रस्सी और संख्या से मापना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः परिमाण की समझ विकसित होना	चॉक, रस्सी और लाठी	1. ज़मीन अथवा दीवार पर, चॉक से एक लकीर खीचें। 2. बच्चे को हाथ से लकीर को मापना सिखाएं। मापने के लिए, कोहनी से हाथ की सबसे बड़ी ऊंगली के अंत तक का इस्तेमाल करें। 3. बच्चे को उसी प्रकार अपने हाथ से मापने के लिए कहें और गिनने के लिए कहें कि लकीर की लंबाई, उनके कितने हाथों के बराबर हैं। 4. इसी प्रकार बच्चों को पैर, लाठी और रस्सी से मापना सिखाया जा सकता है।

परिमाण और गिनना – पहला स्तर

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः 1–09 तक गिनती कर पाना	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – **- 09 मोतियां**	1. पहले एक मोती/दाना ज़मीन पर रखें और दाने की ओर इशारा करते हुए बोलें कि यह ''एक मोती/दाना हैं''। 2. फिर दोहराएं – ''मैंने एक मोती/दाना ज़मीन पर रखा है। मैंने कितने दाने ज़मीन पर रखें?'' बच्चे जवाब में ''एक'' बोलेंगे। 3. इसके बाद दो मोती/दाने ज़मीन पर रखें और एक–एक मोती/दाने को गिनते हुए बोलें कि यहां ''एक, दो–दो मोती/दाने हैं''। 4. फिर दोहराए – ''मैंने एक, दो – दो मोती/दाने ज़मीन पर रखे है। मैंने कितने मोती/दाने ज़मीन पर रखे?'' बच्चों को गिनकर जवाब मोती/देने के लिए बोले। बच्चे ''दो'' दाने बोलेंगे।
	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – **- 09 दाने, कंचे या बोतल के ढक्कन**	5. इसी प्रकार ''तीन'' मोती/दाने, ''चार'' मोती/दाने व ''पांच'' मोती/दाने रखे जाएंगे और उनके नाम बताकर सवाल पूछें जिसके जवाब में बच्चे संख्या का नाम बताएंगे।

परिमाण और गिनना – दूसरा स्तर

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः 01 से 09 तक गिनती कर पाना	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – **- 09 मोतियां** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – **- 09 दाने, कंचे या बोतल के ढक्कन**	1. एक कटोरी में 09 मोती/दाने रखने के बाद बच्चे को कुछ मोती/दाने उठाने के लिए कहें। 2. फिर उनसे पूछें है कि कितने मोतियां/दाने आपने उठाएं।

जोड़ करना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः 10 से कम तक जोड़ कर पाना	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – **- 10 मोतियां** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – **- 10 दाने, कंचे या बोतल के ढक्कन**	1. बच्चे के सामने पहले 01 मोती/दाना रखें और गिनने के लिए कहें। 2. अब उस एक मोती/दाने के सामने दो और मोती/दाने सजाएं। 3. बच्चे से अब कुल मोती/दाने गिनने के लिए कहें। 4. इस प्रकार बच्चे को 09 के संख्या तक जोड़ना सिखाएं

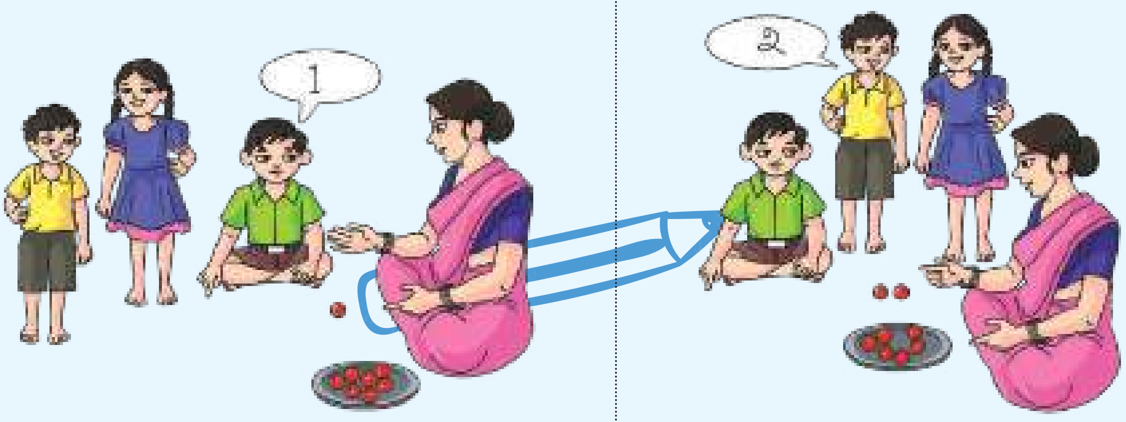

8B

05–06 वर्ष आयु वर्ग

M4J5X5

8B.1 हिंदी: अक्षरों से शब्द बनाना

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बच्चे बिना मात्रा वाले शब्द बना पाते हैं।	1. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दी गई गतिविधि के अनुसार करें। 2. बच्चों को औपचारिक रूप से पढ़ने या लिखने न कहें।

अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: बच्चे बिना मात्रा वाले शब्द बना पाते हैं।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है– » चित्र/फ्लैश कार्ड (सरल चित्र लें, जैसे – बस, नल, कमल, कलम) » हिंदी वर्णमाला के प्लास्टिक के ब्लॉक्स अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है– » चित्र कार्ड » हिंदी वर्णमाला के अक्षर कार्ड	1. एक चित्र बच्चे के सामने रखें और उसे पहचानने के लिए कहें। 2. शब्द के अक्षरों ब्लॉक/कार्ड को चित्र के नीचे रखें और बच्चे को शब्द का निर्माण समझाएं। **उदाहरण** - बस के चित्र के नीचे ''ब'' और ''स'' के चित्र कार्ड सजाएं।

शब्द पूरा करना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: बच्चे बिना मात्रा वाले शब्द बना पाते हैं।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – » चित्र/फ्लैश कार्ड (सरल चित्र लें, जैसे – बस, नल, कमल, कलम) » हिंदी वर्णमाला के प्लास्टिक के ब्लॉक्स अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है– » चित्र कार्ड » हिंदी वर्णमाला के अक्षर कार्ड	1. एक चित्र बच्चे के सामने रखें और उसे पहचानने के लिए कहें। 2. शब्द के एक अक्षर को छोड़कर बाकी अक्षरों के ब्लॉक/कार्ड को चित्र के नीचे रखें। 3. बच्चे से खाली जगह पर उचित अक्षर बैठाने के लिए कहें। **उदाहरण** - कलम के चित्र के नीचे "क" और "म" के ब्लॉक/अक्षर कार्ड रखें। बच्चे से कहें खाली जगह पर सही अक्षर बैठाएं।

8B.2 हिंदी अक्षरों को लिखना

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
हिंदी वर्णमाला की परिचित ध्वनियों को अक्षरों को लिख पाते हैं।	1. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दिए गए अक्षर की ही गतिविधि करें। 2. यदि कैलेण्डर में ''म'' के अक्षर का उल्लेख हैं, तो ''म'' अक्षर लिखने का ही अभ्यास कराएं। 3. बच्चों को औपचारिक रूप से पढ़ने या लिखने न कहें।

बिंदुओं को जोड़ना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: बच्चों की छोटी मांसपेशियों में नियंत्रण लाना एवं अक्षरों को लिखने की क्षमता विकसित करना।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – » स्लेट पर बिंदुओं से रचित विभिन्न चित्रों की आकृतियां, जैसे मछली का चित्र » स्लेट पर बिंदुओं से रचित परिचित अक्षर अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है– **सफेद कागज़ों पर बिंदुओं से रचित विभिन्न चित्रों की आकृतियां - जैसे मछली का चित्र** » सफेद कागज़ों पर बिंदुओं से रचित परिचित अक्षर	1. बच्चे के सामने पहले बिंदुओं से रचित एक चित्र रखें और बिंदुओं को जोड़ने के लिए कहें। 2. बच्चे को बिंदुओं से रचित अक्षर दिखाएं और बिंदुओं को जोड़ने के लिए कहें।

8B.3 अंग्रेज़ी

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
बड़े और छोटे अक्षरों अंग्रेज़ी के शब्दों का निर्माण पहचान पाते हैं।	1. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दी हुई गतिविधि को ही करें। 2. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन दिए गए अक्षरों पर ही गतिविधि करें। 3. बच्चों को औपचारिक रूप से पढ़ने या लिखने के लिए न कहें।

बड़े से छोटे अक्षरों को छांटना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: अंग्रेज़ी शब्दों में छोटे और बड़े अक्षरों को पहचानना।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – » अंग्रेज़ी के बड़े और छोटे अक्षरों के प्लास्टिक का सेट अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – » अंग्रेज़ी के बड़े और छोटे अक्षरों के अक्षर कार्ड	1. बच्चे के सामने बड़े अक्षर के ब्लॉक/अक्षर कार्ड और छोटे अक्षरों के ब्लॉक/अक्षर कार्ड को अव्यवस्थित रूप से मिलाकर रखें। 2. बच्चे को बड़े अक्षर और छोटे अक्षरों के ब्लॉक/अक्षर कार्ड को अलग करने के लिए।

बड़े से छोटे अक्षर के प्रतीक का मिलान करना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: अंग्रेज़ी शब्दों में छोटे और बड़े अक्षरों को पहचानना।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – » अंग्रेज़ी के बड़े और छोटे अक्षरों के प्लास्टिक का सेट अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – » अंग्रेज़ी के बड़े और छोटे अक्षरों के अक्षर कार्ड	1. कैलेण्डर के अनुसार बच्चे के सामने बड़े अक्षर के ब्लॉक/अक्षर कार्ड एक पंक्ति में रखें और छोटे अक्षरों के ब्लॉक/अक्षर कार्ड को अव्यवस्थित रूप से मिलाकर रखें। 2. बच्चे को बड़े अक्षर से संबंधित छोटे अक्षर के ब्लॉक/अक्षर कार्ड मिलाने के लिए

अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: बच्चे अंग्रेज़ी के तीन अक्षरों वाले शब्द बना पाते हैं।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – » चित्र/फ्लैश कार्ड (सरल चित्र लें, जैसे – बस, नल, कमल, कलम) » हिंदी वर्णमाला के प्लास्टिक के ब्लॉक्स अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – » अंग्रेज़ी के बड़े और छोटे अक्षरों के अक्षर कार्ड	1. एक चित्र बच्चे के सामने रखें और उसे पहचानने के लिए कहें। 2. शब्द के अक्षरों ब्लॉक/कार्ड को चित्र के नीचे रखें और बच्चे को शब्द का निर्माण समझाएं। **उदाहरण -** CAT (बिल्ली) के चित्र के नीचे "C", "A" और "T" के ब्लॉक/चित्र कार्ड सजाएं।

8B.4 अंग्रेज़ी अक्षरों को लिखना

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
अंग्रेज़ी वर्णमाला की परिचित ध्वनियों के अक्षरों को लिख पाते हैं।	1. कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दिए गए अक्षर पर ही गतिविधि करें। 2. यदि कैलेण्डर में "A" के अक्षर का उल्लेख हैं, तो " A" अक्षर लिखने का ही अभ्यास कराएं। 3. बच्चों को औपचारिक रूप से पढ़ने या लिखने न कहें।

बिंदुओं को जोड़ना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: बच्चों के छोटे मांसपेशियों में नियंत्रण लाना एवं अंग्रेज़ी अक्षरों को लिखने की क्षमता विकसित करना।	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – **स्लेट पर बिंदुओं से रचित अंग्रेज़ी अक्षर** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – **सफेद कागज़ों पर बिंदुओं से रचित अंग्रेज़ी अक्षर**	बच्चे को बिंदुओं से रचित अक्षर दिखाएं और बिंदुओं को जोड़ने के लिए कहें।

8B.5 परिमाण

दीर्घकालीन लक्ष्य	विशिष्ट निर्देश
1. 01 से 10 तक की गिनती कर पाते हैं 2. 01 से 09 तक की संख्या के प्रतीक को पहचान पाते हैं 3. 01 से 09 तक की संख्या लिख पाना 4. 09 संख्या तक घटाव कर पाना	कैलेण्डर में विशिष्ट दिन पर दिए गए परिमाण और संख्या की ही गतिविधि करें।

परिमाण – हाथ, पैर, रस्सी और संख्या से मापना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः परिमाण की समझ विकसित होना	चॉक, रस्सी और लाठी	1. ज़मीन अथवा दीवार पर, चॉक से एक लकीर खीचें। 2. बच्चे को हाथ से लकीर को मापना सिखाएं। मापने के लिए, कोहनी से हाथ की सबसे बड़े ऊंगली के अंत तक का इस्तेमाल करें। 3. बच्चे को उसी प्रकार अपने हाथ से मापने के लिए कहें और गिनने के लिए कहें की लकीर कि लंबाई, उनके कितने हाथों के बराबर हैं। 4. इसी प्रकार बच्चों को पैर, लाठी और रस्सी से मापना सीखाया जा सकता है।

पानी मापना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: परिमाण की समझ विकसित होना	मग, बाल्टी, एक मध्यम माप की कटोरी व पानी	1. बच्चे के सामने आधे से कम भरी हुई पानी की एक बाल्टी, मध्यम माप की कटोरी और पानी का एक मग रखें। 2. बच्चे को मग से बाल्टी में से पानी निकालकर और कटोरी में डालने के लिए कहें। 3. बच्चे से पूछें कि बाल्टी को खाली करने के लिए कितने मग पानी डाला गया।

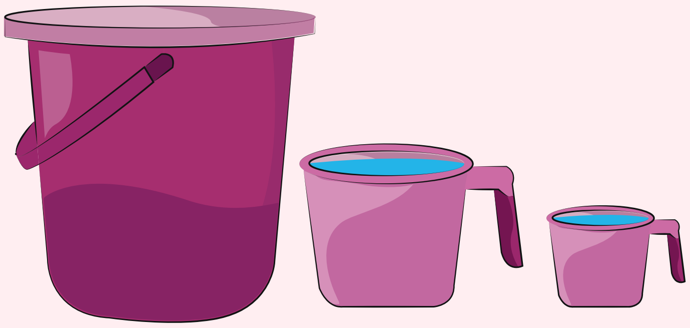

8B.6 संख्या की पहचान

परिमाण और गिनना – पहला स्तर

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: 1–10 तक गिनती कर पाना	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – - **मोतियां** अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – » दाने, कंचे या बोतल के ढक्कन	1. पहले एक मोती/दाना ज़मीन पर रखें और दाने की ओर इशारा करते हुए बोलें कि यह "**एक** मोती/दाना है"। 2. फिर दोहराएं – "मैंने एक मोती/दाना ज़मीन पर रखा है। मैंने कितने दाने ज़मीन पर रखे?" बच्चे जवाब में "एक" बोलेंगे। 3. इसके बाद दो मोती/दाने ज़मीन पर रखें और एक–एक मोती/दाने को गिनते हुए बोलें कि यहां "**एक, दो** – **दो** मोती/दाने हैं"। 4. फिर दोहराएं – "मैंने एक, दो – दो मोती/दाने ज़मीन पर रखे हैं। मैंने कितने मोती/दाने ज़मीन पर रखे?" बच्चों को गिनकर जवाब मोती/देने के लिए बोले। बच्चे "दो" दाने बोलेंगे। 5. इसी प्रकार "तीन" मोती/दाने, "चार" मोती/दाने व "पांच" मोती/दाने रखे जाएंगे और उनके नाम बताकर सवाल पूछें, जिसके जवाब में बच्चे संख्या का नाम बताएंगे। 6. धीरे–धीरे बच्चे को 10 तक की संख्या तक गिनती करना सिखाएं।

परिमाण और गिनना – दूसरा स्तर

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः 1–10 तक गिनती कर पाना	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – » 10 मोती अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं हैं – » 10 दाने, कंचे या बोतल के ढक्कन	1. एक कटोरी में 10 मोती/दाने रखने के बाद बच्चे को कुछ मोती/दाने उठाने के लिए कहें। 2. फिर उनसे पूछें कि कितने मोती/दाने आपने उठाएं।

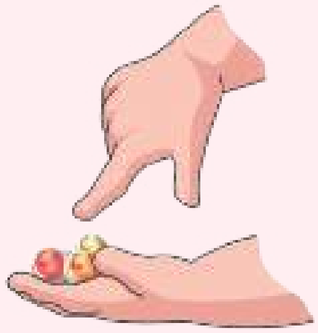

संख्या की प्रतीक की पहचान

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः संख्या के साथ प्रतीक की पहचान कर पाना	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है– » 09 तक गिनती के लिए 15 मोती (1+2+3+4+5+6+7+8+9=15) » 01 से 09 तक के संख्या कार्ड अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – » 10 दाने, कंचे या बोतल के ढक्कन टी.एल.एम. पृष्ठ संख्या 30	1. बच्चे को एक–एक करके 01 से 05 तक की संख्या में मोती/दाने सजाने के लिए कहें। 2. बच्चे से पूछें कि एक मोती/दाना कहां पर है। 3. बच्चे बताएंगे और आप "1" लिखा हुआ संख्या कार्ड उस दाने के ऊपर रखें और बच्चों से कहें कि यह "1" है। 4. इस प्रकार एक–एक करके बच्चों को परिचित सभी संख्याओं के प्रतीक से पहचान कराएं।

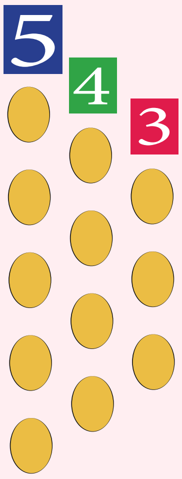

परिमाण से प्रतीक मिलाना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्य: संख्या के साथ प्रतीक को मिला पाना	» 1 से 9 परिमाण के बीच में अलग–अलग वस्तुओं के चित्र कार्ड » 1 से 09 तक के संख्या कार्ड	1. एक तरफ अलग–अलग परिमाण की कुछ वस्तुओं के चित्र रखें। 2. अलग–अलग संख्या कार्ड को बच्चों को देते हुए समान परिमाण की वस्तुओं के समक्ष वह संख्या कार्ड रखने के लिए कहें।
	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – » 10 दाने, कंचे या बोतल के ढक्कन	

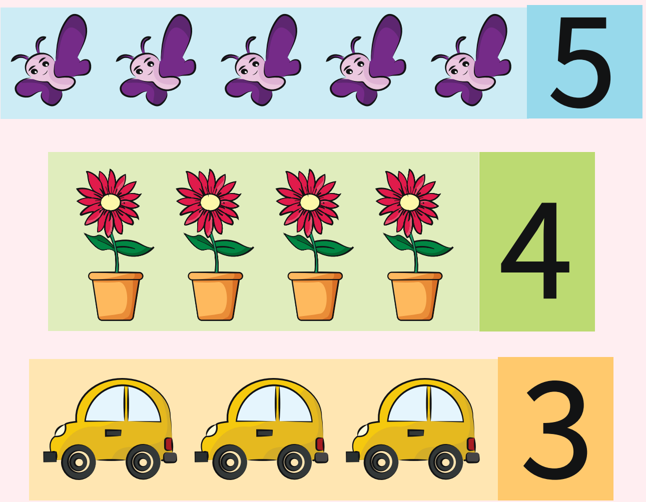

संख्या लिखना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः संख्या के साथ प्रतीक की पहचान कर पाना	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है– » स्लेट पर बिंदुओं से रचित संख्या	1. बच्चे को बिंदुओं से रचित एक संख्या दिखाएं और उन्हें संख्या पहचानने के लिए कहें। 2. उसे बिंदुओं को जोड़ते हुए संख्या पूर्ण करने के लिए कहें।

जोड़ करना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः 10 से कम तक जोड़ कर पाना	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध है – » 10 मोती अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – » 10 दाने, कंचे या बोतल के ढक्कन	1. बच्चे के सामने पहले 01 मोती/दाना रखें और गिनने के लिए कहें। 2. अब उस एक मोती/दाने के सामने दो और मोती/दाने सजाएं। 3. बच्चे से अब कुल मोती/दाने गिनने के लिए कहें। 4. इस प्रकार बच्चे को 09 के संख्या तक जोड़ना सिखाएं।

घटाना

उद्देश्य	सामग्री	प्रक्रिया
अल्पकालीन लक्ष्यः 09 संख्या तक घटा पाना	अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध हैं – » 10 मोती अगर प्री–स्कूल किट उपलब्ध नहीं है – » 10 दाने, कंचे या बोतल के ढक्कन।	1. बच्चे के सामने पहले 02 मोती/दाने रखें और गिनने के लिए कहें। 2. अब उसमें से एक मोती/दाना हटा दें। 3. बच्चे से अब कुल मोती/दाने गिनने के लिए कहें। 4. इस प्रकार बच्चे को 09 की संख्या तक घटाना सिखाएं।

8.2 रचनात्मक कार्य

रचनात्मक कार्य के समय कुछ अहम बातों पर ध्यान देना चाहिएः–

1. बच्चों की कल्पना शक्ति को बढ़ावा देने हेतु एवं अपनी भावनाओं और सोच को व्यक्त करने हेतु उन्हें आवश्यक सामग्री देना चाहिए।
2. बच्चों को अपने इच्छानुसार रचना या कलाकारी करने में सहयोग देना चाहिए।
3. बच्चों के साथ उनके द्वारा बनाई गई रचना पर बात करनी चाहिए।
4. बच्चे अगर अपने द्वारा की गई रचना पर बात करना चाहें तो, ध्यानपूर्वक उनकी बात सुननी चाहिए और उनके द्वारा बनाई गई रचना के आधार पर और सवाल पूंछने की कोशिश करनी चाहिए। इससे बच्चे अपने कल्पना का प्रयोग करके, अपने कौन- से विचार या संवेग व्यक्त करना चाहते हैं, इसका पता चलता है।
5. बच्चों द्वारा की गई किसी भी रचना को गलत नहीं बोलना चाहिए। बल्कि उनको अपनी कल्पना का प्रयोग करने के लिए और भी प्रेरित करना चाहिए।

सत्र	गतिविधि	विधि
8.2.1	मुक्त चित्रकारी	बच्चों को रंग, पेंसिल, रबर, सफेद कागज़, इत्यादि देंगे और उन्हें अपनी इच्छा अनुसार कोई भी चित्र बनाने के लिए कहेंगी।
8.2.2	आकृतियों में रंग भरना a. 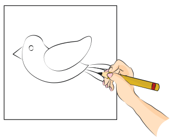 b. 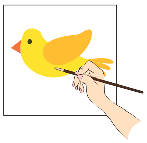	बच्चों को रंग, पेंसिल, रबर, सफेद कागज़, इत्यादि देंगे और उन्हें अपने इच्छा अनुसार कोई भी चित्र बनाने के लिए कहेंगी। 1. बच्चों को एक आकृति बनाकर देंगे और बच्चों को यह निर्देश देंगें कि वे बनाई गई आकृति के अंदर रंग भरें। 2. आकृति किसी भी प्रकार की हो सकती हैं, जैसे – गोलाकार, त्रिकोना, चारकोना, पशु–पक्षी के चित्र, वस्तु के चित्र इत्यादि। 3. कार्यकत्री बच्चों को थीम अनुसार बनाए गए चित्र में भी रंग भरने के लिए बोल सकती हैं।

T1A9Z7

सत्र	गतिविधि	विधि
8.2.3	**छाप लगाना** 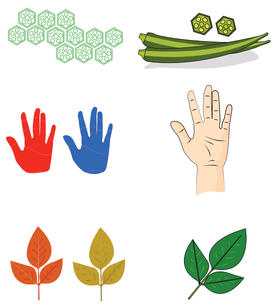	1. छाप लगाने का कार्य अलग–अलग प्रकार से कर सकती हैं, जैसे– फिंगर प्रिंटिंग (ऊंगली से), भिंडी प्रिंटिंग, लीफ प्रिंटिंग (पत्तों से) इत्यादि। 2. इस कार्य के लिए एक कटोरी में कुछ रंग घोलेंगें, और अपनी ऊंगली, भिंडी का टुकड़ा या पत्ती को उसमें डुबाकर, एक सफेद कागज़ पर उसकी छाप लगाएंगें। फिर वह बच्चों को भी अपनी तरह करने के लिए सफेद कागज़ और घुला हुआ रंग देंगी। 3. बच्चों को यह कार्य किसी बनाई गई आकृति के अंदर भी करने के लिए बोल सकते हैं।
8.2.4	**प्रेस प्रिंटिंग** 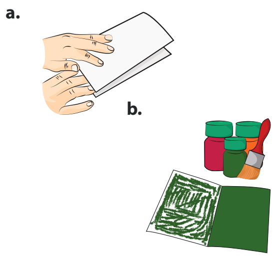	1. एक सफेद कागज़ को बीच से मोड़ेंगें ताकि कागज दो बराबर हिस्सों में बट जाएं। 2. फिर कागज़ के एक हिस्से पर कुछ रंग लगाएंगे। रंग लगाकर कागज को फिर इस प्रकार मोड़ेंगें कि, एक हिस्से पर लगे हुए रंग का छाप, दूसरे हिस्से पर बराबरी से आ जाए। 3. बच्चों को भी अपनी तरह करने के लिए सफेद कागज और घुला हुआ रंग देंगें।
8.2.5	**ओरिगामी**	**यह कार्य किसी प्रकार के कागज से कर सकते हैं, जैसे – अखबार, छपी हुई अन्य कागज आदि।**
8.2.6	**बिन्दुओं को जोड़कर चित्र बनाना** 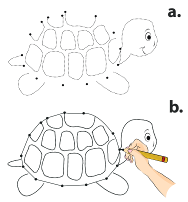	1. सफेद कागज पर कोई भी आकृति की रूपरेखा बिन्दुओं से बनाएंगे और बच्चों को यह निर्देश देंगें कि उन्हें उस आकृति के बिन्दुओं को जोड़कर चित्र पूरा करना है। 2. बच्चों को थीम अनुसार बनाए गए चित्र में के बिन्दुओं को जोड़ने के लिए बोल सकते हैं।
8.2.7	**क्ले मॉडलिंग** 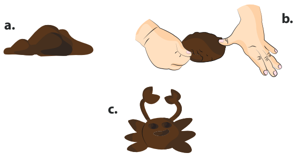	1. बच्चों की संख्या अनुसार उनके लिए केंद्र में मिट्टी रखेंगे। यह कार्य वह दो प्रकार से कर सकती है। 2. बच्चों को मिट्टी देकर उन्हें अपनी इच्छा अनुसार आकृति बनाने के लिए बोल सकतें है। 3. वह बच्चों को कोई विशेष आकृति बनाने के लिए बोल सकते हैं।
8.2.8	**कोलाज का काम** 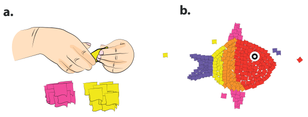	1. बच्चों को किसी भी चित्र के अंदर कागज के छोटे–छोटे टुकड़े करके चिपकाने के लिए बोलेंगे। यह कार्य समूह में बैठाकर करने हेतु, एक बड़े कागज पर बड़ी आकृति बना सकते हैं।

9

पाँचवे चक का समय

समय अवधि – 30 मिनट

ग्रीष्म कालीन – 10:55–11:25

शीत कालीन – 11:55–12:25

9.1 कहानी

9.1.1 कहानी सुनाने का महत्वः

- आंगनवाड़ी केंद्र पर बच्चों को कहानी सुनाना एक अत्यंत ही महत्वपूर्ण गतिविधि है।
- कहानी सुनाने की गतिविधि से बच्चों में सामाजिक, भावनात्मक, भाषा, रचनात्मक-सौंदर्यात्मक और बौद्दिक विकास होता है।
- कहानियां बच्चों की कल्पना-शक्ति को बढ़ाने में समर्थन करती हैं।
- कहानियों से बच्चों में नैतिक भाव की भी वृद्धि होती है, क्योंकि कहानियों के माध्यम से वह किसी भी क्रिया और उसके परिणामों के बीच के संबंध को पहचानना शुरू करते हैं, और अच्छाई व बुराई की प्रकृति का विश्लेषण करना शुरू करते हैं।

9.1.2 कहानी सुनाने पर अहम बातें:

- छोटे बच्चों के लिए -
  - कहानियां छोटी होनी चाहिए अर्थात छोटे बच्चों के लिए कहानियों की अवधि 03-04 मिनट से अधिक नहीं होनी चाहिए।
  - व कहानियों में अधिक घटना एवं पात्र नहीं होने चाहिए।
- कहानी की भाषा सरल होनी चाहिए एवं छोटे वाक्यों और सरल शब्दों से संयुक्त होनी चाहिए।
- बच्चों को ऐसी कहानियां पसंद आती हैं जिनकी भाषा में दोहराव का पैर्टन दिखे, जैसे - **“चम चम चंदा”, चूँ चूँ चूहा।**
- बच्चों को कहानियों में रोचक वाक्यांश पसंद आते हैं, जैसे - झम झम पानी बरसा, ढम ढम ढोल बजा, छुक छुक रेल चली इत्यादि। कहानियों को ऐसे वाक्यांशों के प्रयोग से रोचक बनाए जा सकता हैं।
- कहानी सुनाने के समय बच्चों को अपने करीब इस प्रकार बैठाना चाहिए कि उन्हें हम स्पष्ट रूप से दिखाई दें।

Y6D6L1

9.1.3 मौखिक कहानी सुनाने पर कुछ अहम बातें:

कुछ कहानियां मौखिक अर्थात बिना किसी चित्र या प्रोप से भी सुनाई जा सकती हैं। लेकिन इस प्रकार की कहानियों को सुनाने के दौरान हमें कुछ अहम बिंदुओं पर ध्यान देना आवश्यक हैं -

- ✔ चेहरे के भावों को अवश्य ही प्रयोग करना चाहिए तथा कहानी के उचित स्थानों पर उचित प्रकार से करना चाहिए।
- ✔ हाथ एवं शरीर के अन्य अंगों के प्रयोग से हाव-भाव दिखाना चाहिए।
- ✔ गले के स्वर को ऊपर-नीचे करके सुनाना चाहिए।
- ✔ कहानी में पात्रों और घटनाओं के स्वभाव एवं विशेषताओं से जोड़कर अपने शरीर के हाव-भाव एवं गले के स्वर में कहानी के दौरान परिवर्तन लाना चाहिए। जैसे- अगर कहानी में शेर के भूमिका है तो हमारी आवाज़ ज़ोर से और भारी होनी चाहिए, चूहे के लिए पतली और चीं चीं जैसी होनी चाहिए।
- ✔ कहानी के दौरान बच्चों के साथ परस्पर बातचीत करते रहना चाहिए- उनसे पूछें कहानी उन्हें कैसे लग रही है, कहानी में आगे क्या होने वाला है? इस अभ्यास से बच्चों की काल्पना शक्ति को बढ़ावा मिलता हैं।
- ✔ कहानी के दौरान बच्चों के साथ बातें करने से वह कहानी पर धीरे-धीरे अपनी भावनाओं को व्यक्त करना शुरू करेंगे।

9.1.4 चित्र कार्ड के माध्यम से कहानी सुनाने पर कुछ अहम बातें:

बच्चों को चित्र कार्ड के माध्यम से भी कहानी सुनाई जा सकती हैं, जिसके दौरान कुछ अहम बिंदुओं पर ध्यान देना आवश्यक है -

- ✔ कहानी हेतु प्रयोग किए गए जाने वाले चित्र रंगीन और माप में बड़ा होने चाहिए।
- ✔ चित्र कार्ड को बच्चों की ओर घुमाते हुए इस प्रकार पकड़ना चाहिए कि वह प्रत्येक बच्चे को स्पष्ट रूप से दिखाई दें।

9.1.5 प्रोप के माध्यम से कहानी सुनाना:

- बच्चों को पपेट जैसी प्रोप के माध्यम से भी कहानी सुनाई जा सकती है।
- पपेट किसी भी विभिन्न प्रकार के हो सकते हैं -स्टिक पपेट, ग्लव पपेट या कपड़े के पपेट।

स्टिक पपेट बनाने की प्रक्रिया:

1. कहानी में जो भी पात्र हैं, उनका चित्र एक सफेद कागज़ पर बनाकर रंग करें। जैसे - यदि आपके कहानी में शेर और चूहा है, तो उनका चित्र बनाएं।
2. फिर पात्रों के चित्रों को उनके आकार अनुसार काटें और किसी गत्ते पर चिपकाएं और गत्ते को चिपकाए गए चित्र के आकार में काटें।
3. फिर गत्ते से लगभग 10 cm लंबी और 2 cm चौड़ी पट्टियां बनाएं और दो पट्टियों को एक साथ चिपका दें। इससे आपकी पट्टियां मज़बूत हो जाएंगी।
4. फिर उन पात्रों के चित्र कट-आऊट्स को पट्टियों पर चिपकाएं। आप आईसक्रीम स्टिक का भी प्रयोग कर सकते हैं।
5. अब आपके स्टिक पपेट तैयार हैं।

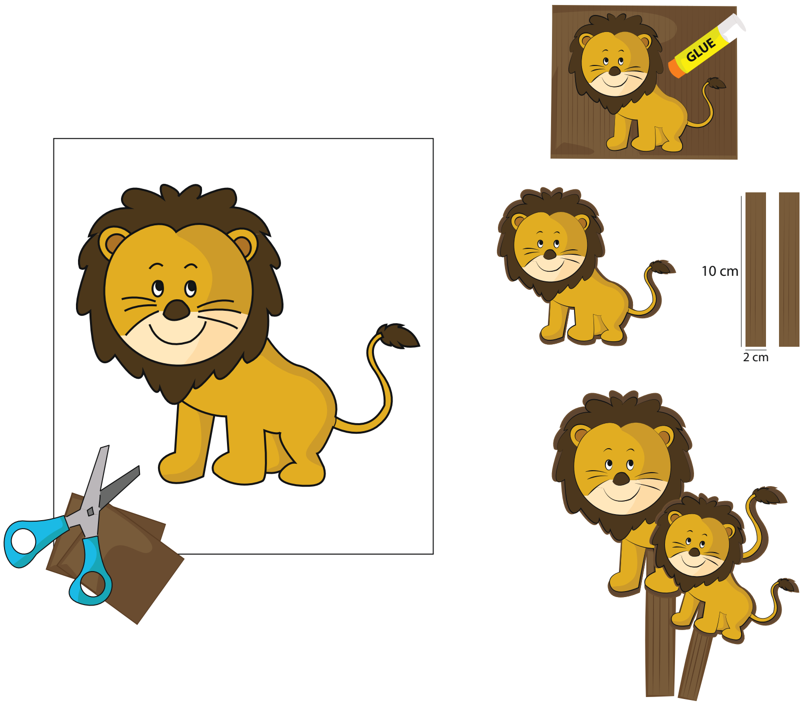

9.1.6 कहानी की किताब के माध्यम से कहानी सुनाने पर कुछ अहम बातें:

बच्चों को कहानी की किताब के माध्यम से भी कहानी सुनाई जा सकती हैं, जिसके दौरान कुछ अहम बिंदुओं पर ध्यान देना आवश्यक हैं -

- कहानी की किताब बच्चों की ओर घुमाकर पकड़ना चाहिए।
- कहानी की किताब इस ऊंचाई पर पकड़ना चाहिए कि वह प्रत्येक बच्चे के दृष्टि सीमा में हो।
- किताब से कहानी सुनाने से पूर्व हमें कहानी खुद पढ़ लेनी चाहिए।
- कहानी पढ़ने से पहले बच्चों की ओर किताब के कवर पृष्ठ को दिखाते हुए, उनसे कवर पर बने चित्रों के आधार पर कहानी के बारे में अंदाज़ा लगाने के लिए कहेंगे।
- कहानी पढ़ने से पहले बच्चों को पहले पृष्ठ पर चित्रों को दिखाएं और पहले उस पर चर्चा करें।
- कहानी पढ़ने के बाद, उनसे पूछ सकते हैं, कहानी में क्या हुआ था, उन्हें कैसा लगा, कहनी के बारे में उन्हें क्या अच्छा लगा इत्यादि।

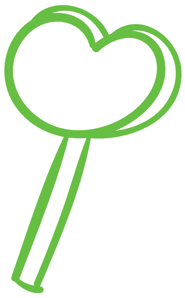

9.1.7 कहानियाँ:

1.संगठन में शक्ति

एक दिन हाथी और बंदर के बीच बहस हुई। हाथी कहे मैं बलवान। बंदर कहे मैं बलवान।

उतने में एक लोमड़ी वहाँ से निकली। हाथी और बंदर ने उससे पूछा: हममें से कौन अधिक बलवान है?

लोमड़ी ने कहा: ''आप दोनों ही बलवान हो।''

हाथी ने कहा: ''नहीं, मैं अधिक बलवान हूँ।''

लोमड़ी ने कहा उसकी तो परीक्षा करनी पड़ेगी। देखो, उस नदी के दूसरे घाट पर नारियल का पेड़ है। उस पर से नारियल ले आओ। जो पहले आएगा वो बलवान।

बन्दर हुप-हुप करता निकला। हाथी झूलता-झूलता निकल पड़ा। लेकिन नदी के घाट पर आकर बन्दर रूक गया। उसको तैरना नहीं आता था।

हाथी नदी पार करके सामने के घाट पर पहुँच गया। उसने सूँड़ ऊपर उठाई लेकिन हाथी की सूँड़ ऊपर उठाई लेकिन हाथी की सूँड़ थोड़ी ही ऊँचाई पर नारियल तक पहुँच पाती? दोनों दु:खी चेहरे के साथ वापस आए।

लोमड़ी ने कहा:''बलवान हो, देखो हाथी भाई मैं जैसा कहूँ वैसा कीजिए। आपको तैरना आता है। बंदर को पेड़ पर चढ़ना आता है। आप बंदर को अपनी पीठ पर उस पार ले जाओ। बंदर नारियल के पेड़ पर चढ़कर नारियल तोड़ लाएगा।''

बंदर बोला:''अरे, हमकों यह विचार ही नहीं आया।''

लोमड़ी ने कहा:''आप दोनों मिलकर काम करो तो आप दोनो बलवान हो। आप दोनो आपस में झगड़ते रहो तो दोनों ही निर्बल हो। उस दिन से हाथी और बंदर दोनो दोस्त बन गए और साथ-साथ रहने लगे और उनके बहुत सारे दोस्त भी बन गये।''

2.दयालू पलक

एक लड़की थी, उसका नाम पलक था। पलक बहुत सुंदर थी। सभी उसे बहुत प्यार करते थे। उसके बहुत से मित्र थे। उनमें कुछ पषु-पक्षी भी थे।

एक दिन पलक अपनी माँ के साथ छत पर बैठी थी। पास ही पेड़ पर कौआ कॉव-कॉव कर रहा था। उसकी माँ ने अनाज के कुछ दानें छत पर कटोरी में रखे और एक बर्तन में पानी भी रख दिया। पलक की मॉ ने बताया कि हमे पक्षियों के लिए दाना और पानी रखना चाहिए।

रसोईघर में खाना खाते समय बिल्ली आ गई। बिल्ली की म्यॉऊ-म्यॉऊ सुनकर पलक खुष हो गई।

पलक बाहर खेलने गई। उसने गाय को रोटी खिलाई। कुत्ते के छोटे बच्चे को देखकर पलक खुष हो गई।

उसने माँ सेदूध लेकर कुत्ते के बच्चे को पिलाया। कुत्ते के साथ दौड़कर खेलने लगी।

पलक को पक्षियों तथा पषुओं को खिलाना बहुत अच्छा लगता था। वह जानवरों और पक्षियों को बहुत प्यार करती थी।

3.आओ सफाई करें

सुंदरपुर में एक छोटा सा विद्यालय था। विद्यालय में एक शिक्षक और थोड़े से बच्चे यहाँ पढ़ते थे। विद्यालय मे नये-नये गीत गाये जाते थे। परियों की कहानियाँ होती थी और आनन्द आये ऐसे खेल खेलते। सबको विद्यालय में पढ़ने में आनन्द आ रहा था।

षिक्षक बहुत ही उत्साह से बच्चों को पढ़ाते थे, रोज नया-नया सिखाते और समझाते थे। बच्चे भी उत्साह से पढ़ते थे। विद्यालय में अच्छी-अच्छी बातें होती थी। अच्छे संस्कार दिये जाते थे। विद्यालय तो सरस्वती माँ का मंदिर होता है।

एक दिन की बात है, वर्षा का दिन था। दिन भर गर्मी और दोपहर के बाद हवा चलती थी। सब चीजों को उड़ा देती। मिट्टी उड़ती और सब जगह धूल ही धूल, कुछ नहीं दिखता था तूफान में। थोड़ी देर के बाद तूफान षांत हुआ। यहाँ का कचरा वहाँ और वहाँ का कचरा यहाँ हो गया। चारों तरफ कचरे का ढेर हो गया। दूसरे दिन सूरज निकला। विद्यालय का दरवाजा खुला तो सबने देखा चारों तरफ धूल और कचरा विखरा हुआ है। एक बालक बोला अरे ''बाप रे''... दूसरा बालक बोला, ''यह सब काम कौन करेगा?, हमको करना पड़ेगा। '' तीसरे ने कहा ''हमारा विद्यालय है तो, हम ही करेंगे ना। दूसरा कौन करेगा?'' चौथे नें सुर मिलाते हुए कहा ''हाँ..हाँ''। हमको ही करना है। चलो सफाई शुरू कर देते हैं। सब साथ में बोल पड़े चलो. चलो. सफाई का काम शुरू करो।

तभी विद्यालय में शिक्षक आये और बच्चों के कंधे पर हाथ रखकर हँसते-हँसते बोले, अरे वाह सफाई तो हम सब मिलकर करेंगे। चलो. चलो. सब साथ में करें।
बच्चों और शिक्षक ने साथ में मिलकर पूरा विद्यालय साफ कर दिया। मैदान भी साफ कर दिया। मैदान और विद्यालय फिर से सुंदर बन गये।
शिक्षक ने सब बच्चों को साथ में बिठाकर कहा। देखों सबके साथ मिलकर काम करने से विद्यालय साफ-सुथरा हो गया ना। वैसे ही गाँव भी साफ हो सकता है?
सब बच्चों ने झाड़ उठाये और आगे-आगे शिक्षक पीछे-पीछे सब बच्चे गाँव की ओर चल पड़े। सब बालक साथ मिलकर काम करने लगे। कचरा उठाने लगे। गाँव के लोगों ने देखा कि यह तो बहुत ही मेहनती बच्चे हैं यह लोग काम करें और हम लोग खड़े-खड़े देखते रहें वह अच्छा नहीं लगता। चलो हम भी काम करें। फिर तो क्या देखना था। पूरा गाँव साफ-सफाई में जुट गया। सब, घर साफ हो गए। आँगन भी साफ हो गये। गाँव जैसे पहले था वैसा ही सुंदर हो गया। सब बच्चे खुशी से झूमने लगे।

4.चींटी बहन ने खेती की

एक थी चींटी। उसके पास एक छोटा सो खेत था। उससे खुद तो खेती होती नहीं थी, इसलिए वह अपने भैया के पास गयी और बोली-चींटा भैया! खेत जोतिए, मैं तुम्हें पहना दूँगी सोने की चेन।

चींटे भैया ने पूरा खेत जोत डाला। फिर चींटी चिड़िया से बोली-चिड़िया बहन खेत में बीज बो दीजिए। आपको अनाज दूँगी। चिड़िया ने बाजरे का बीज लाकर पूरे खेत में बो दिया, तो अकाश में काला बादल दिखा।

चींटी बोली- ''बादल तू जो बरसे पानी, होगी तेरी बहुत मेहरबानी।''

बादल ने चींटी के खेत में बरसा दिया। खेत में चारों ओर बाजरे तैयार हुए और उसकी दानों से भरी हुई बालियाँ डोलने लगी। उसे देखकर कबूतर

खाने आ गये।

चींटी बोली-'दूर रहना पंछी, अन्न पूरा दो निकलने।'

उसे सुनकर कबूतर चले गये। किसी ने बाजरा नहीं खाया और खूब अनाज पैदा हुआ। चींटी की कोठी बाजरे से भर गयी।

अब चींटी ने चींटा को बुलाया और कहा-

''भैया तुम्हारी मजदूरी भरी, तू बाजरे से भर ले थाली।''

बाद में चिड़िया आयी, उसको भी चींटी ने कहा-

''बहन तुम्हारी मजदूरी भारी, तू बाजरे से भरले थाली।''

उसके बाद कबूतर आये, उसको भी चींटी ने कहा- ''इसमें आपका हिस्सा है खाओं पंछी, खाओ खूब।''

तबबादल दौड़ता आया, चींटी बहन उसे देखकर बोली- बादल, बादल ले लो अपने हिस्से का बाजरा।

बदल हँस पड़ा और बोला-नहीं चींटी बहन! मुझे नहीं चाहिए बाजरा, मैं तो समुद्र में चला। तब चींटा ने कहा बहना सच में परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।

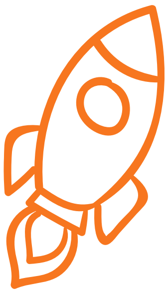

5.सच्चा मित्र

एक पेड़ बहुत हरा-भरा था। उस पर एक कोयल रहती थी। हरा-भरा होने के कारण उस पेड़ पर बहुत से कौए भी आकर रहने लगे। कोयल और पेड़ मित्र थे।

एक दिन पेड़ बीमार हो गया। वह सूखता ही चला गया। उसके पत्ते झड़ने लगे। थोड़े ही दिनों में वह बिल्कुल सूख गया। पेड़ के सूख जाने पर सभी कौए उस पेड़ को छोड़कर दूसरे हरे-भरे पेड़ पर रहने लगे। लेकिन कोयल ने अपना घोसला नहीं बदला। पेड़ अक्सर कोयल से कहता कि वह भी उसे छोड़कर चली जाए, परन्तु कोयल मना कर देती कि जब वह सुख में साथ थी तो दुःख में भी साथ रहेगी। आखिर पेड़ उसका मित्र है। एक दिन उस पेड़ को सूखा देकर कुछ लोग उसे काटने लगे। कोयल ने उन्हें चोंच मार मारकर भगा दिया। जब कभी कोई पेड़ को काटने आता, कोयल चोंच मारकर भगा देती।

थोड़े दिन में वर्षा आयी और वह पेड़ फिर हरा-भरा हो गया। कोयल बहुत खुष हुई। पेड़ हरा देखकर अन्य पक्षी भी उस पर फिर से आने लगे,

कोयल ने सभी का स्वागत कर पेड़ पर रहने के लिए स्थान दिया। पेड़ को सच्चे मित्र का पता चल गया।

6.चींटी और तोता

एक बार एक चींटी नदी की धारा में बह रही थी। नदी के किनारे पेड़ पर एक तोता बैठा था। उसने जब चींटी को नदी की धारा में बहते देखा, तो उसे दया आ गयी और पेड़ से एक पत्ता नदी में गिरा दिया।

चींटी पत्ते पर चढ़ गयी और धीरे-धीरे किनारे आ गयी। चींटी ने एक दिन देखा कि वही तोता खेत में अनाज के दाने चुग रहा था। शिकारी चुपचाप जाल लेकर आया। वह तोते को पकड़ना चाहता था।

चींटी ने देखा तो उसने शिकारी के पैर में जोर से काट लिया। शिकारी जोर से चीखा और तोता उड़ गया।

7.खरगोश भाई आ रहे है

एक खरगोश था। उसको एक बार राजा बनने का मन हुआ। उसने कमल के पत्ते की टोपी बनाई, उसके ऊपर टेसू के फूल की कलगी लगायी और कमर पर लकड़ी की तलवार बांधी।

फिर खरगोश भैया तो खरगोश भाई बने। वे धीरे-धीरे कदम भरते जायें और षासन से बोलते जाएँ, ''खरगोश भाई आ रहे हैं, बड़ी फौज ला रहे है, फौज कैसी और बात कैसी। ये तो सिर्फ नाम का बड़प्पन, खरगोश भैया नदी के तट पर गए। नदी के तट पर एक शेर पानी पीने आया था। उसने सुना: ''खरगोश भाई आ रहे है, बड़ी फौज ला रहे हैं।''

शेर मन में घबरा गया। उसको हुआ, ''अरे ये तो मुझसे भी कोई बड़ा लगता है।''

शेर डरता-डरता खरगोश भाई के पास गया। खरगोश भाई ने उसे पूछा कौन हो भाई?

शेर धीरे से बोलाा, मैं जंगल का शेर हूँ, पूरे वन का राजा हूँ लेकिन आपका तो गुलाम हूँ।

खरगोश भाई बोले, घर का चौका करोगे न?

शेर बोला, ''हाँ जी, हाँ।''

''तो ठीक है मेरे साथ रहो।''

थोड़ी देर बाद बाघ आया। उसने सुना, ''खरगोश भाई आ रहे है, बड़ी फौज जा रहे हैं-''

बाघ ने पीछे मुड़कर देखा तो वहाँ खरगोश भाई दिखे, पास में छुपकर बैठे शेर को देखा। बाघ भी खरगोश भाई का नौकर बना। फिर तो भालू, हिरण आदि सब आए। फौज काफी बढ़ गई।

सब आये लेकिन लोमड़ी नहीं आयी। खरगोष भाई बोला, ''सब आए और लोमड़ी क्यों नहीं आयी?''

अन्त में खरगोश भाई बड़ी फौज के साथ लोमड़ी के निवास पर आये।

लोमड़ी ने खरगोश भाई को चारो ओर से खूब देखा फिर धीरे से बोली:''

कमल की टोपी है, टेसूकी कलगी है।

लकड़ी की तलवार है।

अरे, ये तो वो खरगोश है।''

सुनकर खरगोश भैया शरमा गए और कूदते कूदते चले गए।

8.सब्जियों की पहचान

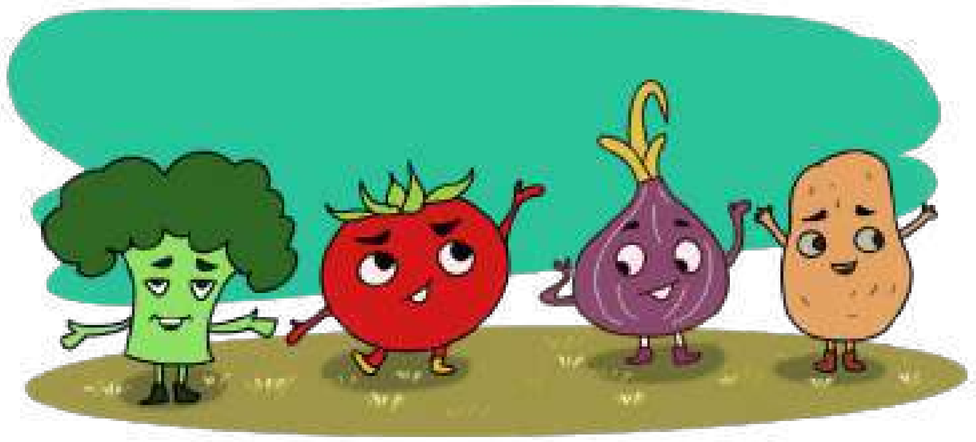

रविवार की छुट्टी थी। इसलिए समर्थ घर पर ही था। समर्थ आंगन में खेल रहा था। तभी माँ ने उसको बुलाकर कहा समर्थ! आज सब्जी तू लायेगा। लायेगा ना?

समर्थ खुश होकर बोला हाँ जरूर! लाओ झोली और पैसे। झोली और पैसे लेकर समर्थ सब्जी बाजार गया। समर्थ एक सब्जी की दुकान के पास खड़ा होकर बोला -यहाँ तो सब सब्जियाँ हैं। समर्थ को देखकर सब्जियाँ उछलने लगी। आलू, टमाटर, बैंगन, प्याज, भिंडी, फूलगोभी, लौकी, गाजर इत्यादि सब्जियाँ समर्थ से कहने लगी। मुझे लो, मुझे लो।

समर्थ तो दुविधा में पड़ गया। अब क्या करूँ? तभी सब सब्जियाँ बारी बारी बोली।

आलू ने सबसे पहले उछलते हुए कहा।

'आलू नाम है मेरा'
दूर न कोई रहता।
फैसले के लिए बुलाते मुझे।
मैं भाता सबको,
सब्जियों का हूँ मैं राजा
मुझे लिये बिना न कोई जाता।

तभी टमाटर ने आलू से सामने मुँह बिगाड़ते समर्थ को सामने देखकर कहा।

'नाम है टमाटर मेरा। स्वाद है खट्टा-खट्टा मेरा।
लाल-लाल रंग है मेरा। बच्चों का प्यारा हूँ मैं।
स्वाद सबको है भाता मेरा।

तभी बैंगन आगे आया, नाम है बैंगन मेरा।

सभी सब्जियों के साथ मिल जाऊँ
खाने वाले का मन जीत जाऊँ।
सर्दियों में खाते सब भरता मेरा,
तभी भिण्डी और गवार भी साथ मिले,
हैं हम तो भिण्डी और गवार,
है आकार हमारा तलवार।
सबको भाता स्वाद हमारा,
कभी न करते, लड़ाई-झगड़ा,
हमको खाये तो बने तगड़ा।
मान या महत्व कम नहीं हमारा।
तभी फूलगोभी भी कूदकर सबसे आगे आ गई।
फूलते फूलते समर्थ के सामने देखकर उसने कहा।
फूलगोभी हूँ मैं गोलमटोल।
स्वाद बढ़ाने की है, खूबी मेरी,
दलिया, सब्जी, पाउभाजी का स्वाद बढ़ाती मैं
सब खाके मुझे खुश होते।

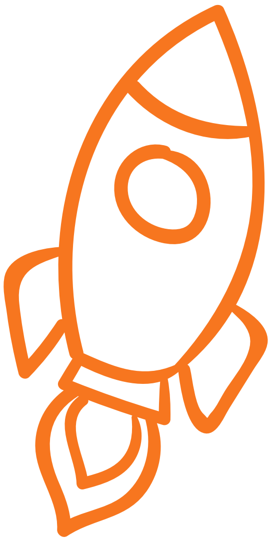

फूलगोभी की बात अभी पूरी हुई नहीं हुई तब तक लौकी ने अपने कद जितनी लंबी छंलाग लगाई और बोलने लगी।

मैंतो हूँ लंबी लंबी---लंबी
हलवे में भी होती कभी-कभी।
सब्जी में भी उपयोगी,
ढोकले में भी उपयोगी।
खाने से तंदुरस्ती में करती वृद्धि,
मैं तो भाई लौकी, बढ़ाती बुद्धि।

लौकी की बात पूरी होते ही, गाजर धीरे से आगे आयी।
मैं हूँ लाल-लाल गाजर,
खाये जो मुझे वह रहे राजी।
जो खाये गाजर। उसकी आँखे रहे सदा ताजी।

9.2 भाव–गीत

1. बच्चों को एक गोले में खड़ा करना/बैठना है। अगर बच्चों की संख्या ज्यादा हो तो, उन्हें दो समूह में बांटकर, दो गोले में खड़ा/बैठा सकते हैं। एक बाहर की तरफ और एक अंदर की तरफ। कार्यकत्री खुद बाहर के गोले में रहेंगी।

2. भाव-गीत या कविता शुरू करने से पहले, कार्यकत्री बच्चों से कहेंगी कि वह जैसा करेंगी, वे भी वैसा ही करें और उनके पीछे भाव-गीत या कविता को दोहराएं।

3. भाव-गीत या कविता के समय कार्यकत्री को यह ध्यान देना है कि -
    - वह सभी बच्चों को दिखाई दे रही है
    - वह हाव-भाव का प्रयोग कर रही है
    - वह सही जगह पर गले का स्वर ऊपर-नीचे कर रही है

4. कविता हेतु गतिविधि कैलेण्डर के अनुसार बच्चों को हिंदी व अंग्रेज़ी कविताएं कराएंगे।

9.2.1 अंग्रेज़ी भाव–गीत

1. Come Little Children Come to Me
कम लिटल चिल्ड्रेन, कम टू मी

उद्देश्य

बच्चों को अंग्रेज़ी वर्णमाला के अक्षरों से परिचित करना।

Come little children, come to me
कम लिटल चिल्ड्रेन, कम टू मी,

I will teach you ABC,
आई विल टीच यू ABC,

ABCDEFG,
HIKJ, LMNOP,
LMNOP QRST,
UVWXYZ,
XYZ

R2X7Y4

2. Roly Poly, Roly Poly
रोली पोली, रोली पोली

उद्देश्य

शब्दकोश - स्थान और गति संबोधित करने वाले

शब्द:- down, up, out, in, slowly, fast

Roly Poly, Roly Poly, up, up, up.....
रोली पोली, रोली पोली, अप, अप, अप.....

Roly Poly, Roly Poly, down, down, down.....
रोली पोली, रोली पोली, डाऊन, डाऊन, डाऊन.....

Roly Poly Roly Poly, out, out out.....
रोली पोली, रोली पोली, आऊट, आऊट, आऊट.....

Roly Poly Roly Poly, in, in, in.....
रोली पोली, रोली पोली, इन, इन, इन.....

Roly Poly, Roly Poly, slowly, slowly, slowy.....
रोली पोली, रोली पोली, स्लोली, स्लोली, स्लोली.....

Roly Poly Roly Poly, Fast, fast, fast, fast fast!
रोली पोली, रोली पोली, फास्ट, फास्ट, फास्ट !

3. Head, shoulders, knees and toes
हेड शोल्डर्स नीज़ एंड टोज़

उद्देश्य

शब्दकोश - शरीर के अंगों का नाम

शब्द:- head, shoulders, knees, toes, eyes, ears mouth and nose

Heads, shoulders, knees and toes
हेड शोल्डर्स नीज़ एंड टोज़

Eyes and ears and mouth and nose
आईस एंड इयर्स एंड माऊथ एंड नोज़

Head, shoulders, knees and toes
हेड शोल्डर्स नीज़ एंड टोज़

4. When you want something you say
वेन यू वॉन्ट समथिंग, यू से

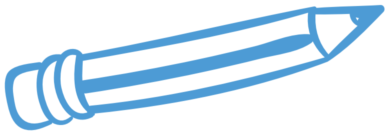

उद्देश्य

शब्दकोश - **Please, thank you, Sorry**

When you want something you say
वेन यू वॉन्ट समथिंग, यू से

Please, please, please.....(2)
प्लीज़, प्लीज़, प्लीज़.......(2)

When you get something, you say
वेन यू गेट समथिंग, यू से

Thank you, thank you, thank you...(2)
थैंक यू, थैंक यू, थैंक यू..........(2)

When you hurt someone you say
वेन यू हर्ट समवन, यू से

Sorry, sorry, sorry...(2)
सॉरी, सॉरी, सॉरी.......(2)

Thank you, please and sorry
थैंक यू, प्लीज़ एंड सॉरी

Are nice little words to say!
आर नाईस लिटल वर्ड्स टू से!

5. Bells are ringing, bells are ringing,
बेल्स आर रिंगिंग, बेल्स आर रिंगिंग,

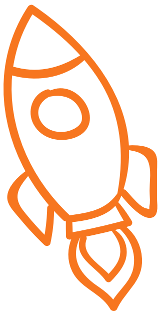

उद्देश्य

शब्दकोश- 01-10 तक की संख्याओं का अंग्रेज़ी में नाम

Bells are ringing, Bells are ringing,

बेल्स आर रिंगिंग, बेल्स आर रिंगिंग,

Can you hear? Can you hear?

कैन यू हीअर, कैन यू हीअर?

Ding dong, dong, ding, dong, dong

डिंग डोंग, डोंग, डिंग डोंग, डोंग,

Let us count, let us count.....

लेट अस काऊंट, लेट अस काऊंट,,,,,,

1, 2 3 and 4 5 6,
7 and 8
9 and 10

9.2.2 हिंदी भाव–गीत

हुआ सवेरा चिड़िया बोली...

हुआ सवेरा चिड़िया बोली
बच्चों ने तब आंखें खोली
अच्छे बच्चे मंजन करते
मंजन करके मुंह को धोते
मुंह धोकर वे रोज़ नहाते
रोज़ नहाकर खाना खाते
खाना खाकर पढने जाते
हुआ सबेरा चिड़िया बोली
बच्चों ने तब आंखें खोली।

मैं तो सो रही थी...

मैं तो सो रही थी, मुझे दादी ने जगाया,
बोलीं उठ, उठ, उठ।
मैं तो सो रही थी, मुझे पापा ने जगाया,
बोले उठ, उठ, उठ।
मैं तो सो रही थी, मुझे मम्मी ने जगाया,
बोली उठ, उठ, उठ।
मैं तो सो रही थी, मुझे दादा ने जगाया,
बोले उठ, उठ, उठ।
मैं तो सो रही थी, मुझे भैया ने जगाया,
बोला उठ, उठ, उठ।
मैं तो सो रही थी, मुझे दीदी ने जगाया,
बोली उठ, उठ, उठ।

मेरी मुट्ठी में क्या चीज़...

मेरी मुट्ठी में क्या चीज़?
अम्मा देखो यह है बीज।
पौधा बन जाएगा बीज।
पौधे को देखूं-भालूंगा।
उसमें खाद जरा डालूंगा ।
जब फूलेगा मुस्कुराऊंगा।
फल उसके फिर मैं खाऊंगा।
फल से फिर निकलेंगे बीज।
अम्मा देखो यह है बीज।

हरा–भरा पेड़...

हरा-हरा पेड़ जंगल भरा पेड़
आंख का सकून देता है पेड़,
कड़ी धूप से छांव देता है पेड़,
तरह-तरह की लकड़ी देता है पेड़,

साबुन भैया हाथ मिलाओ...

साबुन भैया हाथ मिलाओ
दूर न हमसे भागे जाओं।।
तुमसे मिलकर साफ बनेंगे।
मैल दूर कर काम करेंगे।।
बहन तौलिया तुम भी आओ।
झटपट आकर मुझे सुखाओ।।
दोनों मिलकर साफ बनेंगे।
साबुन तौलिया हाथ मिलाओ।।

मिट्टी को थोड़ा खोदूंगा
उसमें बीज यही बो दूंगा,
पानी से उसको सीचूंगा
अंकुर निकले मैं नाचूंगा

चढ़े पेड़ पर कल्लू भल्लू...

चढ़े पेड़ पर कल्लू-भल्लू,
लगे तोड़ने आम,
माली को जब आते देखा,
फिसले, गिरे धड़ाम,
आम छीनकर माली ने,
की इनकी खूब पिटाई,
बुरे काम का बुरा नतीजा,
बात समझ में आई।

मधु मक्खियों का डेरा है, जंगल का पेड़।
जानवर रहते जंगल में, जहां रहे पेड़,
जंगल को बचाना है, पेड़ों को बचाना है,
जंगल है तुम्हारा, जंगल है हमारा,
जंगल है देश, का जंगल की देखभाल काम
है हमारा।

पेड़ों ने दी साफ हवा...
पेड़ों ने दी साफ हवा,
आम बेर जामुन महुआ,
छाल-पत्तियां काम आए,
दवा रोग की बन जाए,
पेड़ों पर झूला डाले,
झूल-झूल कजरी गा ले।

अमरूद है गोल, खरबूजा गोल...
अमरूद है गोल खरबूजा गोल
सेब मुसम्मी तरबूज है गोल
लम्बी ककड़ी खीरा केला
रामू खाकर बन गया तगड़ा
प्रतिदिन फल जो खाता है
लम्बा चौड़ा हो जाता है।

आलू बैगन गाड़ी...
आलू बैगन की थी गाड़ी
उसमें बैठी थी दस सवारी
पहिया बने थे धनिया भईया
हॉर्न बनी थी लौकी

आज गांव में आया हाथी...
आज गांव में आया हाथी।
सब बच्चों का प्यारा हाथी।
रोज़ बड़े जंगल में जाता।
सूंड़ उठाकर पत्ते खाता।
हमें रोज़ यह शैर कराता।
दूर-दूर तक है ले जाता।

कौआ काला, कोयल काली...
कौआ काला, कोयल काली, पर कोयल की बात
निराली
कोयल मीठे गीत सुनाती, इसीलिए दुनिया को भाती
कौव-कौव कर शोर मचाते, कौओ को सब दूर
भगाते।

नाई क्या-क्या करता...
नाई क्या-क्या करता, क्या-क्या करता क्या-क्या
करता भाई,
नाई यूं यूं करता यूं यूं करता यूं यूं करता भाई,
मोची क्या-क्या करता, क्या-क्या करता क्या-क्या
करता भाई,
मोची यूं यूं करता यूं यूं करता यूं यूं करता भाई,
धोबी क्या-क्या करता, क्या-क्या करता क्या-क्या
करता भाई,
धोबी यूं यूं करता यूं यूं करता यूं यूं करता भाई,
दर्जी क्या-क्या करता, क्या-क्या करता क्या-क्या
करता भाई,
दर्जी यूं यूं करता यूं यूं करता यूं यूं करता भाई।

कुम्हार चाचा घड़े बनाते...
कुम्हार चाचा घड़े बनाते,
और मिट्टी के बर्तन।
दीवाली में दिये बनाते,
जिससे दुनिया होती रोशन।
कितने प्यारे बने खिलौने,
जिनसे हम खेले हरदम।

हम साईकिल चलाना जानते हैं...
हम साईकिल चलाना जानते हैं और उसकी आवाज़
पहचानते हैं,
ट्रिन ट्रिन यह साईकिल की आवाज़ है। और इसकी
आवाज़ पहचानते हैं।
साईकिल दो पहिये दो हैडिंल पीछे गद्दी आगे हैंडल,
पैरों की ताकत से चलती, इसको कहते सभी
साईकिल।

छुक छुक चलती रेल नए नए दिखलाती खेल...

छुक-छुक, छुक-छुक चलती रेल
नए-नए दिखलाती खेल
हाथी खच्चर ऊंट न घोड़े
बस डिब्बे से डिब्बे जोड़े
चलो रेल का खेल खेलें
आपस में हो सबका मेल
छुक छुक छुक छुक चलती रेल।

होली आई होली आई...

होली आई होली आई
सब बच्चों की टोली आई,
हरे गुलाबी लाल बैगनी,
रंग भरी पिचकारी लाई
एक दूजे को रंग लगाकर
गले मिले फिर दौड़ लगाई,
गुजिया पापड़ और मिठाई
छककर के फिर सबने खाई।

तीन रंग का अपना झण्डा, इसे तिरंगा कहते है...

तीन रंग का अपना झण्डा, इसे तिरंगा कहते हैं।
हम भारत के बच्चे मिलकर यह झण्डा फहराते हैं।
आपस में है खुशी मनाते, इसका गाना गाते हैं।
झंडे पर बलि-बलि जाएं इसको शीश झुकाते हैं।
तीन रंग का अपना झण्डा इसे तिरंगा कहते हैं।

कविताः गर्मी का मौसम है देखो गर्मी का मौसम है...

गर्मी का मौसम है, देखो, गर्मी का मौसम है।
गर्मी का मौसम है, देखो, गर्मी का मौसम है।
सूरज दिन-भर आग उगलता,
गर्म हवा का झोंका चलता,
दिन भर लगती बेचैनी,
निकला सबका दम है
गर्मी का मौसम है, देखो, गर्मी का मौसम है।
मौसम ने अब आग लगाई
कुदरत का गुस्सा है भाई
गर्मी का कोहराम है क्योंकि
पेड़ हो रहे कम हैं
गर्मी का मौसम है, देखो, गर्मी का मौसम है।

बारिश जब हो जोरदार...

बारिश जब हो ज़ोरदार, बाढ़ के लिए रहना तैयार।
खाना, पानी, टॉर्च, दवाई, मोमबत्ती और दिया सलाई।
झोले में ये सब रख तुम लेना, फिर सबको बता भी देना।
तार और खम्बे से रहना दूर, बात याद ये रखना ज़रूर
खाना हमेशा ढक कर रखना, पानी बिना उबाले न पीना
जागरूक बन जाओगे, आपदा से बच पाओगे, औरों को बचाओगे

बच्चों मेरी सुनो कहानी...

बच्चों मेरी सुनो कहानी,
मैं हूं पानी, मैं हूं पानी,
मुझको पी तुम प्यास बुझाते
कपड़े धोते और नहाते,
खेत, पेड़, सब बाग, बगीचे,
मुझसे ही जाते है सीचें
बच्चों मेरी सुनो कहानी।

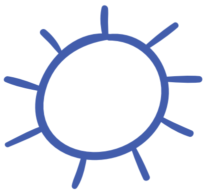

एक चिड़ियाँ आई...

एक चिड़ियाँ आई, दाना खाकर उड़ गई।
दो चिड़ियाँ आई, पानी पीकर उड़ गई।
तीन चिड़ियाँ आई, गाना गाकर उड़ गई।
चार चिड़ियाँ आई, झूला झूली उड़ गई।
एक चिड़ियाँ दो चिड़ियाँ, तीन चिड़ियाँ चार चिडियाँ।
दाना खाया पानी पीया, झूला झूली गाना गाया।
मेरे घर में आई चिड़ियाँ, मेरे घर में खेली चिड़ियाँ।

ढोलक...

ढोलक बाजे ढम-ढम ढम।
गुडिया नाचे छम-छम छम।
घूघरू बाजे छन-छन छन।
मोर नाचे झम-झम झम।
डमरू बाजे डम-डम डम।
बन्दर नाचे थे थे थन।
तारे चमके टम-टम टम।

चिड़िया...

छोटी सी यह चिड़िया है।
आदत उसकी बढ़िया है।।
दिनभर मेहनत करती है।
कभी न आलस करती है।।
यहाँ वहाँ आती जाती है।
बच्चों को दाना लाती है।।

गोल, तिकोन, चार कोन...

लाला जी की पगड़ी गोल,
सूरज गोल चंदा गोल।
दीदी कहती पृथ्वी गोल,
अम्मा कहती रोटी गोल।
हमने खाया गरम समोसा,
गरम-गरम और खसते-खसते।
उसमें देखे तीन कोन,
उसको कहते हैं तिकोन।
मेरी पुस्तक सुन्दर-सुन्दर,
उसमें देखे चार कोन।
उसको कहते हैं चौकोर।

आओ भाई खेलें खेल...

आओ भाई खेलें खेल,
चलती है अब अपनी रेल,
हम इंजन हैं भक-भक करते,
सब डिब्बे हैं छुक-छुक करते-।
सीटी देती चलती रेल,
कैसा बढ़िया है ये खेल,
टिकट-विकट का काम नहीं है,
लगता कुछ भी दाम नहीं है,
आया स्टेषन रूक गयी रेल,
खत्म हो गया अपना खेल।

वर्षा रानी आओ...

वर्षा रानी आओ,
रिम-झिम जल बरसाओं।
धरती की प्यास बुझाओ,
रिम-झिम जल बरसाओं।
माटी को महकाओ,
रिम-झिम जल बरसाओं।
पेड़ो को हर्षाओ,
रिम-झिम जल बरसाओं।
गर्मी को भगाओ,
रिम-झिम जल बरसाओं।

कुत्ता...
भों-भों-भों-भों करता है।
नहीं किसी से डरता है।।
जब वह आँख दिखाता है।
चोर नहीं टिक पाता है।।
पूँछ हिला खुष होता है।
वह जागे जग सोता है।।

तोता...
चोंच लाल और बदन हरा।
डाल-डाल पर उड़े फिरा।।
एक-एक का नाम बताता।
मियाँ मिठ्ठू वह कहलाता।।
राम-राम कह हमें बुलाता।
मीठी-मीठी बात सुनाता।।

ऐसे गिनती बढ़ती जाये...
एक बोलो एक-उड़ती चिड़िया देख।
दो बोलो दो- हाथ मुँह धो।
तीन बोलो तीन-भैया बजाये बीन।
चार बोलो चार-झोला लेकर चलो बाजार।
पाँच बोलो पाँच-साँच को कभी न आवे आँच।
छः बोलो छः-भैया गिनती कह।
सात बोलो सात-मान बड़ो की बात।
आठ बोलो आठ-याद करो तुम अपना पाठ।
नौ बोलो नौ-गेहूँ, चना, जौ।
दस बोलो दस-बड़े जोर से हँस।

उंगलियाँ...
एक हाथ में पाँच उंगलियाँ।
दोनों हाथों में हैं दस।।
एक पैर में पाँच उंगलियाँ।
दोनों पैरों में हैं दस।।
हाथों में दस पैरों में दस।
बीस उंगलियाँ हैं सारी बस।।

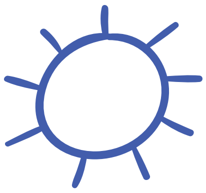

9.3 नाटक व अभिनय

9.3.1 मेरे दादा–दादी

1. बच्चों के दो समूह बनाएं।
2. एक समूह दादा का रोल प्ले और दूसरा समूह दादी का रोल प्ले करेंगे।
3. जिसके लिए उनको सामान देंगे,जैसे—दुपट्टा, अखबार, टोपी, चश्मा, छाता, छड़ी, लाठी, घड़ी, पेन और पेपर आदि।
4. अब सभी बच्चे अपने-अपने रोल के अनुसार एक-एक सामान ले लेंगे और अपने दादा की नकल करके बताएंगे।
5. सारे बच्चे एक साथ अभिनय करें और रोल का मजा लें।

9.3.2 मैं हूँ एक फूल

1. बच्चों के साथ गोल घेरे में बैठें।
2. बच्चों के सामने अलग-अलग फूल रखें।
3. सभी बच्चों को अपनी पसंद फूल का चुनने को कहें।
4. आपको फूल बनने का अभिनय करना हैद्य (जैसे मैं हूँ गुलाब, मेरा रंग है गुलाबी, मैं बहुत खुशबूदार हूँ।)
5. बच्चों को फूल का अभिनय करने मे मदद करेंद्य सभी बच्चों को पाँच मिनट का समय दें।
6. अंत में बच्चों के साथ चर्चा करें।
   - अभिनय करते समय उनको कैसा लग रहा था?
   - दूसरे दोस्तों का अभिनय देखकर कैसा लगा?
7. सभी बच्चों को उनकी पहल के लिए शाबाशी दें।
8. इस गतिविधि से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ेगा।

9.3.3 अच्छे दोस्त का इश्तेहार बनाएं

1. इस खेल के लिए सभी को एक घेरे में बैठाएं और पेपर, रंग, पेंट आदि दें।
2. बच्चों से पूछें कि आखरि एक अच्छा दोस्त कौन होता है और उनके द्वारा बताए गए सभी गुणों को लिखें और उन पर चर्चा करें।
3. बच्चों के साथ मिलकर एक चित्र बनाएं और कहें कि अगर एक अच्छे दोस्त का इश्तेहार बनाया जाए तो हम उसमें क्या-क्या लिखना चाहेंगे।
4. बच्चों को खुद से अपने अच्छे दोस्त को चित्रित करने का मौका दें और हर चित्र पर उनसे इसके बारे में बात करें।
5. बातचीत के बाद, उन्हें यह सोचने को कहें कि वे एक दूसरे के लिए अच्छे दोस्त कैसे बन सकते हैं।
6. इसी तरह आप अच्छे नागरिक, अच्छे छात्र, अच्छे भाईध्बहन बनने के बारे में बातचीत कर सकते हैं।

9.3.4 जंगल–जंगल

1. बच्चों को बताएं कि आज हम जंगल-जंगल खेलेंगे।
2. सब बच्चे जंगल में पाए जाने वाले जानवर, पेड़-पौधे, पशु-पक्षी आदि बन सकते हैं।
3. बच्चों की मदद के लिए जंगल में क्या-क्या पाया जाता है यह बताएं।
4. उसमें से उन्हें कोई एक किरदार निभाने को प्रोत्साहित करें।
5. जब सब बच्चे अपना-अपना किरदार चुन लें तो उनसे पूछें कि आप ने जंगल के इस किरदार को क्यों चुना है?
6. जंगल में जीव-जन्तु पेड़-पौधे एक दूसरे पर निर्भर हैं, इसी प्रकार समाज में हम कैसे एक-दूसरे पर निर्भर हैं? बच्चों से इसका उदाहरण पूछें।
7. यदि बच्चे उत्तर ना दे पाएं तो उनसे पूछें कि अपने पड़ोसी से आप किस प्रकार की मदद लेते हैं? अगर आपके गाँवध्शहर में परचून की दुकान ना हो, नाई की दुकान ना हो और ग्राम पंचायत ना हो तो पड़ोसी से किस तरह की मदद लेंगे?
8. सभी बच्चों को चर्चा में सम्मिलित करें और एक दूसरे पर निर्भरता और आपसी ताल-मेल की भावना आदि बिंदुओं के बारे में बच्चों को समझाएं।

9.3.5 पपेट की भावना पहचानें

1. इस खेल के लिए बच्चों को एक चक्र में बैठाएं और कोई पपेट/गुड़िया उनको दिखाएं।
2. बच्चों को गुड़िया से परिचित करायें - गुड़िया को एक नाम दें, उसकी उम्र बच्चों की उम्र जितनी बताएं और बच्चों को गुड़िया के बारे में जानने और उसकी अन्य भावनाएं पहचानने के लिए उत्साहित करें।
3. अलग-अलग परिस्थितियों का उदाहरण देते हुए, गुड़िया के अनुभव के बारे में बताएं, उसके शरीर में महसूस होने वाले एहसासों के बारे में बताएं और अन्य बच्चों को गुड़िया की भावना का अनुमान लगाने को कहें। जैसे-
   - गुड़िया जब सुबह उठी तो उसे पता चला कि उसकी नानी उसे मिलने आ रही है। उसके चहरे पर बड़ी सी मुस्कान आ गई और दिल जोर से धड़कने लगा। गुड़िया कैसा महसूस कर रही थी?
   - गुड़िया ने अपनी बहन के पास एक नई और चमकीली पानी की बोतल देखी। उसे भी बिलकुल वैसी ही बोतल चाहिए थी, वो तिरछी आँखों से बोतल को देखती रही और कामना करती रही कि काश उसे भी बिल्कुल वैसी ही बोतल मिल जाए। गुड़िया कैसा महसूस कर रही थी?
4. परिवार और अन्य लोगों से जुड़ी परिस्थितियों को चर्चा में शामिल करें। गुड़िया को बच्चों को देकर, उन्हें भी एक-एक कर, अलग अलग परिस्थितियों को बताने का मौका दें।

9.3.6 गैराज–गैराज

1. बच्चों के दो समूह बनाएं। (गैराज चलाने का सामान टीम को दें और दूसरी टीम को सही करवाने के लिए स्कूटर, कार, साइकिल आदि दें।)
2. समूह एक को हेड या टेल चुनने को कहें और सिक्का उछाल कर टॉस करें।
3. पहले राउंड में एक टीम गैराज पर काम करने वाली बनेगी और दूसरी टीम अपनी गाड़ियाँ सही करवाने आएगी।
4. दूसरे राउंड मे जो टीम गाड़ी सही करवा रही थी वो गैराज वाली बनेगी और दूसरी टीम गाड़ी सही करवाने वाली बनेगी। (इसमें लड़कियों की सहभागिता सुनिश्चित करें)
5. रोल प्ले के बाद चर्चा के प्रश्न
   - आपको गतिविधि कैसी लगी?
   - गैराज पर काम करते समय कैसा लग रहा था?

- जब आप गाड़ी सही करवाने आए तो आपको क्या और कैसा लगा?
- इस बात का ध्यान दें कि क्या समूह में सभी एक दूसरे की बात सुन रहे थे?

9.3.7 चेहरा देखें, भावना पहचानें

1. इस खेल के लिए कुछ कागज लें और उन सभी पर एक बड़ा गोला बनाकर उसे काटें। ध्यान रखें कि सभी गोले एक आकार के हों।
2. गोलों को फिर तीन बराबर हिस्सों में काटें और एक तरफ, तीनों हिस्सों को नंबर दें।
3. बच्चों को रंग, पेंट आदि दें और उन्हें कटे हुए गोलों के अलग अलग हिस्से दें।
4. बच्चों को एक नंबर वाले गोले पर अलग-अलग तरह की आँखें (बड़ी, छोटी, घूरती, बंद आँखें आदि), दो पर अलग-अलग तरह की नाक (सुकड़ी, फूली आदि) और तीसरे गोले पर अलग-अलग तरह के होंठ (बड़ी मुस्कान, उलटी मुस्कान, सीधे होंठ, टेढ़ी मुस्कान आदि) बनाने को कहें।
5. बच्चों को फिर अलग-अलग टुकड़े जोड़ कर, अलग चेहरे बनाने को कहें और हर चेहरे पर चर्चा करें- उसकी आँखें/नाक/मुँह/होंठ कैसे लग रहे हैं, वह चेहरा क्या महसूस कर रहा है आदि।

9.3.8 मेरे अपने

1. बच्चों को गोल घेरा बनाकर बैठने को कहें।
2. आँगनवाड़ी कार्यकत्री सभी बच्चों से कहेंगी कि यहाँ सामने कुछ सामान (दुपट्टा, टोपी, साफा, चश्मा, गमछा आदि) रखा है।
3. उसमें से आपको एक-एक सामान का चुनाव करना है और अपने परिवार के एक सदस्य की नकल करनी है।
4. नकल के दौरान आपको यह नहीं बताना है कि आप किसकी नकल कर रहे हैं, यह पहचानने का काम आपके बाकी साथी करेंगे।
5. जो बच्चा रोल प्ले कर रहा है बाद में वह अपने परिवार के सदस्य की अच्छी बातें बताएंगे।
6. सभी बच्चों को मौका दें कि वह अपने परिवार से दादा, दादी, मम्मी, पापा, चाचा, चाची, भाई और बहन आदि की नकल करके उनके बारे में कुछ अच्छी-अच्छी बातें बताएंगे।

9.3.9 खिलौनों का घर

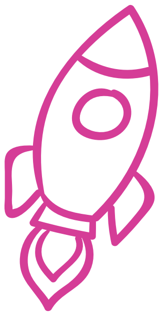

1. बच्चों के चार समूह बनाएं।
2. बच्चों को गीली मिट्टी, छोटे पत्थर, पत्ते आदि सामान दें।
3. बच्चों को अपनी पसंद के खिलौने बनाने को कहें।
4. सभी बच्चे घर के लिए अपनी पसंद का एक-एक खिलौना बना लें
5. अब बच्चों से उनके द्वारा बनाये गए खिलौनों के बीच बातचीत करवाएं।
6. इसमें सभी खिलौने, वो कैसे बने, उनके बनाने में क्या-क्या लगा, यह बताएंगे, अन्य बच्चे ध्यान से खिलौने की बात सुनेंगे।
7. इस गतिविधि से बच्चों में समूह में कार्य करने, सहयोग की भावना और एक दूसरे की बात सुनने का कौशल विकसित होगा।

9.3.10 बोलता पपेट–बताता अपनी बात

1. बच्चों के साथ गोला बनाकर बैठें।
2. आज सब बच्चे कठपुतली से अभिनय करवाएंगे।
3. बच्चे अपनी पसंद के अनुसार भावना और किरदार चुन सकते हैं, एक से ज़्यादा बच्चे एक ही किरदार की भूमिका निभा सकते हैं।
4. इसके लिए अलग-अलग पपेट बच्चों के सामने रखें, उनके नाम बताएंद्य (खुश चमकी, दुखी ग्रोवर, रोता एल्मो, गुस्सा भीम, प्यारा बंदर, जिज्ञासा से भरपूर छुटकी और बच्चों को पपेट हाथ में लेकर उसकी भावना के बारे में बताना है।
5. जैसे मैं हूँ खुश चमकी, मैं आज खुश हूँ क्योंकि आज मैं आँगनवाड़ी सबसे पहले पहुँच गई हूँ।
6. बच्चों को भावना के मुताबिक बात सामने रखने को प्रोत्साहित करें।

9.3.11 जब मन हो उदास

1. बच्चों से उनकी भावनाओं को सही दिशा देने के तरीकों पर बात करें।
2. खेल के लिए बच्चों को एक गोले में बैठाएं और एक-एक कर नीचे दिए गए तरीकों का साथ

मिलकर अभिनय करें।

3. आँखें बंद करके आराम से बैठना, गहरी, लम्बी साँसें लेना।
4. अपनी उंगलियों का उपयोग करते हुए एक से पाँच तक गिनती बोलें।
5. अपनी पसंद का गाना गाएं।
6. जब बच्चों के साथ अभिनय कर लें तो उनके अनुभव जानें कि जब मन उदास होता है तो वह क्या करते हैं?
7. हर तरीके का अभ्यास करने के बाद, बच्चों से उनके अनुभव के बारे में जरूर पूछें।

9.3.12 दूसरों के प्रति अच्छे व्यवहार को दर्शाएं

1. बच्चों को एक घेरे में बैठाएं और दूसरों के प्रति अच्छे व्यवहार के बारे में बातचीत करें।
2. बच्चों के साथ मिलकर ऐसे अच्छे व्यवहार की एक चित्रित सूची बनाएं। इस तरह के व्यवहारों को सूची में डालें-
    - दूसरों की मदद करना, भोजन और अपनी चीजें सब के साथ बाँटना, अपने आस-पास सफाई रखना, मिल-बाँट कर और बारी-बारी से खेलना, जब कोई कुछ चर्चा करे तो उसको धन्यवाद कहना, अपनी गलती पर माफी मांगना, किसी की चीज उनसे पूछकर ही लेना, दूसरों की बात बिना काटे सुनना आदि।
3. बच्चों को छोटे समूहों में बाँट कर उन्हें ऐसे व्यवहार का नाटक करके बाकियों को दिखाने के लिए कहें।
4. नाटक देखकर और अन्य बच्चों को शिष्टाचार पहचानने के लिए प्रेरित करें।
5. नाटक के लिए आप बच्चों को अन्य सामान भी दे सकते हैं- डिब्बे, बरतन, बोतलें, दुपट्टा, खिलौने, रंग आदि।

तीसरा भाग

लैंगिक समानता, समावेशी शिक्षा व मूल्यांकन

इस भाग में गतिविद्यिथा के संचालन के दौरान लैंगिक समानता और विशेष जरुरत वाले बच्चों पर ध्यान दिए जाने पर दिशा–निर्देश दिए गए है।

10

लैंगिक समानता

प्रारंभिक बाल्यवस्था में बच्चे अपने परिवेश में समानताओं और असमानताओं को पहचानना शुरू करते हैं। अतः इस समय उनमें लैंगिक समानता के विचारों को विकसित करना अति आवश्यक है। जब बच्चे अपने आसपास के वयस्क व्यक्तियों की भूमिकाओं को देखते हैं और उन पर सवाल करते हैं, तब उनमें लैंगिक संबंधित धारणाएं विकसित होती हैं। वे अक्सर अपनी इन धारणाओं के आधार पर खेल में भी भेद करते हैं। वे अपनी भूमिका एवं खिलौने भी इस प्रकार चुनते हैं, जो उन्हें अपनी लैंगिक धारणाओं के अनुसार उपयुक्त लगते हों।

आंगनवाड़ी केंद्र में कार्यकत्री दैनिक दिनचर्या की विभिन्न गतिविधियों के दौरान लैंगिक समानताओं का पालन कर सकती हैं, जिसको नीचे दिए गए तालिका में दर्शाया गया है।

गतिविधि	लैंगिक समानता का पालन
प्रथम चक्र का समय: थीम आधारित चर्चा	» ''मैं और मेरा परिवार'' और ''हमारे मददगार'' में लड़का और लड़की के आधार पर भूमिका, पसंद–नापसंद और व्यवसाय में अंतर न करें। » उदाहरणार्थ, ऐसे प्रश्नों या वाक्यों का प्रयोग न करें – • क्या आपको खाना मम्मी खिलाती हैं? • क्या आपके भाई को बैट बॉल से खेलना पसंद हैं? • क्या आप कभी डॉक्टर अंकल के पास गए हैं? » बच्चे से पूछें – • आपको खाना कौन खिलाता हैं? • आपके भाई को क्या खेलना पसंद हैं? • क्या आप कभी डॉक्टर के पास गए हैं?

P7C8S8

स्वतंत्र खेल के समय:	» लड़का और लड़की के आधार पर बच्चों के लिए खिलौने निर्धारित न करें। » बच्चों को स्वयं अपने खिलौनों का चयन करने दें। जैसे लड़कियां बिल्डिंग ब्लॉक्स के साथ खेल सकती हैं और लड़के गुड़िया के साथ खेल सकते हैं। » खेल के दौरान बच्चों को स्वयं भूमिकाओं का चुनाव करने दें।
अंदर व बाहर के खेल के समय	» समूह आधारित खेल में लड़के और लड़की के आधार पर समूहों का विभाजन न करें।
कहानी व कविता का समय	» बच्चों को ऐसी कहानी सुनाएं या उनके साथ ऐसी कविताएं करें, जिससे कि उन्हें लिंग निरपेक्षता और आपस में बेहतर दोस्ती को प्रोत्साहन मिले। » यदि कविताएं लिंग निरपेक्ष न हों तो उन्हें चुटकुले की तरह बच्चों के सामने प्रस्तुत करें।
पूरे दिन के संचालन के दौरान कुछ महत्वपूर्ण बिंदुअ	» रोल–प्ले के समय बच्चों को घर के सदस्यों की पारम्परिक भूमिकाओं के बजाय अन्य भूमिका का नाटक करने के लिए प्रोत्साहित करें। » जैसे घर के पुरुष खाना बनाते हैं और बच्चों की देखभाल करते हैं और महिलाएं काम के लिए बाहर जाती हैं। » लिंग निरपेक्ष भाषा का प्रयोग करें, जैसे "लड़के कर सकते हैं" या "लड़की कर सकते हैं" के बजाय "बच्चों कर सकते हैं का प्रयोग करें। » घर पर अपने अभिभावक के साथ कोई विशिष्ट जानकारी साझा करने हेतु, बच्चों को ऐसे निर्देश देने से बचें जो माता–पिता की परम्परागत भूमिकाओं को बढ़ावा दें। » जैसे "अपनी माँ को बताओ" की बजाय "अपने मम्मी और पापा" का प्रयोग करें। » सभी बच्चों में आवश्यक गुणों को बढ़ावा देने पर ज़ोर दें। » जैसे – अपनी जगह को व्यवस्थित रखना, तरीके से भोजन करना, अपने साथी और बड़ों का आदर करना, फूल–पौधों आदि की पहचान करना। » सभी बच्चों को अपने और अपनी साथियों की भावनाओं को पहचानने और व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। » जैसे – जब हम उदास होते हैं तो रोते हैं और जब हम खुश होते हैं तो हंसते हैं।

11

विशेष ज़रुरत वाले बच्चे

आंगनवाड़ी केंद्र में मिश्रित समूह में बच्चों आते हैं, जिसमें से कुछ बच्चे ऐसे भी होते हैं जिन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। अतः इन बच्चों के साथ गतिविधियों के संचालन के समय उनकी ज़रुरतों पर अत्यंत ही सावधानीपूर्वक और संवेदनशीलता से ध्यान देना चाहिए।

आंगनवाड़ी केंद्रों को विशेष ज़रूरत वाले बच्चों हेतु अनुकूल बनाने के लिए निम्न प्रकार की सुविधाएं एवं रणनीतियां आवश्यक हैं।

सुविधाएं	
भौतिक सुविधाएं	» केंद्र में आसानी से प्रवेश करने हेतु, दरवाज़े के सामने रेलिंग सहित 'रैम्प' होना चाहिए। » केंद्र सजावट एवं सामग्रियों का प्रदर्शन ऐसा होना चाहिए कि बच्चों की सहज आवाजाही के लिए केंद्र में पर्याप्त जगह हो। » शौचालय को बच्चों के लिए सुलभ बनाने हेतु, अन्दर पकड़ने के लिए रेलिंग होनी चाहिए।
व्यवहारिक सुविधा	» उनके साथ धैर्य बनाएं एवं उन्हें अपने संवेगों और भावनाओं को व्यक्त करने का अवसर देने चाहिए। » उन पर निगरानी हमेशा होनी चाहिए और यह ध्यान देना चहिए कि वे केंद्र के बाहर या शौचालय में अकेले न जाएं। » सुबह केंद्र में आते समय और केंद्र से घर जाते समय बच्चों के साथ उनके अभिभावक हमेशा साथ रहें। » सभी बच्चों को अधिक से अधिक गतिविधियों में प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें और इसके लिए उनकी सहायता करें। » अधिकतम ज़रुरत वाले बच्चों को गोले में अपने पास बैठाना चाहिए। » केंद्र के अन्य बच्चों द्वारा विशेष ज़रुरत वाले बच्चों को चिढ़ाने या उनके साथ बुरा व्यवहार करने से रोकें।

M8Z6R5

जरूरत आधारित रणनितियां	
दृष्टि दिव्यांग बच्चों के लिए	» श्रवण एवं स्पर्श माध्यमों का अधिक से अधिक प्रयोग करें। » भाषा और मौखिक युक्तियों का अधिक प्रयोग करें। » टी.एल.एम. एवं केंद्र में अन्य मुद्रित सामाग्री, ब्रेल अथवा बड़े छाप में रखें।
श्रवण दिव्यांग बच्चों के लिए	» तेज़, स्पष्ट आवाज़ एवं धीमी गति में बात करें। » चार्ट, चित्रों और अन्य मुद्रित सामग्रियों का अधिक से अधिक प्रयोग करें।
लोको-मोटर या शारीरिक दिव्यांग बच्चों के लिए	» समावेशी गतिविधियों की रचना करें। » शारीरिक दिव्यांग के प्रारूप को ध्यान में रखते हुए सामग्री का प्रयोग करें।
बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के लिए	» छोटे और स्पष्ट निर्देशों के माध्यम से गतिविधियों का संचालन करें। » गतिविधि और निर्देशों को दोहराएं। » बच्चे द्वारा गतिविधि समझने और सीखने हेतु थोड़ा समय और निर्धारित करें। » ज़रूरत के अनुसार समझ बनाने हेतु अन्य सामग्री और तरकीब का प्रयोग करें।
वाणी दिव्यांग बच्चों के लिए	» धैर्यपूर्वक बच्चे को अपनी बात पूर्ण करने के लिए समय दें। » इस पर ध्यान देना कि बच्चा क्या कह रहा है और न कि कैसे। » जब बच्चा बोले तो उनकी तरफ ध्यान केंद्रित करें। » केंद्र पर ऐसी सामग्री रखें, जिसके प्रयोग से वह अपने विचार व भावनाओं को व्यक्त कर पाएं। » उनके द्वारा व्यक्त किए गए विचारों को दोहराएं। » आपसी बातचीत करने के लिए बच्चे को प्रतिदिन प्रेरित करें।

12

बाल मूल्यांकन

एक आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों का मूल्यांकन बहुत संवेदनशीलता के साथ करना चाहिए क्योंकि 3 से 6 साल के बच्चें विकास के आधारभूत स्तर से गुजर रहे होते हैं, इसीलिए उनके विकास को बड़े सावधानी के साथ वैज्ञानिक तरीके से करने की आवश्यकता है।

मूल्यांकन के उद्देश्य:

- ✔ प्रत्येक विकास के क्षेत्रों के अंतर्गत बच्चे में वृद्धि के स्तर को जानना।
- ✔ मूल्यांकन के पश्चात कार्यप्रणाली पर विचार करना और आगामी दिनों की प्लानिंग इसके आधार पर करना।

अभिभावकों के साथ बच्चों की प्रगति पर चर्चा करना।

निर्देश:

- ✔ मूल्यांकन वर्ष में दो बार करें - सितम्बर और मार्च माह।
- ✔ मूल्यांकन के लिए बाल मूल्यांकन कार्ड का ही प्रयोग करें।
- ✔ अक्टूबर और अप्रैल माह में पी.टी.एम. दिवस पर मूल्यांकन कार्ड का साझा अभिभावकों के साथ करें।
- ✔ पी.टी.एम. दिवस पर अभिभवकों के साथ मूल्यांकन कार्ड को साझा करने के समय कार्ड पर अभिभावकों का हस्ताक्षर लें और मूल्यांकन कार्ड अपने पास सुरक्षित रूप से रखें।

प्रारंभिक बाल्यवस्था में मूल्यांकन अवलोकन और बच्चों के पोर्टफोलियों से किया जाता हैं।

K3U5G8

अवलोकन	पोर्टफोलियो
मूल्यांकन से पहले बच्चों का कई दिनों तक अच्छी तरह अवलोकन करना चाहिए » बच्चों का मूल्यांकन उनके स्वाभाविक/सामान्य परिवेश यानि कि खेल कूद करते हुए, गाना गाते हुए, बातचीत करते हुए – इन हालातों में करना चाहिए » बच्चों को पता नहीं चलना चाहिए कि उनकी किसी प्रकार की जांच हो रही है » मूल्यांकन को व्यापक करने के लिए अनेक प्रकार की गतिविधियां करते हुए अवलोकन करना चाहिए	» आंगनवाड़ी केंद्र में हर एक बच्चे की अपनी अपनी पोर्टफोलियो है, जिसमें उसके बनाएं गए, चित्र – हस्तकला, लिखावट के नमूने आदि रखे जाते है। इन नमूनों को देखते हुए यह आभास मिलता है कि सालभर में एक बच्चे की प्रगति किस प्रकार से हो रही है » बच्चों द्वारा किए गए काम को उनके पालकों के साथ शेयर करें, इससे आंगनवाड़ी केंद्र से उनका जुड़ाव बढ़ेगा

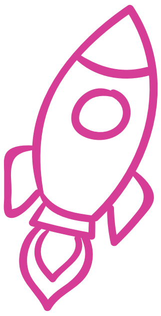

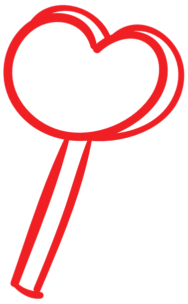

मूल्यांकन करने के लिए बच्चों की आयु के अनुसार कुछ मानकों पर किए जाएंगे, जो निम्न तालिका में दिए गए हैं।

विकास के क्षेत्र	3–4 वर्ष	4–5 वर्ष	5–6 वर्ष
शारीरिक विकास	बाहर या अंदर खेले जाने वाले खेल में सक्रियता से भाग लेना	बाहर या अंदर खेले जाने वाले खेल में सक्रिय प्रतिभागिता कर पाना	समूह खेल और अंदर खेले जाने वाले खेल में सक्रिय रूप से भाग ले पाना
	बड़ी गेंद को दोनों हाथों से फेंक पाना	बड़ी गेंद को फेंक, पकड़ और लात मार पाना	किसी बताए गए दिशा में गेंद को फेंक और लात मार पाना
	एक स्थान पर कूद पाना	तेज़ और धीमी गति से दौड़ पाना	आगे, पीछे या किनारे चल पाना
	मोती की माला बना पाना	किसी दिए गए क्रम के अनुसार धागे में मोती डाल पाना	एक पैटर्न बनाते हुए धागे में मोती डाल पाना
	बड़े चित्र की रूपरेखा के अंदर रंग कर पाना	बिंदुओं को मिलाकर चित्र/आकृति बना पाना	एक जटिल आकृति बनाने के लिए बिंदुओं का मिलान कर पाना
बौद्धिक विकास	विभिन्न गंध, स्वाद, ध्वनि और आकृतियों को पहचान पाना	विभिन्न गंध, स्वाद, ध्वनि और आकृतियों के अनुसार विभिन्न वस्तुओं का वर्गीकरण कर पाना	विभिन्न गंध, स्वाद, ध्वनि और आकृतियों के अनुसार विभिन्न वस्तुओं का वर्गीकरण कर पाना
	3 रंगों की पहचान कर पाना - लाल, पीला, नीला	वस्तुओं का किसी दो अवधारणा पर वर्गीकरण कर पाना -लाल फूल, पीले पत्ते इत्यादि	वस्तुओं का किसी तीन अवधारणा पर वर्गीकरण कर पाना - छोटी पीली गोल इत्यादि
	वस्तुओं का किसी एक अवधारणा पर वर्गीकरण कर पाना, जैसे - रंगों के आधार पर, आकार के आधार पर इत्यादि	एक साधारण पैटर्न को पूरा कर पाना	एक जटिल पैटर्न को पूरा कर पाना
	3 टुकड़ों वाले पज़ल का चित्र पूरा कर पाना	4-5 टुकड़ों वाले पज़ल का चित्र पूरा कर पाना	दो चित्रों के बीच अंतर स्पष्ट कर पाना
	विभिन्न आकार के दिए गए पैटर्न को दोहरा पाना	वस्तुओं की 5 तक गिनती कर पाना और संख्याओं को गणना से मिलान कर पाना	संख्याओं को 1से 9 तक व्यवस्थित कर पाना

भाषा विकास	सरल निर्देशों का पालन कर पाना	वार्तालाप और कहानियों को ध्यान से सुन पाना	वार्तालाप और कहानियों को ध्यान से सुन पाना
	इशारों, शब्दों और सरल वाक्यों में अपनी भावनाओं को व्यक्त कर पाना	सरल वाक्यों में अपनी भावनाओं और विचारों को व्यक्त कर पाना तथा प्रश्न पूछ पाना	सरल वाक्यों में अपनी भावनाओं और विचारों को व्यक्त कर पाना तथा प्रश्न पूछ पाना
	कहानी की किताब में या चित्र कार्ड से चित्र पाठ कर पाना	उचित शब्दावली का उपयोग करके बताए गए क्रम में वर्णन कर पाना	कहानी बनाते समय अन्य बच्चों के साथ अपने विचारों को भी साझा करना
	एक पूर्ण वाक्य में चित्र का वर्णन कर पाना	पुस्तिका और अन्य छपी सामग्री को पहचानकर छपे शब्दों को दोहराने में रूचि रखना	किताब और अन्य छपी सामग्री का पता लगाकर शब्दों का मतलब निकाल पाना
	अपने लिखित नाम को पहचान पाना	किसी दिए गए पहले शब्द की ध्वनि को पहचान पाना	एक समान पहली और आखिरी ध्वनि वाले शब्दों का वर्गीकरण कर पाना
सामाजिक और भावनात्मक विकास	समूह में अन्य बच्चों के साथ खेलना पसंद करना	अन्य बच्चों के साथ समूह में खेलने में खुशी महसूस करना	खेल में नियमों के साथ टीम का हिस्सा बनकर खेल पाना
	परिवार के सदस्य, समुदाय के परिचित सदस्य, कार्यकत्री और सहायक के साथ आराम से बात कर पाना	परिचित व्यक्तियों से सहजता से बात कर पाना	परिचित व्यक्तियों से सहजता से बात कर पाना
	दोस्तों के साथ साझा कर पाना	दोस्तों के साथ साझा कर पाना	दोस्तों के साथ साझा कर पाना
	खेलते समय अपनी बारी के लिए इंतज़ार कर पाना	खेलते या अन्य स्थितियों में अपनी बारी के लिए इंतज़ार कर पाना	खेलते या अन्य स्थितियों में अपनी बारी के लिए इंतज़ार कर पाना
	खुशी, उदासी और क्रोध जैसी सरल भावनाओं को शब्दों में या हाव-भाव से व्यक्त कर पाना	खुशी, उदासी और क्रोध जैसी सरल भावनाओं को पहचान और व्यक्त कर पाना	खुशी, उदासी और क्रोध जैसी सरल भावनाओं को पहचान और व्यक्त कर पाना

रचनात्मक विकास	नई चीज़ें सीखने की जिज्ञासा और उत्सुकता होना	नई चीज़ें सीखने में जिज्ञासा और रूचि दिखाना	नई चीज़ें सीखने में जिज्ञासा और रूचि दिखाना
	नृत्य नाटक में शामिल होने का आनंद लेना	काल्पनिक खेल में शामिल होने का आनंद लेना	काल्पनिक खेल में शामिल होने का आनंद लेना
	दैनिक गतिविधियों में रचनात्मकता दिखाना, जैसे - नए और अलग-अलग तरीकों से वस्तु या शब्दों का प्रयोग करना	दैनिक गतिविधियों में रचनात्मकता दिखाना, जैसे - नए और अलग-अलग तरीकों से विभिन्न वस्तुओं या शब्दों का प्रयोग करना	दैनिक गतिविधियों में रचनात्मकता दिखाना, जैसे - दी गई सामग्री से विभिन्न वस्तु बना पाना
	नाटक और संगीत में भाग लेना	नृत्य, नाटक और संगीत में प्रतिभागिता कर पाना	नृत्य, नाटक और संगीत में प्रतिभागिता कर पाना
	चित्रकारी, चित्रकला और समस्या का समाधान करने में कल्पना का उपयोग करना	चित्रकारी, चित्रकला और समस्या का समाधान करने में कल्पना का उपयोग कर पाना	चित्रकारी, चित्रकला और समस्या का समाधान करने में कल्पना का उपयोग कर पाना

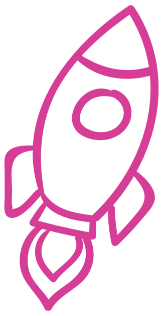

नोट्स

नोट्स

नोट्स

A5U8U3